www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शनिवार 30 मार्च, 2024 | वर्ष-16 | अंक-354 | पृष्ठ-10 | मूल्य - 3.00 रुपए

राजद का गठबन्धन कांग्रेस से किसी व्यक्ति से नहीं : तेजस्वी 02

■ रैली में 25 न्याय की मांगों को उठाएगी कांग्रेस
■ ईडी भाजपा का एकमात्र राजनीतिक हथियार 03

■ यूक्रेन के विदेश मंत्री के साथ रूस से संघर्ष पर हुई... 07

ऐसा मत सोचें कि मैं रातों रात सेंसेशन बनी हूं : मेधा शंकर 10

रमजान मुबारक

30 मार्च-19

खत्म सहरी : 4.53

रोजा इफ्तार : 6.39

सार संक्षेप

तीसरी बार्ज नौका नौसेना के बेड़े में शामिल

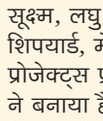

नई दिल्ली। गोला बारूद, टारपीडो तथा मिसाइलों को समुद्र में एक स्थान से दूसरे स्थान पर लाने-ले जाने में सक्षम तीसरी बार्ज नौका एलएसएएम-18 नौसेना के बेडे में शामिल हो गई। नौसेना ने कहा कि इस बार्ज नौका को ठाणे के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम शिपयार्ड, मेसर्स सूर्यदिप्ता प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने बनाया है। रक्षा मंत्रालय ने इन नौकाओं के निर्माण के लिए मेसर्स सूर्यदीप्ता प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ पांच मार्च 2021 में एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे।

उप चुनाव : भाजपा उम्मीदवार घोषित

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने को राजस्थान और झारखंड की दो विधानसभा सीटों के उप चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित कर दिए। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा स्वीकृत नामों के अनुसार झारखंड की गांडेय (सु.) सीट से दिलीप कुमार वर्मा और राजस्थान की बागीडोरा (सु.) सीट से सुभाष तम्बोलिया को उम्मीदवार बनाया है।

गेहूं के स्टॉक की जानकारी देना अनिवार्य

नई दिल्ली। सरकार ने खाद्य सुरक्षा प्रबंधन और जमाखोरी तथा सट्टेबाजी को रोकने के लिए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में व्यापारियों, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़े खुदरा विक्रेताओं तथा प्रसंस्करण कंपनियों को आगामी एक अप्रैल से अगले आदेश तक प्रत्येक शुक्रवार को गेहूं की अपनी स्टॉक की स्थिति की घोषणा करने के लिए कहा है। इस निर्णय के तहत सभी संस्थाओं को यह जानकारी मंत्रालय के विशेष पोर्टल पर अनिवार्य रूप से नियमित तथा उचित रूप से प्रकाशित करनी होगी।

सशस्त्र बलों में एकजुटता महत्वपूर्ण : नौसेना प्रमुख

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने राष्ट्रीय सैन्य उद्देश्यों को हासिल करने के लिए सशस्त्र बलों में एकजुटता और एकीकरण के महत्व पर बल दिया है। नौसेना के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि एडमिरल कुमार ने को स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन का दौरा किया और 79 वें स्टाफ कोर्स में भाग ले रहे सशस्त्र बलों के शीर्ष अधिकारियों को संबोधित किया। नौसेना प्रमुख ने भारत की समुद्री विरासत और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्रीय विशिष्टता स्थापित करने में देश के भूगोल के महत्व को रेखांकित किया।

आयकर विभाग के नोटिस पर कांग्रेस का आरोप

भाजपा ने लिया 42 करोड़ का चंदा

आयकर विभाग ने कांग्रेस को भेजा 17 सौ करोड़ का नया नोटिस

देश की स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, 29 मार्च (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों को मिले चंदे को लेकर भाजपा व कांग्रेस में घमासान मचा है। भाजपा कह रही है कि कांग्रेस ने डोनेशन लेने के नियमों का उल्लंघन किया है, तो दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि चुनाव के मौके पर उसके बैंक खाते फ्रीज किए जा रहे हैं। सरकार का यह कदम देश की स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करने का प्रयास है। यह मामला अब केवल भारत तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र संघ यूएनओ तक इसकी गूंज पहुंच रही है। अमेरिका और यूएन में उठे इस मामले के बाद शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी ने एक बड़ा खुलासा कर दिया है। पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि हमने सात वर्ष में भाजपा को मिले चंदे का हिसाब-किताब जोड़ा है। उसमें कई जगहों पर उल्लंघन एवं अनियमितताएं हैं। हमने जो हिसाब लगाया है, उसमें करीब 4,600 करोड़ रुपए की भाजपा पर पैनल्टी बनती है। आयकर विभाग, भाजपा को कोई नोटिस नहीं दे रहा। इतनी भारी पैनल्टी एकत्रित होने पर भी उसके बैंक खाते फ्रीज नहीं किए जा रहे।

भाजपा से 46 सौ करोड़ रुपए की पैनल्टी पर आयकर विभाग मौन : अजय माकन

भाकपा को भी 11 करोड़ का आयकर भुगतान का नोटिस

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से विपक्षी पार्टियां आयकर विभाग के निशाने पर आ गई हैं। कांग्रेस के बाद अब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी को भी आयकर विभाग ने पिछले कुछ वर्षों के दौरान रिटर्न दाखिल करते समय पुराने पैन कार्ड के इस्तेमाल के लिए 11 करोड़ रुपए के बकाए के भुगतान को लेकर नोटिस थमा दिया है। आयकर विभाग को भुगतान किए जाने वाले इस बकाए में पार्टी द्वारा पुराने पैनकार्ड के इस्तेमाल में विसंगतियों के लिए अधिकारियों को देय जुर्माना और ब्याज शामिल है। फिलहाल भाकपा आयकर अधिकारियों की नोटिस को चुनौती देने के लिए अपने वकीलों से कानूनी सलाह ले रही है। पार्टी के नेता डी. राजा ने कहा कि इस मामले में कानूनी सलाह ली जा रही है। पार्टी जल्द ही उचित फोरम पर इसका विरोध दर्ज कराएगी।

1,297 लोगों ने बिना पते के दिया चंदा

अजय माकन ने बताया, कांग्रेस पार्टी के सिर्फ 14 लाख रुपए के उल्लंघन के ऊपर आयकर विभाग ने 135 करोड़ रुपए छीन लिए। 2017-18 में भाजपा ने 1,297 लोगों से चंदा लिया। सूची में उन लोगों का कोई पता नहीं लिखा है। सिर्फ नाम लिखा गया है। नियम है कि चंदा देने वाले का नाम और पता, दोनों होने जरूरी हैं। इस तरह की राशि 42 करोड़ रुपए है।

यह राशि देने वाले आदमी कहां रहते हैं, क्या वे पाकिस्तान में रहते हैं या हमारे देश में कहीं पर रहते हैं, उनका पता क्या है। ये किसी को मालूम नहीं है। यह तो नियमों का सरासर उल्लंघन है। आयकर विभाग ने 42 करोड़ रुपए के उल्लंघन के मामले में आंख पर पट्टी लगा ली है। दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी को मात्र 14 लाख रुपए के चंदे के मामले में इतनी बड़ी कार्रवाई कर दी। वह चंदा कांग्रेस के ही 23 लोगों ने, जो हमारे मेंबर ऑफ पार्लियामेंट थे, हमारे एमएलए थे, जमा कराया था। बाद में हमने उनके नाम, पेन नंबर और दूसरी डिटेल भी बताई थी।

जब सरकार बदलेगी तो 'लोकतंत्र का चीरहरण' करने वालों पर कार्रवाई जरूर होगी। कार्रवाई ऐसी होगी कि दोबारा फिर किसी की हिम्मत नहीं होगी, यह सब करने की यह गारंटी है : **राहुल गांधी**

जम्मू में खाई में गिरी टैक्सी

दस लोगों की मौत

जम्मू/पटना, 29 मार्च (देशबन्धु)। जम्मू के रामबन में गत गुरुवार देर रात एक टैक्सी 300 फीट गहरी खाई में गिर गई। इसमें 10 की मौत हो गई, जिसमें 9 लोग बिहार के रहने वाले थे। हादसा 28 मार्च देर रात सवा एक बजे जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे 44 पर रामबन के बैटरी चश्मा इलाके में हुआ। रेस्क्यू टीम के मुताबिक टैक्सी श्रीनगर से जम्मू जा रही थी। रास्ते में भारी बारिश के चलते फिसलकर खाई में गिर गई। दस यात्रियों के शव खाई में से निकाले गए। मरने वालों में जम्मू के अंब ग्रोथा के बलवान सिंह और बिहार के भैसहिया गांव के दो भाई इंद्रजित बीन और अवधेश बीन, मंझरिया के राजू बीन, सोहस सिसवा बाजार के संदीप बीन, बाहरी स्थान के हरि बीन, इनारबरावा भैरोगंज के विपिन मुखिया, बेलौरा रामनगर थाना के राजन मुखिया, सिरिसिया निवासी नौरंगिया के रामविलास बीन और कैलाश नगर के राजकुमार थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामबन में हुए सड़क हादसे पर दुःख जताया। है।

- मृतकों में नौ बिहार के रहने वाले
- प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे पर जताया दुख

मृतकों के परिजन को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की है। वहीं केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि दुखद सड़क दुर्घटना के बारे में जानने के लिए रामबन के उपायुक्त बसीर-उल-हक से बात कर घटना की जानकारी ली साथ ही शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

बिहार में सीट बंटवारों को लेकर इंडिया गठबंधन में बनी सहमति

राजद 26, कांग्रेस 9, व लेफ्ट 5 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

पटना, 29 मार्च (देशबन्धु)। लोकसभा सीट बंटवारे को लेकर महागठबंधन में बात फाइनल हो चुकी है। शुक्रवार को सीट बंटवारे का एलान कर दिया गया। राष्ट्रीय जनता दल की ओर से संवाददाता सम्मेलन में सीट का एलान कर दिया है कांग्रेस को 9 सीट देने की बात कही गई। महागठबंधन में वामदलों में भाकपा को एक सीट बेगूसराय व माकपा को एक सीट खगड़िया दिए जाने पर सहमति बनी है। जबकि, भाकपा माले को तीन सीट नालंदा, आरा व काराकाट दिए जाने को लेकर भी अंतिम सहमति बन चुकी है। वहीं, पूर्णिया और सुपौल सीट को लेकर जो चर्चा चल रही थी वो भी खत्म हो गया है, यह दोनों सीट राजद के खाते में गई है। वहीं, राजद 26 लोकसभा सीट पर चुनाव मैदान में हैं। राजद इस दफे गया, नवादा, जहानाबाद, औरंगाबाद, बक्सर, पाटलिपुत्र, मुंगेर, जमुई, मुंगेर, बाल्मीकि नगर,पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, वैशाली, सारण, सिवान,गोपालगंज, उजियारपुर, दरभंगा, मधुबनी, झंझारपुर, सुपौल, मधेपुरा, पूर्णिया, अररिया और हाजीपुर सीट पर चुनाव लड़ेगी।

- पूर्णिया व सुपौल सीट राजद के खाते में गई
- बिहार में सात चरणों में होने हैं लोकसभा चुनाव

कांग्रेस इन नौ सीटों पर लड़ेगी चुनाव

कटिहार, किशनगंज, भागलपुर, पटना साहिब, मुजफ्फरपुर, पश्चिम चंपारण, सासाराम, समस्तीपुर, महाराजगंज। जबकि, भाकपा माले को तीन सीट नालंदा, आरा व काराकाट दिए जाने को लेकर सहमति बनी।

मुख्तार अंसारी की मौत की होगी न्यायिक जांच

■ एक महीने में देनी होगी रिपोर्ट ■ प्राथमिक रिपोर्ट में मौत की वजह हार्ट अटैक

बांदा, 29 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने माफिया मुख्तार अंसारी की मौत मामले की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। मुख्तार मामले की न्यायिक जांच बांदा की सीजेएम गरिमा सिंह करेंगी। वहीं इस जांच की रिपोर्ट एक महीने में देनी होगी। बता दें कि मुख्तार अंसारी की गुरुवार को मौत हो गई थी। बांदा जेल में हार्ट अटैक के बाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मौत पर उठ रहे सवाल

बांदा मेडिकल कॉलेज के आधिकारिक जानकारी के मुताबिक पांच बार के विधायक मुख्तार अंसारी की मौत कार्डियक अरेस्ट की वजह से हुई, जबकि परिजन जहर देने की बात कह रहे हैं। मुख्तार अंसारी की गुरुवार शाम को उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे जेल से रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत की वजह कार्डिएक अरेस्ट बताई जा रही है। मुख्तार अंसारी की अचानक हुई मौत को उनके परिवार द्वारा हत्या बताया जा रहा था। अंसारी के बेटे उमर ने उन्हें जेल में स्लो पॉइजन दिए जाने की बात कही थी। जिसके बाद मुख्तार के समर्थकों में भी आक्रोश देखने को मिला। वहीं मुख्तार अंसारी ने अपने मौत से कुछ दिन पहले कोर्ट में एक प्रार्थना पत्र दिया था, जिसमें उसने जेल प्रशासन पर कई तरह के आरोप लगाए थे। मुख्तार ने अपने प्रार्थना पत्र में कहा था कि साहब मुझे खाने में 19 मार्च की रात में कुछ विषाक्त प्रदार्थ मिलाकर दिया गया है, जिससे मेरी तबीयत बहुत बिगड़ गई है। ऐसा लगता है, मेरा दम निकल जाएगा और घबराहट का एहसास हो रहा है, बल्कि इससे पहले मेरा स्वास्थ्य ठीक था। कृपया मेरा सही से डाक्टरों की टीम बनाकर इलाज करवा दीजिए। इससे पहले भी 40 दिन पूर्व मेरे खाने में विषाक्त प्रदार्थ मिलाया गया था, जिसे जब चख कर स्टाफ ने दिया तो प्रार्थी समेत पूरे स्टाफ की तबियत बहुत बिगड़ गई थी। जिसका भी इलाज किया गया था।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार मुख्तार अंसारी के शव को उनके पिता सुभानुल्लाह अंसारी के कब्र के पीछे कब्र खोदी गई है। वहीं पर उनको दफनाया जाएगा।

आज किया जाएगा सुपुर्द-ए-खाक

शनिवार सुबह गाजीपुर के काली बाग कब्रिस्तान में अंसारी को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। 29 मार्च को तीन डॉक्टरों के पैनल ने अंसारी का पोस्टमॉर्टम किया और शव परिजनों को सौंप दिया। मुख्तार की गुरुवार रात दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी जिसके बाद से ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने मामले की न्यायिक जांच कराने की मांग की थी।

भारत में उम्मीद है सभी के अधिकार रहेंगे सुरक्षित : यूएन

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बोला संयुक्त राष्ट्र

नई दिल्ली, 29 मार्च (देशबन्धु)। भारत समेत कई अन्य देशों में इस साल चुनाव होने जा रहे हैं, जिसको देखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा कि भारत और जिस भी देश में चुनाव हो रहे हैं, वहां के लोगों के राजनीतिक और नागरिक अधिकारों की रक्षा हो। इसके अलावा, हर कोई स्वतंत्र और निष्पक्ष माहौल में मतदान करने में सक्षम हो। महासचिव स्टीफन दुजारिक के प्रवक्ता ने ये टिप्पणी उस समय की जब वह भारत में एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उनसे आगामी आम चुनावों से पहले ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गिरफ्तारी और विपक्षी कांग्रेस पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज करने के मद्देनजर भारत में राजनीतिक अशांति पर सवाल किया गया था। दरअसल, गत दिनों केजरीवाल की गिरफ्तारी पर टिप्पणी के विरोध में एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक को तलब किया गया था। इसके कुछ घंटों बाद, वाशिंगटन ने फिर दोहराया कि यह निष्पक्ष, पारदर्शी, समय पर कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करता है।

सुनीता ने आशीर्वाद कैंपेन किया लॉन्च

आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल को आशीर्वाद अभियान लॉन्च किया है। शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा कि मैं आपको (जनता) वॉट्सऐप नंबर 8297324624 दे रही हूं। आप इस पर मैसेज भेजकर अपने अरविंद को आशीर्वाद भेज सकते हैं। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने प्रवर्तन निदेशालय की कस्टडी में रह रहे अरविंद केजरीवाल पर तंज कसा कि उनके (अरविंद केजरीवाल) पास गिनती का वक्त बचा है। संभवत: उनकी पत्नी सुनीता मुख्यमंत्री पद की तैयारी कर रही हैं। केजरीवाल की पत्नी रेवेन्यू सर्विस में रहने के दौरान महज उनकी साथी नहीं थीं। वे (केजरीवाल) सबको साइडलाइन कर चुके हैं। अब मैडम तैयारी कर रही हैं।

उत्तर भारत में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज

उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा व दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में 30 मार्च को भी भारी बारिश और बर्फबारी की आशंका जताई है। 19 राज्यों में बूंदाबांदी की संभावना है। उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट है। यहां आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना जताई है। शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर में के सोनमर्ग के हंग इलाके में एवलांच हुआ। इससे दो कारें बर्फ में फंस गई। कार में फंसे लोगों का रेस्क्यू किया गया। हालांकि, एवलांच से श्रीनगर-लेह हाईवे बंद हो गया है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश का अलर्ट है।

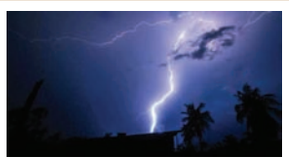

अप्रैल-मई में भीषण गर्मी की आशंका

अप्रैल-मई में तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा। इस दौरान हीटवेव चलने की आशंका है। अप्रैल में देश के मध्य भाग में हीटवेव की स्थिति रहेगी। मई सीजन का सबसे गर्म महीना होगा। इस दौरान देश के उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में भीषण गर्मी पड़ सकती है।

ओवैसी के सामने सानिया मिर्जा को उतार सकती है कांग्रेस

नई दिल्ली, 29 मार्च (देशबन्धु)। लोकसभा चुनावों में राजनीतिक पार्टियां सेलिब्रिटीज को चुनावी मैदान में उतारने का दाव अक्सर चलती रहती हैं। इसी कड़ी में भाजपा ने जहां इस बार मंड़ी लोकसभा क्षेत्र से कंगना रनौत को मैदान में उतारकर कांग्रेसी दिग्गजों को पसीना ला दिया है, तो वहीं कांग्रेस भी यह पैतरा हैदराबाद में आजमाने जा रही है। माना जा रहा है कि एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ हैदराबाद लोकसभा सीट कांग्रेस अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा को मैदान में उतार सकती है। सूत्रों के मिली जानकारी के मुताबिक, बुधवार को कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक चार राज्यों गोवा, तेलंगाना, यूपी, झारखंड और दमन व दीव के लिए हुई थी।

दावा *आचार संहिता उल्लंघन मामले में चुनाव आयोग का दावा*

सी-विजिल एप से मिलीं 79 हजार शिकायतें

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। 18वीं लोकसभा के लिए 19 अप्रैल से आम चुनाव होने जा रहे हैं। इस बीच चुनाव आयोग ने शुक्रवार को कहा कि आयोग का सी-विजिल ऐप आचार संहिता उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बड़ा हथियार बन चुका है। चुनाव आयोग ने सी-विजिल एप को आचार संहिता का उल्लंघन को चिन्हित करने के लिए एक प्रभावशाली उपकरण बताया है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से इस एप के माध्यम से 79,000 से अधिक शिकायतें मिलीं है। आयोग ने आगे बताया कि 99 प्रतिशत से अधिक शिकायतों का समाधान कर दिया गया है । उनमें से 89 प्रतिशत का समाधान 100 मिनट में किया गया है। आयोग ने बताया कि 58,500 शिकायतें अवैध बैनर होर्डिंग्स को लेकर दर्ज की गई थी, जबकि 1,400 शिकायतें पैसे, उपहार बांटने और शराब वितरित करने के संबंध में थे। वहीं तीन प्रतिशत शिकायतें संपत्ति को नष्ट करने को लेकर थी। डराने-धमकाने की 535 शिकायतों में से 529 का समाधान हो चुका है। एक हजार शिकायतें निषिद्ध अवधि के बाद प्रचार करने से संबंधित थी। समय सीमा के बाद स्पीकर बजाने की भी 100 शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। लोकसभा के साथ 4 राज्यों-आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनाव की तारीखें भी जारी कर दी गई हैं। ओडिशा में 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को वोटिंग होगी। बाकी तीन राज्यों में एक फेज में चुनाव होंगे।

- अब तक मिलीं शिकायतों में 99 फीसदी का हुआ समाधान
- बैनर होर्डिंग्स को लेकर दर्ज की गई थी 58,500 शिकायतें अवैध

सात चरण में होगा लोकसभा चुनाव

लोकसभा की 543 सीटों के लिए चुनाव सात फेज में होगा। पहले फेज की वोटिंग 19 अप्रैल को और आखिरी फेज की वोटिंग 1 जून को होगी। 4 जून को नतीजे आएंगे। आचार संहिता से लेकर नतीजे तक इसमें 80 दिन लगेंगे। बता दें कि 16 मार्च को सात चरण के चुनाव की घोषणा की गई थी।

देश

उवाच

बीआरएस प्रमुख के.चंद्रशेखर राव के साथ विश्वासघात करने वालों को तेलंगाना की जनता जवाब देगी, 'एक्स' पर किए एक पोस्ट में रामा राव ने कहा कि केसीआर ने शून्य से सुनामी पैदा की और तेलंगाना राज्य हासिल किया, जिसे असंभव माना जाता था:- **के. टी. रामाराव, कार्यकारी अध्यक्ष, बीआरएस**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	37.8	20.5
मुंबई	31.8	24.5
कोलकाता	36.0	27.5
चेन्नई	33.6	25.4

'कर आतंकवाद' से चुनाव जीतना चाहती है भाजपा : कांग्रेस

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर 'कर आतंकवाद' से लोकसभा चुनाव जीतने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि इसके विरुद्ध न्यायपालिका में अपील की जाएगी और सड़क पर संघर्ष होगा। पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार सरकारी संस्थाओं का प्रयोग करके विपक्षी पार्टियों को लगातार कमजोर कर रही है। आयकर विभाग समेत कई अन्य संस्थाओं का प्रयोग करके विपक्षी दलों और उनके नेताओं को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयकर विभाग 25 से 30 वर्ष पुराने मामलों में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कार्रवाई कर रहा है जो चयनित दलों के खिलाफ हो रही है।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में भाजपा और उसके नेताओं के विरूद्ध आयकर विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे ही नोटिस अन्य विपक्षी दलों को भी आये हैं और जल्दी ही उन दलों से बातचीत करके साझा रणनीति तय की जाएगी। श्री माकन ने कहा कि आयकर विभाग की कार्रवाई के विरूद्ध कांग्रेस उच्चतम न्यायालय तक जाएगी और सड़क पर संघर्ष करेगी।

आयकर विभाग की ये कार्रवाई गैर कानूनी है और न्यायालय इसे रद्द कर देगा। उन्होंने कहा कि लेकिन उस समय तक लोकसभा चुनाव समाप्त हो चुका होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य कांग्रेस को आर्थिक रुप से पंगु बनाना है जिससे वह लोकसभा चुनाव प्रभावी रुप से नहीं लड़ सके। उन्होंने कहा कि आयकर विभाग ने पहले कांग्रेस से 135 करोड़ रुपए की मांग की और बैंक खातों पर रोक लगा दी और अब विभिन्न मामलों का हवाला देते हुए 1823 करोड़ रुपए की मांग की गयी है। उन्होंने कहा कि इस राशि का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कांग्रेस का वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव व्यय 800 करोड़ रुपए रहा था।

केंद्र की भाजपा सरकार सरकारी संस्थाओं का प्रयोग करके विपक्षी पार्टियों को लगातार कमजोर कर रही:-अजय माकन

पार्टी 'खाते फ्रीज किए जाने' के मुद्दे पर देश भर में लोगों तक पहुंचेगी, दो दिनों में देश भर में हम लोगों से मिलेंगे:-केसी वेणुगोपाल

मध्य प्रदेश की तीन सीटों पर कांग्रेस में उलझन बरकरार

मध्य प्रदेश में एक तरफ लोकसभा के चुनाव का प्रचार जोर पकड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस अब भी तीन संसदीय क्षेत्र के लिए उम्मीदवारों के नाम तय नहीं कर पाई है। पार्टी अब भी उलझन में है कि यहां किसे मैदान में उतारा जाए। राज्य में लोकसभा की 29 सीटें हैं इनमें से कांग्रेस को 28 सीटों पर उम्मीदवार तय करने हैं और एक सीट आपसी समझौते के चलते समाजवादी पार्टी के खाते में गई है। कांग्रेस अब तक 25 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है, मगर तीन संसदीय सीटें मुरैना, ग्वालियर और खंडवा ऐसी हैं जहां अंतिम तौर पर फैसला नहीं हो पाया है। कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि जो तीन सीटें बची हैं, वहां नेताओं में आपसी सहमति नहीं बन पा रही है और जातीय समीकरण के चलते बेहतर उम्मीदवार भी पार्टी के लिए खोजना आसान नहीं है। इसी वजह से उम्मीदवारों के चयन में देरी हो रही है, फिर भी संभावना है कि जल्द ही नाम तय हो जाएंगे।

फ्रीज किए खातों के मुद्दे को लेकर जाएंगे जनता तक: केसी वेणुगोपाल

केरल में अलप्पुझा लोकसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी 'खाते फ्रीज किए जाने' के मुद्दे पर देश भर में लोगों तक पहुंचेगी। वेणुगोपाल ने कहा, 'दो दिनों में देश भर में हम लोगों से मिलेंगे और उन्हें बताएंगे कि चुनाव से पहले भाजपा ने हमारे खातों को फ्रीज करने के लिए किस प्रकार की साजिश रची।'

वेणुगोपाल ने कहा, 'हमें पता चला है कि भाजपा ने भी अनिवार्य रिटर्न दाखिल नहीं किया है, लेकिन इसी आरोप के आधार पर अधिकारियों ने हमारी पार्टी के खाते फ्रीज कर दिए।' उनकी टिप्पणी तब आई जब आयकर अधिकारियों ने एक ताजा नोटिस जारी कर कांग्रेस पार्टी को पहले दिए गए नोटिस के अलावा 1,700 करोड़ रुपए कर के रूप में जमा करने के लिए कहा। इसके पहले कर के रूप में 520 करोड़ रुपए का भुगतान करने को कहा गया था।

पूर्णिया सीट पर जदयू, भाजपा का रहा है दबदबा, पप्पू निर्दलीय भी जीत चुके हैं

पूर्णिया, 29 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में फिलहाल सबसे हॉट सीट पूर्णिया बनी हुई है और यह सबसे ज्यादा चर्चा में है। इस सीट पर पिछले दो दशकों से भाजपा और जदयू का दबदबा रहा है। पूर्णिया सीट की पहचान पहले सेंट्रल सीट के रूप में होती थी और 1977 से पहले इस सीट पर कांग्रेस का दबदबा था। लेकिन, आज परिस्थिति बदल गई है और कांग्रेस ने इस सीट के लिए एड़ी चोटी का प्रयास किया, लेकिन यह सीट राजद के कोटे में चली गई। बनमनखी, कसबा, धमदाहा, पूर्णिया, कोढ़ा और रूपौली विधानसभा वाले इस सीट पर 2004 से जदयू और भाजपा का कब्जा रहा है। उसके पहले 1999 में राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव बतौर निर्दलीय यहां जीत का परचम लहरा चुके हैं।

भाजपा ने पहली बाहर 1998 में यहां जीत दर्ज की। 2004 के चुनाव में भाजपा ने यहां दूसरी बार जीत दर्ज की और उदय सिंह सांसद चुने गए थे। 2009 के चुनाव में भी उन्हें जीत मिली। पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को भी यहां से तीन बार विजयी होने का आशीर्वाद मतदाताओं ने दिया। 2014 और 2019 में जदयू के संतोष कुशवाहा विजयी रहे। इस बार भी वह जदयू के सिंबल पर मैदान में हैं। यादव फिर से पूर्णिया लौटे हैं और उनकी इच्छा यहां से चुनाव लड़ने की है। इसके लिए उन्होंने अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय भी कर दिया। इसी बीच, महागठबंधन में शामिल राजद ने यहां से बीमा भारती को सिंबल पकड़ा दिया। हालांकि, पप्पू यादव किसी भी स्थिति में पूर्णिया नहीं छोड़ने की बात कर रहे हैं। पप्पू यादव का दावा है कि पिछले एक साल से पूर्णिया के एक एक घर तक पहुंचे हैं और लोगों ने उन्हें अपना आशीर्वाद दिया है। एनडीए की ओर से पूर्णिया सीट जदयू के खाते में गई है। मक्के और मखाना की खेती के लिए प्रसिद्ध इस इलाके का विस्तार बंगाल तक है, जिस कारण यहां की संस्कृति मिश्रित है। पूर्णिया लोकसभा सीट सीमांचल के अंतर्गत आती है। पूर्णिया जिले का बॉर्डर नेपाल और नॉर्थ ईस्ट के राज्यों से जुड़ा हुआ है। इस सीट पर मुस्लिम-यादव समीकरण काफी महत्व रखता है। बहरहाल, यह सीट हॉट सीट बनी हुई है। अगर पप्पू यादव अपने जिद पर अड़े रहे, तो मुकाबला दिलचस्प होगा।

- 1977 से पहले इस सीट पर कांग्रेस का दबदबा था
- 1999 में पप्पू यादव बतौर निर्दलीय यहां जीत का परचम लहरा चुके

सार संक्षेप

ईडी ने शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार अमोल जी. कीर्तिकर को आठ अप्रैल को पूछताछ के लिए जारी किया नया समन

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार शिव सेना (यूबीटी) नेता अमोल जी. कीर्तिकर को 8 अप्रैल को पूछताछ के लिए नया समन जारी किया है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ईडी ने उन्हें मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा उजागर 'खिचड़ी घोटाले' में कथित धन-शोधन मामले की जांच के लिए बुलाया है। 27 मार्च को जारी पहले समन के बाद, 52 वर्षीय कीर्तिकर ने अल्प सूचना और कुछ पूर्व प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए समय मांगा था। अब ईडी ने उनसे 10 दिन बाद पेश होने के लिए कहा है। कथित 'खिचड़ी घोटाला' बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) से संबंधित है। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की सरकार में कोविड-19 महामारी के दौरान फंसे हजारों प्रवासियों को पौष्टिक भोजन परोसने के लिए ठेका दिया था।

एनसीपी के सतारा सांसद श्रीनिवास पाटिल खराब स्वास्थ्य के कारण लोकसभा की दौड़ से बाहर

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो शरद पवार ने शुक्रवार को घोषणा करते हुए कहा कि सतारा से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के मौजूदा सांसद श्रीनिवास डी. पाटिल ने खराब स्वास्थ्य के कारण लोकसभा 2024 की दौड़ से बाहर होने का फैसला किया है। पाटिल (83) ने 2019 के लोकसभा उपचुनाव में शाही दावेदार छत्रपति उदयनराजे भोंसले को हराकर जीत हासिल की थी। पवार ने कहा, 'वरिष्ठ पूर्व नौकरशाह, 3 बार सांसद और सिक्किम के पूर्व राज्यपाल पाटिल सतारा सीट से चुनाव नहीं लड़ेंगे, लेकिन उन्होंने राकांपा द्वारा मैदान में उतारे गए किसी भी उम्मीदवार को अपने समर्थन और सेवाओं का आश्वासन दिया है।' पार्टी प्रमुख ने कहा कि पाटिल के चुनाव की दौड़ से बाहर होने के मद्देनजर, हमें अपने उम्मीदवार के बारे में बहुत सावधान रहना होगा। उन्होंने कहा कि कई नेता सतारा सीट के लिए दावेदार हैं।

भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस के पोस्ट पर उठाया सवाल, चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के आधिकारिक एक्स अकाउंट द्वारा पोस्ट किए गए एक पोस्टर पर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग से कार्रवाई करने की मांग की है। पश्चिम बंगाल भाजपा के सह प्रभारी एवं भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने तृणमूल कांग्रेस के आधिकारिक एक्स अकाउंट द्वारा किए गए पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए कहा, 'बंगाल की मौजूदा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को भारत के प्रधानमंत्री को किक मारते हुए दिखाया गया है।

राजद का गठबन्धन कांग्रेस से किसी व्यक्ति से नहीं : तेजस्वी

पटना, 29 मार्च (एजेंसियां)। राजद के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को पूर्व सांसद पप्पू यादव के पूर्णिया से चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि राजद का गठबन्धन कांग्रेस से हुआ है, किसी व्यक्ति से नहीं। हाल ही में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर चुके पूर्व सांसद पप्पू यादव पूर्णिया से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन पूर्णिया सीट राजद के कोटे में चल गई है। पप्पू पूर्णिया सीट पर चुनाव लड़ने पर अड़े हैं। तेजस्वी यादव ने पटना में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि महागठबंधन मजबूती से चुनाव लड़ेगा। महागठबंधन में वामपंथी दलों की तीन पार्टियां, राजद और कांग्रेस हैं। उन्होंने कहा, 'मैं पहले भी कह चुका हूं कि इस चुनाव के चौंकाने वाले परिणाम आएंगे।' उन्होंने महागठबंधन को मजबूत और जनता का गठबन्धन बताते हुए कहा कि एनडीए में तो कई लोगों को जगह ही नहीं मिली। लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान के पिछले चुनाव की तरह परिणाम आने वाले बयान पर तेजस्वी ने कहा कि उन लोगों को शुभकामनाएं हैं, लेकिन हर बार ऐसा रिजल्ट नहीं रहता है। कोई अमृत पीकर स्वर्ग से नहीं आता है।

दमोह में इस बार मुकाबला दिलचस्प, कांग्रेस-भाजपा ने हारे हुए उम्मीदवारों पर लगाया दांव

दमोह, 29 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की दमोह लोकसभा सीट पर इस बार मुकाबला दिलचस्प होने वाला है। भाजपा-कांग्रेस ने ऐसे उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है जो अपना पिछला चुनाव हार चुके हैं। भाजपा उम्मीदवार राहुल लोधी साल 2021 का उपचुनाव हारे थे, तो वहीं तरवर सिंह लोधी हाल में हुए विधानसभा चुनाव में हारे हैं। राज्य में चार चरणों में लोकसभा चुनाव होंगे। दमोह संसदीय क्षेत्र में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा। दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों भाजपा और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। भाजपा ने राहुल लोधी को उम्मीदवार बनाया है। वे दमोह विधानसभा से वर्ष 2018 में विधानसभा का चुनाव बतौर कांग्रेस उम्मीदवार लड़े थे और बाद में भाजपा में शामिल हो गए। वर्ष 2021 में उपचुनाव हुआ तो उसमें राहुल लोधी को हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस ने तरवर सिंह लोधी को उम्मीदवार बनाया है। वह हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में सागर जिले की बंडा विधानसभा सीट से चुनाव हार गए थे। दमोह संसदीय सीट के इतिहास पर गौर करें तो यहां अब तक 15 लोकसभा के चुनाव हुए हैं। इनमें कांग्रेस को पांच बार जीत मिली है, जबकि 10 बार यहां से भाजपा के उम्मीदवार जीते हैं। यहां से सबसे ज्यादा 'पांच बार' भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर रामकृष्ण कुसमारिया जीते। लगभग साढ़े तीन दशक से इस सीट पर भाजपा का कब्जा है। इस दौरान हुए नौ चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार जीते हैं। बीते दो चुनाव में यहां से प्रहलाद पटेल निर्वाचित हुए, लेकिन हाल में हुए विधानसभा चुनाव में वे नरसिंहपुर से निर्वाचित हुए और वर्तमान में मोहन यादव सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दमोह सीट पर पिछड़े वर्ग के मतदाताओं की आबादी ज्यादा है। यही वजह है कि यहां भाजपा हो या कांग्रेस दोनों ही दल पिछड़े वर्ग के उम्मीदवार को चुनावी मैदान में उतारते हैं। भाजपा ने बीते आठ चुनाव में पिछड़े वर्ग के उम्मीदवार को मैदान में उतारा और उसे सफलता मिली। इस बार का चुनाव रोचक रहने वाला है। दोनों ही उम्मीदवार लोधी समाज से हैं। ऐसे में मुस्लिम, जैन और ब्राह्मण मतदाताओं की नतीजों में बड़ी भूमिका रहने वाली है।

दोनों के उम्मीदवार अपना पिछला चुनाव हार चुके

कांग्रेस में शामिल होने से पहले केशव राव ने तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी से की मुलाकात

हैदराबाद, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के महासचिव के. केशव राव ने अपनी बेटी और हैदराबाद की मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी के साथ कांग्रेस में शामिल होने से एक दिन पहले शुक्रवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री आवास पर हुई बैठक के दौरान एआईसीसी प्रभारी दीपा दासमुंशी और अन्य नेता मौजूद थे। माना जाता है कि राज्यसभा सदस्य केशव राव ने कांग्रेस में शामिल होने के अपने फैसले से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। केशव राव और उनकी बेटी ने गुरुवार को कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की थी। विजयलक्ष्मी ने कहा कि सत्तारूढ़ दल का मेयर होने से विकास कार्य सुचारू रूप से हो सकते हैं। राज्यसभा सदस्य केशव राव ने बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव को भी अपना निर्णय बता दिया है। वरिष्ठ नेता ने उनसे कहा कि वह कांग्रेस में लौटना चाहते हैं, क्योंकि वह लंबे समय से पार्टी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि वह 53 वर्षों तक कांग्रेस पार्टी में थे और वह तेलंगाना के लिए बीआरएस में शामिल हुए थे। उन्होंने कांग्रेस में वापसी की इच्छा जताई। उनका फैसला दीपा दासमुंशी से मिलने और उन्हें पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित करने के एक हफ्ते बाद आया।

लोकसभा चुनाव को लेकर बिसात बिछी, सहनी, पारस को अब तक नहीं मिला 'ठिकाना'

पटना, 29 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार में मैदान तैयार हो गया है। एनडीए ने तो अपने खिलाड़ियों की घोषणा करते हुए फिल्डिंग भी सजा दी है। शुक्रवार को महागठबंधन ने भी सीट बंटवारा कर मुकाबले के लिए कमर कस ली है। दोनों गठबन्धनों ने अपने सहयोगी भी तय कर लिए, लेकिन अब तक पूर्व मंत्री मुकेश सहनी की पार्टी विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) को ठिकाना नहीं मिला है। एनडीए गठबन्धन में भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास), हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा हैं, जबकि महागठबंधन में राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल हैं। वीआईपी के नेता मुकेश सहनी ने निषादों के आरक्षण की मांग को लेकर गठबन्धन करने की बात कही थी। उन्होंने गठबन्धन के तहत चुनाव लड़ने की बात भी की थी, लेकिन दोनों गठबंधनों ने उन्हें नकार दिया। सूत्रों के मुताबिक, एनडीए और महागठबंधन के साथ वीआईपी के नेताओं से गठबन्धन की बात होती रही, लेकिन उनकी 'नाव' अब तक अधर में है। यही स्थिति पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस की पार्टी रालोजपा की है। वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में लोजपा छह सीटों पर चुनाव लड़ी थी और सभी सीटों पर उसके प्रत्याशी को जीत मिली थी। लोजपा के संस्थापक रामविलास पासवान के निधन के बाद लोजपा दो धड़ों में बंट गई। एक धड़े का नेतृत्व पशुपति पारस करने लगे तो दूसरा धड़े का नेतृत्व चिराग पासवान के हाथों में चला गया। लोकसभा चुनाव 2024 के सीट बंटवारे में चिराग पासवान वाली लोजपा को पांच सीटें मिल गई, लेकिन पशुपति पारस को एक सीट भी नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

एके एंटनी के बेटे के खिलाफ प्रचार नहीं करेंगी ओमन चांडी की बेटी

तिरुवनंतपुरम, 29 मार्च (एजेंसियां)। केरल के दिग्गज नेता ए.के. एंटनी और केरल के ही दिवंगत मुख्यमंत्री ओमन चांडी छह दशकों से अधिक समय तक कांग्रेस में न केवल सहकर्मी थे, बल्कि करीबी दोस्त भी थे और उनकी बेटी आज भी उनके पारिवारिक रिश्ते को संजोए हुए हैं। अचु ओमन चांडी ने कहा है कि वह एंटनी के बेटे अनिल के. एंटनी के खिलाफ प्रचार नहीं करेंगी। अनिल एंटनी भाजपा से चुनाव लड़ रहे हैं और उन्हें पथानामथिट्टा लोकसभा सीट से मैदान में उतारा गया है। अचु ओमन चांडी ने कहा कि 'वे दोनों बचपन के दोस्त हैं।' पथानामथिट्टा में, अनिल एंटनी का मुकाबला मौजूदा कांग्रेस सांसद एंटो एंटनी और अनुभवी सीपीआई-एम नेता और दो बार राज्य के वित्त मंत्री थॉमस इसाक से है।

मुख्तार अंसारी की मौत पर महागठबंधन ने योगी सरकार को निशाने पर लिया

पटना, 29 मार्च (देशबन्धु)। यूपी के पूर्व बाहुबली विधायक की मौत पर बिहार में भी सियासत शुरू हो गई है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता अखिलेश सिंह और पप्पू यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। इसके साथ ही तेजस्वी ने सरकार से गहरा आरोप लगाते हुए सरकार से बड़ी मांग की है। इसके बाद अब इस मामले में राजनीतिक आरोप -प्रत्यारोप होना तय है।

दरअसल, गुरुवार रात को बांदा मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मुख्तार अंसारी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उनकी मौत कार्डियक अरेस्ट के चलते हुई। डॉक्टर के काफी प्रयास भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। वहीं, अब मुख्तार अंसारी के निधन पर बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

तेजस्वी ने कहा है कि - उत्तर प्रदेश से पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी के इंतकाल का दु:खद समाचार मिला। परवरदिगार से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करें। इसके आगे तेजस्वी ने लिखा है कि - कुछ दिन पहले उन्होंने शिकायत की थी कि उन्हें जेल में जहर दिया गया है फिर भी गंभीरता से नहीं लिया गया। प्रथम दृष्टया ये न्यायोचित और मानवीय नहीं लगता। संवैधानिक संस्थाओं को ऐसे विचित्र मामलों व घटनाओं पर स्वत: संज्ञान लेना चाहिए।

वहीं,कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि - मुख्तार अंसारी के इंतकाल का दु:खद समाचार मिला। उनका पोस्टमार्टम हो रहा है। लेकिन जिस तरीके से उनकी मृत्यु हुई है वह संदेह के घेरे में है। इसलिए इसकी जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही पप्पू यादव ने कहा कि कई दिन से मुख्तार अंसारी आरोप लगा रहे थे उन्हें धीमा जहर दिया जा रहा है। उनके सांसद भाई ने भी यह आरोप लगाया गया था। देश की संवैधानिक व्यवस्था के लिए अमिट कलंक है। पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की सांस्थानिक हत्या कानून, संविधान, नैसर्गिक न्याय को दफन कर देने जैसा है। पप्पू यादव ने सुप्रीम कोर्ट से तुरंत संज्ञान लेने के लिए कहा है। उन्होंने शीर्ष अदालत के दिशा-निर्देश में स्वतंत्र जांच की मांग की है।

जागरूकता *आंकड़ों के अनुसार, आदिवासी के लिए आरक्षित पांच सीटों पर औसतन 70 फीसदी वोटरों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया था*

झारखंड में आदिवासी सीटों के वोटर मताधिकार को लेकर ज्यादा जागरूक

रांची, 29 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में आदिवासी सीटों के वोटर अपने मताधिकार को लेकर सामान्य सीटों के मतदाताओं की तुलना में ज्यादा जागरूक हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव का वोटिंग पैटर्न इस फैक्ट की तस्दीक करता है। आंकड़ों के अनुसार, एसटी (आदिवासी) के लिए आरक्षित पांच सीटों पर औसतन 70 फीसदी वोटरों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया था, जबकि सामान्य सीटों पर 65.5 प्रतिशत वोटिंग हुई थी।

झारखंड में लोकसभा की कुल 14 सीटें हैं। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इनमें से सबसे ज्यादा एसटी के लिए आरक्षित दुमका सीट पर 73 फीसदी और राजमहल सीट पर 72 फीसदी वोटरों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। एसटी के लिए आरक्षित तीन अन्य सीटों सिंहभूम में 69, खूंटी में 69 और लोहरदगा में 66 प्रतिशत वोट पड़े थे। सामान्य सीटों में एकमात्र गोड्डा लोकसभा क्षेत्र ऐसा रहा है जहां 70 फीसदी वोट पड़े। बाकी आठ सीटों पर औसतन 65.5 फीसदी मतदान हुआ था। सबसे कम 60 फीसदी वोटिंग धनबाद सीट पर हुई थी। सामान्य श्रेणी की सीटों में कोडरमा, गिरिडीह और जमशेदपुर में 67 फीसदी लोगों ने वोट डाले थे। चतरा में 65 और रांची में 64 फीसदी लोगों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित एकमात्र पलामू सीट पर 64 फीसदी मतदान हुआ था। पूरे राज्य में सभी सीटों को मिलाकर कुल 67 प्रतिशत मतदान हुआ था। आयोग इस बार राज्य में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए कई नए प्रयोग कर रहा है। इस बार राज्य के 29 हजार 521 बूथों को खास थीम पर विकसित किया जा रहा है। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा, इस बार लोकसभा चुनाव में राज्य के सभी मतदान केंद्रों को मॉडल बूथ के रूप में स्थापित किया जाएगा।

प्रवासी श्रमिकों की मतदान में भागीदारी के लिए बंगाल के राजनीतिक दलों का विशेष अभियान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के सभी राजनीतिक दल यह सुनिश्चित करने में जुट गए हैं कि राज्य के प्रवासी मजदूर अपनी आजीविका के लिए जहां कहीं भी रह रहे हैं, वो आगामी आम चुनाव में वोट डालने के लिए अपने राज्य की ओर रवाना हों। अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी ने बूथ समिति से स्पष्ट कहा है कि वो राज्य में रह रहे ऐसे सभी लोगों से संपर्क स्थापित करने की प्रक्रिया में जुट चुकी है, जिनके परिजन किसी अन्य राज्य में अपनी आजीविका के लिए गए हुए हैं। पार्टी कार्यकर्ता उन्हें आगामी आम चुनाव में हिस्सा लेने के लिए उत्साहित कर रहे हैं। टीएमसी नेता मृदुल गोस्वामी ने कहा, 'इस बार हमने सभी बूथ समिति को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वो राज्य में रह रहे ऐसे सभी लोगों को चिन्हित करें, जिनके परिजन आजीविका के लिए कहीं और रह रहे हैं। अब इनकी सूची तैयार की जा रही है, जिन्हें आगामी दिनों में चुनाव में हिस्सा लेने के लिए मनाया जाएगा।' वहीं, बीजेपी भी इसी प्रक्रिया में जुटी हुई है।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

डॉक्टर -चश्मा किसके लिए बनवाना हैं ?
बब्लू - टीचर के लिए
डॉक्टर - पर क्यों ?
बब्लू - क्योंकि उन्हे मैं हमेशा गधा ही नजर आता हूं...

रैली में 25 न्याय की मांगों को उठाएगी कांग्रेस

नई दिल्ली, 29 मार्च (देशबन्धु)। रामलीला मैदान में 31 मार्च होने वाले लोकतंत्र बचाओ रैली की तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनाव प्रचार का शंखनाद रामलीला मैदान की महारैली में 31 मार्च को करेगी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी के पांच न्याय हिस्सेदारी न्याय, युवा न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय, किसान न्याय के संबंधित 25 न्याय की मांगों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। रैली की तैयारियों के लिए प्रदेश कार्यालय में सैंकड़ों कार्यकर्ता झंडे, टोपिया, पटके कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बांटने के लिए तैयार कर रहे हैं। लवली ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोकतंत्र को बचाने के लिए संसद और संसद के बाहर जो आवाज बुलंद की है उस आवाज को कांग्रेस कार्यकर्ता पूरे देश में बुलंद करेंगे जो भाजपा की तानाशाह सरकार को उखाड़ फेंकने में मील का पत्थर साबित होगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 31 मार्च को रामलीला मैदान की लोकतंत्र बचाओ देश बचाओ रैली इंडिया गठबंधन की एकता देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में विशेष उदाहरण ऐतिहासिक होगा। उन्होंने बताया कि कांग्रेस का कार्यकर्ता पार्टी के पटके, टोपी पहने कर हाथों में झंडे लेकर भारी संख्या में पहुंचेंगे और पूरा रामलीला मैदान कांग्रेसमय प्रतीत होगा। पार्टी ने कार्यकर्ताओं को रामलीला मैदान में दिल्ली के हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता बेरोजगार युवाओं, महिलाओं, श्रमिकों, किसानों को न्याय और हिस्सेदारी दिलाने की मांग के लिए रामलीला मैदान पहुंचेंगे। लवली ने कहा कि 31 मार्च की महारैली में कांग्रेस पार्टी किसानों, श्रमिकों को न्याय व समाज के प्रत्येक वर्ग की हिस्सेदारी की सुनिश्चित करने के लिए भी आवाज उठाऐंगी। किसानों को एमएसपी के सही दाम, कर्ज माफी, बीमा भुगतान, सही आयात निर्यात नीति और खेती को जीएसटी से मुक्ति दिलाने के लिए प्रखर रूप से आवाज उठाएंगे और श्रमिकों को न्याय दिलाने के लिए उन्हें स्वास्थ्य अधिकार, श्रम सम्मान, शहरी रोजगार गारंटी, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार सुरक्षित करने के लिए मजदूर वर्ग की गारंटी के लिए काम करेंगे। रैली का जायजा लेने वालों में अरविन्दर सिंह लवली के अलावा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा, पूर्व विधायक कुंवर करण सिंह, निगम में कांग्रेस दल के पूर्व नेता जितेन्द्र कुमार कोचर, मुदित अग्रवाल, अमित मलिक, जगजीवन शर्मा, जयकरण चौधरी, सुखबीर शर्मा, चौ. प्रेम कुमार, अनुज आत्रेय शामिल है। लवली ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा में देश की 95 प्रतिशत जनसंख्या के हितों की रक्षा करने के भाजपा की निरंकुश और तानाशाही सरकार से लड़ाई लड़ी और कांग्रेस पार्टी देशवासियों के अधिकारों की लड़ाई निरंतर लड़ रही है।

पार्टी के पदाधिकारियों ने लिया महारैली की तैयारियों का जायजा

कांग्रेस के कारण `आप' को आज का प्रदर्शन रद्द करना पड़ा : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि ईंडी अलायन्स के नाम पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का अवसरवादी गठबंधन आगे नहीं बढ़ पा रहा है क्योंकि दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता एक साथ आने के लिए तैयार नहीं हैं। ईंडी गठबंधन की स्पष्ट विफलता आज सुबह तब खुलकर सामने आ गई जब आप नेताओं द्वारा कल भाजपा के खिलाफ घोषित ईंडी गठबंधन का प्रदर्शन आज सुबह अचानक रद्द कर दिया गया। कल शाम आप ने मीडिया आमंत्रण और प्रेस विज्ञप्ति जारी की, लेकिन कांग्रेस ने कोई निमंत्रण जारी नहीं किया और न ही ईंडी एलायंस के आधिकारिक लेटरहेड पर निमंत्रण जारी किया गया। प्रदर्शन रद्द होने से साफ पता चलता है कि आप और कांग्रेस दोनों के नेता अपने कार्यकर्ताओं को संयुक्त प्रदर्शन के लिए मनाने में असमर्थ हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं को इकट्ठा करने में आप की विफलता और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के ईंडी गठबंधन के प्रदर्शन में शामिल होने से इनकार करने के कारण आप को प्रदर्शन रद्द करना पड़ा। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि ईंडी गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं होने का बड़ा सबूत इस बात से मिलता है कि 27 फरवरी को आप द्वारा अपने 4 उम्मीदवारों की घोषणा के 30 दिन बाद भी कांग्रेस 3 लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं कर पाई है।

आतिशी ने भाजपा पर साधा निशाना, बोली

ईडी भाजपा का एकमात्र राजनीतिक हथियार

नई दिल्ली, 29 मार्च (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी नेता व कैबिनेट मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को कहा कि ऐसा क्या है कि ईडी को अरविंद केजरीवाल का मात्र कुछ महीने पुराने फ़ोन का पासवर्ड चाहिए जबकि ईडी ने ही बयान दिया कि ये फ़ोन पॉलिसी के दौरान इस्तेमाल नहीं हुआ है।

पत्रकारों से बातचीत में आतिशी ने आरोप लगाया कि ईडी को किसी जांच के लिए नहीं बल्कि भाजपा के लिए अरविंद केजरीवाल के फ़ोन का पासवर्ड चाहिए। उन्होंने कहा कि ईडी को केजरीवाल के फ़ोन का पासवर्ड इसलिए चाहिए, क्योंकि केजरीवाल के फ़ोन में उन्हें लोकसभा चुनावों में लड़ने की रणनीति मिलेगी। फ़ोन में आम आदमी पार्टी जिन 23 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, उसका सर्वे मिलेगा, पूरा कैंपेन प्लान मिलेगा। इस फ़ोन में लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का कम्युनिकेशन प्लान, मीडिया और सोशल मीडिया प्लान मिलेगा। अरविंद केजरीवाल के फ़ोन के ज़रिए भाजपा जानना चाहती है कि आप की दिल्ली, पंजाब, गुजरात, असम के चुनाव लड़ने की क्या रणनीति है।

आतिशी ने आरोप लगाया कि ईडी ने फिर से एक बार साबित कर दिया है कि वो भाजपा का मात्र एक राजनीतिक हथियार है। केजरीवाल की गिरफ़्तारी का किसी जांच से कोई लेना देना नहीं है। केजरीवाल की गिरफ़्तारी लोकसभा चुनाव में विघ्न पैदा करने के लिए है। आतिशी ने कहा कि एक्साइज पॉलिसी 2021 में बनती है और नवंबर 2021 से अगस्त 2022 के बीच लागू होती है।

सार संक्षेप

जार ने 20 मिलियन यूजर्स का आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली। बचत के आधुनिक दृष्टिकोण, यूज़र- फ्रेंडली इंटरफेस, सुगम कस्टमर फ्लो और आधुनिक डिज़ाइन के चलते जार के यूजर्स की संख्या 20 मिलियन के आंकड़े को पार कर चुकी है। जार के यूज़र हर महीने तकरीबन 22 गुना बचत करते हैं। इस प्लेटफॉर्म पर हर दिन 1 मिलियन से अधिक लेनदेन किए जा रहे हैं, ऐसे में जार ने डिजिटल गोल्ड स्पेस में मार्केट लीडर के रूप में अपने आप को मजबूती से स्थापित कर लिया है। जार निवेश की यात्रा को सुगम बनाता है, यूज़र मात्र 45 सैकण्ड में सिर्फ रु 10 से निवेश की यात्रा शुरू कर सकते हैं और 24 कैरट, 99.9 फीसदी शुद्ध डिजिटल गोल्ड में निवेश कर सकते हैं। डिजिटल गोल्ड, फिज़िकल गोल्ड का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे कस्टोडियन-मैनेज्ड वॉल्ट्स में सुरक्षित रूप से स्टोर किया जाता है। जार के यूज़र बड़ी ही आसानी से जब चाहें इसे कैश या फिज़िकल गोल्ड में बदल सकते हैं। जार अपने रैवोल्यूशनरी राउण्ड-ऑफ तरीके के साथ डिजिटल गोल्ड में निवेश करता है, ताकि यूज़र हर माह कुछ अतिरिक्त बचत कर सकें।

मनासुम सीनियर लिविंग ने की प्रेस्कॉन होम्स के साथ भागीदारी

नई दिल्ली। रिटायरमेंट के बाद वरिष्ठ नागिरकों को विलासितापूर्ण सहन रहन और आधुनिक सुविधाओं से लैस सोसाइटीज में घर प्रदान करने वाली प्रमुख कंपनी मनासुम सीनियर लिविंग ने एक मशहूर रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्कॉन होम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ भागीदारी की। तीन दशकों से ज्यादा समय में प्रेस्कॉन होम्स प्राइवेट लिमिटेड ने फ्लैट या अपार्टमेंट की शानदार डिजाइनिंग और विश्वसनीयता से अपनी खास पहचान बनाई है। मनासुम सीनियर लिविंग के सहसंस्थापक अनंतराम वरयुर ने कहा कि हम गोवा में 50 वर्ष से ऊपर के लोगों के लिए पहली मौज मस्ती और खुशियों से भरपूर जिंदादिल कम्युनिटी के रूप में इकिगई को लॉन्च कर काफी उत्साहित हैं। मनासुम सीनियर लिविंग में हमारा मानना है कि वरिष्ठ नागरिकों को रहने के लिए केवल घर की जरुरत नहीं होती। इसलिए हम उनके लिए ऐसी सोसाइटी को विकसित कर रहे हैं, जहां उन्हें मेडिकल सुविधाएं हासिल हो सकें। उनकी अच्छी तरह से देखभाल हो सके और उन्हें बेहतरीन जीवन के संपूर्ण अनुभव मुहैया कराए जा सकें।

पुलिस ने हत्या के मामले में एक आरोपित को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी थाना इलाके में एक महीने पहले हुई एक बैंककर्मी की हत्या के एक मामले में क्राइम ब्रांच की टीम ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान अमन के रूप में हुई है। डीसीपी सतीश कुमार ने बताया कि एसीपी विवेक त्यागी की देखरेख में इसे टेक्निकल सर्विलांस की मदद से पता लगाकर गिरफ्तार किया है। मंगोलपुरी इलाके में रहने वाले प्राइवेट बैंक के कर्मचारी की 21 फ़रवरी को हत्या की गई थी। उस मामले में मंगोलपुरी थाना में एफआईआर दर्ज करके छानबीन शुरू की गई। हत्या की यह वारदात यारा दा अड्डा रेस्टोरेंट बार में देर रात हुई थी। जब वहां पर बर्थडे पार्टी का जश्न हो रहा था। जिस युवक की हत्या हुई थी। उसकी पहचान जतिन शर्मा के रूप में हुई थी। वह बुध विहार का रहने वाला था।

तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर, दो घायल

नई दिल्ली। तिलक नगर इलाके में वृहस्पतिवार रात एक कार ने आगे चल रही बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बंपर को तोड़ता हुआ बाइक का पिछला हिस्सा कार में घुस गया। हादसे के बाद बाइक सवार दो युवक कुछ दूर तक घिसटते चले गए। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान मनप्रीत (21) और पारस (19) के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

■ रमजान के पवित्र महीने में शुक्रवार को पुरानी दिल्ली के मुबारक बेगम मस्जिद में नमाज अदा करते मुस्लिम समुदाय के लोग। फोटो : इम्तियाज खान।

गुजराती गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार

यह गैंग भोले भाले कारोबारी या कलेक्शन एजेंट को निशाना बनाते थे। यह पीड़ित की तलाश करके फिर मोटी रकम चुरा लेते थे : डीसीपी

नई दिल्ली, 29 मार्च (देशबन्धु)। कोतवाली थाना के लाल किला चौकी की पुलिस टीम ने गुजराती गैंग का पर्दाफाश किया है। एक महिला सहित गैंग के तीन सदस्य को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस के द्वारा गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पूजा, रोहित और अक्षय के रूप में हुई है। इनके पास से 2 लाख कैश, छह मोबाइल, गोल्ड ज्वेलरी काटने वाला कटर भी बरामद किया गया है।

डीसीपी मनोज कुमार मीणा ने बताया कि यह गैंग भोले भाले कारोबारी या कलेक्शन एजेंट को निशाना बनाते थे। जो एक जगह से दूसरी जगह कैश ले जाते थे। यह पीड़ित की तलाश करके फिर मोटी रकम चुरा लेते थे। इन्हें पकड़ने के लिए पुलिस टीम ने टेक्निकल सर्विलांस की मदद ली साथ ही 150 सौ से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला। तब जाकर इनके बारे में पुलिस को पता चला।

छह मार्च को एक शिकायत पुलिस को मिली थी। जिसमें एक शख्स ने बताया कि वह चांदनी चौक काम से आया था। यहां पर पांच लाख उसने कैश रिसीव किया। वह रुपए लेकर ई रिक्शा से जाने लगा तो उसी दौरान सुरक्षा पर तीन महिलाएं और एक व्यक्ति मौजूद था। रास्ते में मौका देखकर उन लोगों ने बैग से रुपये चोरी कर लिए। पुलिस टीम ने छानबीन शुरू की। सीसीटीवी से पता चला जिस ई रिक्शा में वारदात हुई, उस पर नंबर प्लेट नहीं थी। पुलिस टीम ने ई रिक्शा के ड्राइवर का फोटो सीसीटीवी से निकाला और उसे पुलिस के रिकॉर्ड से मिलान किया तो ड्राइवर की पहचान श्याम के रूप में हो गई।

महारैली को लेकर 'आप' का डोर टू डोर कैंपेन

महारैली में उमड़ेगा जन सैलाब, आप घर-घर जाकर लोगों को दे रही न्योता : गोपाल राय

नई दिल्ली, 29 मार्च (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन की रामलीला मैदान में रविवार को महारैली होगी। विपक्षी दलों ने इसमें जनसैलाब जुटने का दावा किया है। वहीं, किसान-मजदूर व आरडब्ल्यूए के लोग भी शामिल होंगे। रैली का नारा तानाशाही हटाओ, लोकतंत्र बचाओ होगा। इसे लेकर आम आदमी पार्टी ने लोगों को निमंत्रण पत्र बांटने शुरू कर दिए हैं।

शुक्रवार को प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कार्यकर्ताओं के साथ करोल बाग के रैगरपुरा में घर-घर जाकर लोगों से महारैली में आने की अपील की। उन्होंने कहा कि आप के मंत्री, विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता लोगों को न्योता दे रहे हैं। महारैली में इंडिया गठबंधन के बड़े नेता जुटेंगे। इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, एनसीपी से शरद पवार, शिवसेना से उद्धव ठाकरे, सपा से अखिलेश यादव, आरजेडी से तेजस्वी यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, सीपीआई से डी राजा, टीएमसी से डेरेक ओ ब्रायन, सीपीआई-एम सीता राम येचुरी व पीडीपी से महबूबा मुफ्ती समेत कई अन्य विपक्षी पार्टियों के नेताओं के शामिल होने की संभावना है। सभी केंद्र सरकार व विपक्षी दलों के नेताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। गोपाल राय ने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर जनता में आक्रोश है। लोग देख रहे हैं कि भ्रष्टाचारी भाजपा में शामिल होकर बेदाग हो रहे हैं। दिल्ली के लोग इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। लोगों में इस बात को लेकर गुस्सा है कि आखिर चुने हुए मुख्यमंत्री को किस तरह गिरफ्तार किया गया।

रैली केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ

राय ने कहा कि केजरीवाल ने कोर्ट में इस बात का खुलासा किया था कि जिस सरकारी गवाह के आरोपों के आधार पर उन्हें जेल में डाला गया है, उससे भाजपा ने 60 करोड़ रुपए लेकर जमानत दे दी।

बेटी से दुष्कर्म करने के दोषी पिता को आजीवन कारावास

नई दिल्ली, 29 मार्च (देशबन्धु)। अपनी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म करने और उसे गर्भवती करने के दोषी को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि यह एक पैशाचिक अपराध है जिसमें कोई नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। तीस हजारी कोर्ट की अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बबीता पुनिया 44 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ एक मामले की सुनवाई कर रही थीं, जिसे अदालत ने जनवरी में दोषी ठहराया था। न्यायाधीश ने कहा कि वो दोषी की सजा कम करने के तर्क से सहमत नही हैं।

फरवरी में उसने बच्चे को जन्म दिया

उन्होंने कहा कि वो ऐसे पिता की कल्पना नहीं कर सकती जो अपनी पत्नी और नाबालिग बेटी के बीच अंतर नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि दोषी ने अपनी ही नाबालिग बेटी के साथ ये कृत्य एक बार नहीं बल्कि बार-बार किया और उसे गर्भवती कर दिया और बीते वर्ष फरवरी माह में उसने बच्चे को जन्म दिया।

न्यायाधीश ने सभी दलीलों को सुनने के बाद कहा कि मामले में ऐसी कोई ठोस और बाध्यकारी परिस्थितियां नहीं हैं जो इस अदालत को आजीवन कारावास की सजा से बचने के लिए उचित ठहराए। उन्होंने कहा कि आजीवन सजा न्याय के साथ-साथ समाज के हित में भी काम करेगी।

अभियोजन पक्ष ने दोषी पर पाक्सो अधिनियम के प्रविधानों के तहत गंभीर यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म के लिए दंडात्मक प्रविधानों के तहत आरोप लगाया था।

तैयारी | दिल्ली भाजपा ने चुनाव कार्यालय का किया उद्घाटन, बोले

मोदी सरकार के कार्यों को घर-घर तक पहुंचाना होगा

नई दिल्ली, 29 मार्च (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव 2024 हेतू दिल्ली भाजपा के विशेष चुनाव कार्यालय का उद्घाटन का केन्द्रीय मंत्री सरदार हरदीप सिंह पुरी, लोकसभा चुनाव प्रभारी ओम प्रकाश धनखड़, सह प्रभारी डा. अल्का गुर्जर, प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा और अन्य नेताओं के द्वारा सामूहिक पूजन के साथ सम्पन्न हुआ। पार्टी कार्यालय के पीछे बड़े बाग में लगाए गए विशेष स्वीस टैंट में 400 सीटर एक सभा हाल के साथ विभिन्न चुनाव संचालन समितियों के कक्ष बनाए गए हैं तो वहीं कार्यालय के प्रवेश द्वार के दायीं ओर स्थित बाग में स्वीस टेंट लगाए है।

टेंट लगाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस हाल, मीडिया कर्मियों के बैठने का स्थान, पार्टी प्रवक्ता कक्ष एवं भोजन कक्ष बनाए गए हैं।

आज के पूजन कार्यक्रम में सांसद डा. हर्षवर्धन और रमेश बिधूड़ी, संगठन महामंत्री पवन राणा, सभी सात प्रत्याशी मनोज तिवारी, रामवीर सिंह बिधूड़ी, हर्ष मल्होत्रा, कमलजीत सहरावत, योगेंद्र चंदोलिया, प्रवीन खंडेलवाल एवं बांसुरी स्वराज, चुनाव संचालन समिति संयोजक अजय महावर, पूर्व अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता एवं आदेश गुप्ता के आलावा पार्टी के वरिष्ठ नेता, चुनाव संचालन समिति सदस्य, प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष, विधायक, पार्षद और कार्यकर्ता सम्मलित हुए।

अपने स्वागत भाषण में प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए संकल्प ले चुके हैं और इसी संकल्प में आहूती डालने के लिए हमारे सातों प्रत्याशी लगतार मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हमारा सौभाग्य है कि ओ पी धनखड़ लोकसभा चुनाव में हमारे मार्गदर्शक रहेंगे।

आज पूरा देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए संकल्प ले चुके हैं : वीरेन्द्र सचदेवा

वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के अंदर बुराई पर अच्छाई का त्योहार प्रारंभ हो चुका है और दिल्ली उस दिशा में जा रही है जब भाजपा का एक कार्यकर्ता दिल्ली की मुख्यमंत्री बनेगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आवाहन किया कि चुनाव से पहले बचे बाकी समय में हमें इस बात का संकल्प लेना होगा कि हमें मोदी सरकार द्वारा किए गए कार्यों को घर-घर तक पहुंचाना होगा। इस अवसर हरदीप सिंह पुरी ने केजरीवाल के पिछले कुछ दिनों से चल रहे नौटंकी पर कहा कि अरविंद केजरीवाल शुरु से ही झूठ और अपनी कमियों का आरोप दूसरे पर लगाते रहे हैं।

बिना मंजूरी फीस नहीं बढ़ा सकते निजी स्कूल

नई दिल्ली, 29 मार्च (देशबन्धु)। दिल्ली में सरकारी जमीन पर बने निजी स्कूल शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए फीस नहीं बढ़ा सकते हैं। यदि वह शिक्षा निदेशालय की मंजूरी के बिना फीस बढ़ाते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में शिक्षा निदेशालय ने एक आदेश जारी किया है। जबकि कुछ स्कूलों ने एक अप्रैल से शुरू होने वाले सत्र 2024-25 के लिए अभिभावकों से पहले ही बढ़ी हुई फीस ले ली है। फीस बढ़ाने की मंजूरी मिलने के बाद वह फिर से एरियर के साथ अभिभावकों से फीस वसूलेंगे। इस कारण से अभिभावक अभी से परेशान हैं।

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्लॉट न0-01, सेक्टर-के0पी0-04, ग्रेटर नौएडा सिटी
जिला- गौतमबुद्ध नगर

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि Army Welfare Housing Organation, Gurjinder Vihar, के माध्यम से आवंटित भवन संख्या-3-B-503, 5th Floor, Sector-Chi-I, Builder's Area, P-5, Greater Noida क्षेत्रफल-199.81 वर्ग मीटर, Brig. J.S. Chamba S/o Wg.Cdr. Jaswant Singh Chamba & Mrs. Rajni Chamba W/o Brig. J.S. Chamba के पक्ष में आवंटित/पंजीकृत है। मूल आवंटी Brig. J.S. Chamba की मृत्यु दिनांक-15.09.2013 को हो जाने के उपरान्त पूर्ण रुप से सह आवंटी (Mrs. Rajni Chamba W/o Late Brig. J.S.Chamba) ने उक्त भवन को अपने पक्ष मे नामान्तरण कराने हेतु आवेदन किया है। इस म्यूटेशन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मूल आवंटी Brig. J.S. Chamba के स्थान पर पूर्ण रुप से सह आवंटी (Mrs. Rajni Chamba W/o Late Brig. J.S. Chamba) के नाम पर दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रभारी (ग्रुप हाउसिंग)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

कैपिटल ज़ोन

उवाच

उद्यानिक वेस्ट के लिए शहर में तीन स्थानों को चिन्हित किया गया है। वहां वेस्ट को ग्रीन कोल में तब्दील किया जाएगा। जिसके बनाने वाली कंपनी प्रयोग करेगी। बहरहाल वेस्ट से लगी को पूरी तरह से बुझा दिया गया है।

वंदना त्रिपाठी, एसीईओ

प्रेक्षकों की अध्यक्षता में व्यय सम्बंधित बैठक सम्पन्न

आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर की जाए सख्त कार्रवाई : सौरभ नायक

गाजियाबाद, 29 मार्च (देशबन्धु)। लोकसभा गाजियाबाद के प्रेक्षकों (व्यय) सौरभ नायक तथा टी.अरिवाझगन की अध्यक्षता में महात्मा गांधी सभागार कलैक्ट्रेट में व्यय सम्बंधि दो बैठकें आयोजित की गईं। जिसमें दोनों प्रेक्षकों ने चेतावनी दी कि आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वालों पर की जाए सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रेक्षकों ने प्रभारियों/सह प्रभारियों से जानकारी हासिल की कि उनके सामने निर्वाचन से सम्बंधित कितने प्रकरण आए और किस प्रकार का निराकरण किया गया और कितनों को नोटिस दिया साथ ही कितनों का चालान कर धनराशि वसूल की गई। प्रेक्षकों ने कहा कि चुनाव के दौरान चुनाव से सम्बंधि सामग्री प्रत्याशियों द्वारा ट्रेन, बस, ट्रक सहित अन्य वाहनों के माध्यम से निर्वाचन क्षेत्र में लायी जाती हैं। जिस पर विशेष निगरानी रखने की आवश्यकता है। साथ ही निर्वाचन क्षेत्र में किसी भी प्रकार से अवैध शराब नहीं आनी चाहिए। इसके लिए सख्त कदम उठाये जाए। किसी भी प्रत्याशी या उसके शुभचिंतकों या समर्थकों द्वारा किसी भी रूप में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया जाता हैं तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाए। प्रेक्षकों ने कहा कि चुनाव के दौरान दोगुनी जिम्मेदारी आ जाती हैं। इस दौरान आपकों अपने कार्यालय का कार्य तो करना ही हैं किन्तु आपका विशेष ध्यान निर्वाचन के कार्य पर होना चाहिए, निर्वाचन के

निर्वाचन के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाती है : टी.अरिवाझगन

कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाती है। आप सभी लोगों में बहुत से लोग ऐसे हैं जिनकी निर्वाचन में पहली बार तैनाती हुई होगी ऐसे लोगों को यदि अपने पद या कार्य की जिम्मेदारी के बारे में जानकारी कम हैं तो अपने प्रभारी से जानकारी ले सकता है। निर्वाचन अधिकारियों ने जनता से अपील की कि यदि आपके आस-पास या निर्वाचन क्षेत्र में कहीं भी आपकों आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए कोई भी व्यक्ति दिखाई देता हो तो 24 घंटे सातों दिन तुरन्त टेलीफोन नंबर - 0120-2822980, 81, 82, 83 पर सम्पर्क कर शिकायत दर्ज करायें या मेल आईडी controlroomgzb2024@gmail.com पर मेल करें या सी-विजिल एप का प्रयोग करने हेतु स्मार्टफोन पर गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर अपना मोबाइल नंबर डालकर ओटीपी के माध्यम से ऐप में लॉगिन कर शिकायत दर्ज की जा सकती है। इसके साथ ही निर्वाचन से सम्बंधित शिकायत पर यदि त्वरित कार्यवाही नहीं होती है तो प्रेक्षक सौरभ नायक का मोबाईल नम्बर-8368432830 तथा प्रेक्षक टी.अरिवाझगन का मोबाईल नम्बर-7011117170 पर भी सम्पर्क कर सकते हैं।

बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन शरणविजय सिंह नोडल अधिकारी टेन्नेज व्यवस्था, स्ट्रांग रूम, मानचित्रों की तैयारी, लेखन सामग्री/लाजिस्टिक व्यवस्था एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सौरभ भट्ट नोडल अधिकारी निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण कन्ट्रोल रूम/कॉल सेन्टर/निर्वाचन सम्बंधी शिकायत प्रकोष्ठ/सी-विजिल, सूचना सेल/मीडिया/एमसीएमसी, कम्यूनिकेशन प्लान एवं रूट चार्ट से सम्बंधित मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।

पांच दिन बाद आग पर पाया काबू

- नोएडा के उद्यानिक डंपिंग ग्राउंड में लगी थी आग
- 12 लाख लीटर पानी का किया छिड़काव

नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। सेक्टर-32 स्थित सिटी सेंटर के पास खाली डंपिंग ग्राउंड में सोमवार शाम छह बजे के करीब लगी आग को बुझा दिया गया है। सीफओ प्रदीप चोबे ने बताया कि आग को बुझाने में पांच दिनों से दमकल की टीमें लगी थी। दमकल विभाग ने आग बुझाने के लिए 12 लाख लीटर पानी का छिड़काव किया। आग को पूरी तरह से बुझा दिया गया है। उन्होंने बताया कि ये आग अराजक तत्वों द्वारा लगाई गई थी। इसके साक्ष्य मिले थे।

आग बुझते ही यहां के निवासियों ने राहत की सांस ली। निवासियों ने कहा कि ये आग दोबारा न लगे इसे ध्यान दिया जाए। साथ ही यहां उद्यानिक वेस्ट को न फेंका जाए। एसीईओ वंदना त्रिपाठी ने बताया कि उद्यानिक वेस्ट के लिए शहर में तीन स्थानों को चिन्हित किया गया है। वहां वेस्ट को ग्रीन कोल में तब्दील किया जाएगा। जिसके बनाने वाली कंपनी प्रयोग करेगी। बहरहाल वेस्ट से लगी को पूरी तरह से बुझा दिया गया है।

इस आपरेशन में दमकल की 15 गाड़ियां और प्राधिकरण के 20 टैंक लगे थे। इन टैंक और दमकल की गाड़ियों के दिन में रोजाना 20 चक्कर लग रहे थे। आग बुझाने के लिए करीब 12 लाख लीटर पानी का छिड़काव करने की बात कही जा रही है। जहां आग लगी है, उस मैदान के लेवल को बराबर करने के लिए इसे कूड़े से पाटा गया था। यहां बड़े-बड़े गड्ढ़ों में कूड़ा भरा हुआ है। सीएफओ प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि गड्ढ़ों के अंदर तक पानी का छिड़काव किया गया। दरअसल यहां गड्ढ़ों में हार्टिकल्चर का वेस्ट डाला जाता है।

इसी वेस्ट में आग लगी है। आग को बुझाने के लिए नोएडा प्राधिकरण की ओर से यहां दस जेसीबी लगाई गई थी, जिनकी मदद से गड्ढ़ों को खोदा गया और आग को बुझाया गया। पिछले साल भी यहां आग लगी थी और उसे बुझाने में करीब एक सप्ताह का समय लग गया था। आग बुझाने के लिए 75 अग्निशमनकर्मियों की ड्यूटी दिन और इतने लोगों की ही ड्यूटी रात में लगाई गई थी।

सार संक्षेप

जिम करके लौट रहे युवक को घेरकर पीटा

नोएडा। जिम करके लौट रहे युवक को पीटकर लहूलुहान करने के मामले में आठ नामजद और तीन से चार अज्ञात के खिलाफ एक्सप्रेस वे थाने में केस दर्ज हुआ है। सेक्टर-167 स्थित दोस्तपुर मंगरौली बांगर गांव के आकाश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 26 मार्च को शाम सवा सात बजे के करीब जिम करके एफएनजी मार्ग से होते हुए बाइक से घर लौट रहा था। आकाश जब छपरौली गांव पहुंचा तभी धर्मकांटे के पास सफेद रंग की सेंट्रो कार और चार से पांच बाइक पर सवार 12 लड़के पीछे से आए और शिकायतकर्ता की बाइक को ओवरटेक कर रोक लिया। जाते समय आरोपियों ने आकाश के सिर में तमंचे की बट और लोहे की रॉड व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। लहूलुहान हालत में राहगीरों ने उसे उपचार के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया और घटना की जानकारी आकाश के परिजनों को दी। इस मामले में मनीष चपराना, अभिषेक चपराना, साका बदमाश, रोहित गुर्जर, बाबी चपराना, प्रिंस चपराना, अभी चपराना, सुमित गुर्जर समेत चार अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं के में केस दर्ज किया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

मामूली विवाद में पथराव कर छात्र को जान से मारने का किया प्रयास

नोएडा। सेक्टर-125 स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच गुरुवार रात को मामूली विवाद में झगड़ा हो गया। आरोप है कि एक पक्ष के छात्रों ने दूसरे पक्ष पर पथराव कर जान से मारने का प्रयास किया। इस दौरान फायरिंग होने की बात भी कही जा रही है। हालांकि पुलिस ने फायरिंग की घटना से इंकार किया है। पीड़ित छात्र की शिकायत पर सेक्टर-126 पुलिस ने तीन नामजद और 15 अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस को दी शिकायत में निजी विश्वविद्यालय में बीकॉम तृतीय वर्ष के छात्र मेरठ के कंकरखेड़ा निवासी उत्कर्ष ने बताया कि वह रायपुर गांव स्थित एक पीजी में अन्य छात्रों के साथ रहता है। पीजी निजी विश्वविद्यालय से थोड़ी ही दूरी पर स्थित है। उत्कर्ष का आरोप है कि पिछले दिनों कुछ छात्रों से मामूली बात को लेकर उसकी कहासुनी हो गई थी। पहले से खड़े सुशांत शर्मा, पारस गुर्जर, शेखर चौहान और 12-15 अज्ञात लड़कों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध किया तो आरोपियों ने उनकी कार के ऊपर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। जिसमें उत्कर्ष, उदित और सुशांत को गंभीर चोट आई हैं।

फर्जी लूट की घटना रचने वाले तीन लुटेरे गिरफ्तार

गाजियाबाद। स्वॉट टीम डीसीपी ट्रांस हिंडन जोन तथा थाना साहिबाबाद पुलिस ने तीन शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूट के दो लाख रुपये नगद व घटना में प्रयुक्त एक मोटर साइकिल बरामद की है। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल ने शुक्रवार को बताया कि थाना साहिबाबाद पर गौरव शर्मा निवासी विकासनगर, उत्तमनगर नई दिल्ली ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि बदमाशों ने नरेन्द्र मोहन अस्पताल के सामने सर्विस रोड पर दो लाख रुपये दो लाख रुपए बैग में रखकर ले जा रहा था कि 2 बाइक सवार व्यक्ति आये और मेरा बैग छीनकर भाग गए। जिसके सम्बन्ध में अभियोग पंजीकृत किया गया था। घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए थाना साहिबाबाद पुलिस द्वारा टीमों का गठन कर प्राथमिकता के आधार पर मौके पर जाकर जाँच की गयी तो घटना प्रथम दृष्टया संदिग्ध पायी गयी तथा गहनता से जाँच करने पर पाया कि गौरव शर्मा द्वारा ही अपने 2 अन्य साथी 1. आदेश शर्मा उर्फ शिन्टू, श्याम उर्फ राहुल के साथ मिलकर ही घटना कारित की गई थी।

सपा ने नोएडा के मनोज सिंह चौहान को प्रदेश कार्यकारिणी में बनाया सचिव

नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर क्षत्रिय समाज में अपना प्रभाव रखने वाले मनोज सिंह चौहान को प्रदेश कार्यकारिणी में सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति से प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने सचिव पद पर मनोनीत किया है। सेक्टर 135 स्थित नंगली बजीदपुर के रहने वाले मनोज सिंह चौहान पिछले 22 वर्षों से सक्रियता और समर्पण के साथ पार्टी की सेवा कर रहे हैं। मनोज सिंह चौहान पार्टी के विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं। वह युवजन सभा के प्रदेश सचिव, नोएडा महानगर के महासचिव सहित विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं इसके अलावा किसानों की समस्याओं को लेकर किसान आंदोलनों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते रहे हैं। सामाजिक सरोकारों से जुड़े होने के कारण पार्टी को इसका फायदा मिलेगा। इस अवसर पर नव नियुक्त प्रदेश सचिव मनोज सिंह चौहान ने कहा कि मुझे सम्मान देने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल एवं नोएडा महानगर संगठन का आभार। पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है उसका पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करूंगा।

अवकाश दिवस में खुले जोनल कार्यालय, 1.35 करोड़ की हुई वसूली

गाजियाबाद, 29 मार्च (देशबन्धु)। अवकाश दिवस में भी जोनल कार्यालय खोले जा रहे हैं तथा करदाताओं से भी लगातार अपना संपत्ति कर जमा करने के लिए अपील की जा रही है। अवकाश दिवस में भी जोनल कार्यालय खोले गए सभी जोनल प्रभारी तथा अन्य टीम द्वारा विशेष कार्रवाई की गई। जिसमें कर वसूली के दौरान 1 करोड़ 35 लाख की वसूली की गई, गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय में मुख्य का निर्धारण अधिकारी द्वारा भी अवकाश के दिन में अपना कार्यालय खोलकर टैक्स वसूली के लिए टीम को मोटिवेट करते हुए कार्रवाई की गई।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव सिन्हा ने लगातार जोनल कार्यालय का जायजा लिया तथा वहां चल रहे कार्यों को और अधिक बेहतर करने के लिए टीम को मोटिवेट किया गया इसी क्रम में अधिकारियों द्वारा बताया गया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा गुड फ्राइडे अवकाश की दिवस करदाताओं की सहूलियत के लिए जोनल कार्यालय खोले गए, मोहन नगर जोन के अंतर्गत लगभग 2348000 की

- रविवार 31 मार्च को खुले रहेंगे जोनल कार्यालय
- नगर आयुक्त ने टीम को दिए निर्देश
- 2 दिन के भीतर करदाता हाउस टैक्स करें जमा

वसूली हुई, विजयनगर के अंतर्गत 505000 की वसूली हुई, कवि नगर के अंतर्गत 26 लाख 50000 की वसूली हुई, सिटी जोन के अंतर्गत लगभग 22 लाख की वसूली की गई कवि नगर के अंतर्गत लगभग 59 लाख 50000 की वसूली हुई, गाजियाबाद नगर निगम द्वारा सम्मानित करदाताओं को दो दिन के भीतर अपना हाउस टैक्स जमा करने के लिए भी अपील की गई है।

30 की बजाए 1 अप्रैल को नोएडा आएंगे सीएम

नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। लोकसभा क्षेत्र के नागरिकों से भाजपा के नोएडा सीट से प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा के लिए वोट मांगने के लिए सीएम योगी 1 अप्रैल को नोएडा आएंगे। इससे पहले सीएम योगी का नोएडा की जनता से वोट मांगने का कार्यक्रम 30 मार्च को था। इस कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 30 मार्च को ग्रेटर नोएडा में आने वाले थे। अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 30 मार्च की बजाय 1 अप्रैल को आएंगे। कार्यक्रम में बदलाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 31 मार्च को मेरठ में होने वाली जनसभा के कारण किया गया है। मावी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के जीएल बजाज कॉलेज में सीएम योगी भारतीय जनता पार्टी के प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन में समाज के हर वर्ग, शिक्षक, वकील, डाक्टर, इंजीनियर तथा पत्रकार भाग लेंगे। इस प्रबुद्ध सम्मेलन में सीएम योगी भाजपा की नीतियों के बारे में बताएंगे और बातचीत करेंगे। सीएम योगी के इस कार्यक्रम की तैयारी के लिए नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के नेता सक्रिय हो गए हैं। बताया जा रहा है कि प्रबुद्ध सम्मेलन में ग्रेटर नोएडा के साथ ही साथ पूरे गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों को बुलाया गया है। बड़ी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन में भाग लेंगे। भारतीय जनता पार्टी के नोएडा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम की केवल तारीख बदली गई है। बाकी कार्यक्रम ज्यों का त्यों रहेगा।

- मेरठ में पीएम की जनसभा बनी कारण, यहां प्रबुद्ध सम्मेलन को करेंगे संबोधित

अंशय कालरा उर्फ रोकी गाजियाबाद लोकसभा से बसपा से लड़ेंगे चुनाव

केवल बसपा ही सर्वसमाज को साथ लेकर चल रही है : राईन

गाजियाबाद, 29 मार्च (देशबन्धु)। गाजियाबाद लोकसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी से अंशय कालरा उर्फ रोकी कालरा बहुजन समाज काफ्रेंस में पश्चिम उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के बसपा प्रभारी शमसुद्दीन राईन ने कालरा को बसपा से गाजियाबाद लोकसभा प्रत्याशी बनाने की घोषणा की।

इस अवसर पर राईन ने कहा कि बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो व उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के आदेश के बाद प्रत्याशी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि जो समीकरण गाजियाबाद लोकसभा सीट पर है। उसके आधार पर पर निश्चित तौर पर कालरा विजयी होंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन और सभी जाति धर्म के लोग कालरा को जिताने के लिए एकजुट है। उन्होंने कहा कहा कि देश में केवल बहुजन समाज पार्टी ही ऐसी राजनीतिक दल है जो सर्व समाज की बात करता है

कोई राजनीतिक दल जाति की बात करता है तो कोई धर्म के आड़ में राजनीति कर रहे हैं। केवल बसपा ही ऐसा राजनीतिक दल है जो सर्व समाज को लेकर कार्य कर रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेरठ मंडल प्रभारी राजकुमार गौतम, सतपाल पेपला, मेरठ मंडल प्रभारी जाफर मलिक, कुलदीप ओके, मेघानंद जाटव प्रभारी मेरठ मंडल, रवि जाटव प्रभारी मेरठ मंडल, नरेन्द्र मोहित एडवोकेट, बालक राम जाटव, जिलाध्यक्ष दया राम सेन उपस्थित थे।

प्लॉट दिलाने के नाम पर 1.32 करोड़ रुपए हड़पे

नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। प्लॉट दिलाने के नाम पर पीड़ितों के एक करोड़ 32 लाख रुपए हड़पने के मामले में छह आरोपियों के खिलाफ फेज तीन थाने में संबंधित धाराओं में केस दर्ज हुआ है। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच भी शुरू कर दी है। कोर्ट में दिए प्रार्थना पत्र में योगेंद्र कुमार ने बताया कि वह एसके ट्रेडर्स के नाम से पेंट की एक दुकान करता है। उसके दो भाई भी सेक्टर-66-67 में पेंट की दुकान करते हैं।

गाजियाबाद के विजयनगर का अमित राजपूत, दिल्ली के मंडावली का फुरकान, उसका बेटा वसीम और बुलंदशहर के बझैड़ा गांव का रोहित शर्मा अपने अन्य साथियों के साथ समय-समय पर दुकान पर आते रहते थे। योगेंद्र के भाई की चारों से अच्छी दोस्ती हो गई। चारों ने योगेंद्र से कहा कि उसकी गढ़ी चौखंडी गांव में आबादी की भूमि है, जिसे वह बेहद कम दाम में दे देगा। बताया गया कि भूमि प्रमोद और विनोद नाम के व्यक्ति की है। प्रमोद और विनोद को चारों ने अपना करीबी बताया। विश्वास में लेने के लिए अमित राजपूत समेत अन्य लोगों ने प्रमोद और विनोद का आधार कार्ड और पैन कार्ड भी दिखाया। झांसे में आने के बाद शिकायतकर्ता ने आरोपियों से 1269.19 वर्ग मीटर भूमि का सौदा 1.21 करोड़ रुपए में तय कर लिया। सौदा तय होने पर शिकायतकर्ता और उसके पुत्र निखिल चौहान ने तीन बैनामे कराए।

कंपनी के 10.50 लाख रुपए हड़पने के मामले में पूर्व सह लेखाकार पर मुकदमा दर्ज

नोएडा। धोखाधड़ी कर कंपनी के 10.50 लाख रुपए हड़पने के मामले में पूर्व सह लेखाकार के खिलाफ सेक्टर-126 थाने में केस दर्ज हुआ है। केस कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि की ओर से दर्ज कराया गया है। शिकायत में अमरिंदर सोढ़ी ने बताया कि सेक्टर-126 स्थित आइजीएल बिल्डिंग में द फूडफेलस के नाम से एक फूड कोर्ट है। यह ए टू जेड कैटरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की एक इकाई है। वह इस कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि हैं। फूड कोर्ट का लेखाजोखा रखने के लिए कंपनी ने सुखविंदर सिंह को बतौर कैशियर सह लेखाकार के पद पर नियुक्त किया था। नियमित अंतराल पर संबंधित फर्म की चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा ऑडिट की जाती है। चार्टर्ड अकाउंटेंट ने जब फर्म की ऑडिट की तो पता चला कि कंपनी के खातों में हेराफेरी हुई है और लाखों रुपए का गबन किया गया है। कई अन्य विसंगतियां भी ऑडिट करने वाली टीम को मिली।

17 बार लोकसभा चुनाव में 5 बार जीती कांग्रेस

- 1951 से पहली बार कांग्रेस का नहीं लड़ेगा प्रत्याशी
- 2014 में प्रत्याशी पर लगा था भगोड़े का दाग

नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का इतिहास काफी पुराना है। यहां 17 बार लोकसभा चुनाव हुए। जिसमें पांच बार कांग्रेस ने रिकार्ड मतो से जीत दर्ज की। पहली बार है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का प्रत्याशी चुनावी मैदान नहीं है। इसकी वजह ये सीट सपा-कांग्रेस गठबंधन की है। यहां से सपा ने अपना प्रत्याशी डॉ. महेंद्र नागर को प्रत्याशी घोषित किया है। 2022 से पहले ये कांग्रेस के दिग्गज नेता थ। 2022 में इन्होंने सपा का दामन थाम लिया।

अब चलते हैं 1951 से लेकर 1984 तक के इतिहास में जब कांग्रेस का था परचम

1951 में सबसे पहले कांग्रेस के टिकट से कन्हैया लाल ने 109459 लाख वोटो से जीत दर्ज की।
1957 में कन्हैया लाल कांग्रेस के टिकट से ही 52680 वोटो के अंतर से जीत दर्ज की।
1962 में कन्हैया लाल ने कांग्रेस के टिकट से ही 28300 वोटो के अंतर से जीत दर्ज की।
1971 में हरि सिंह ने कांग्रेस के टिकट से 100915 वोटो से जीत दर्ज की।
1984 में वीरसेन ने कांग्रेस के टिकट से 212932 वोटो से जीत दर्ज की।

पहले जानते हैं गौतमबुद्ध नगर लोकसभा सीट कैसे बनी

पहले लोकसभा चुनाव 1951 में दादरी और जेवर का हिस्सा बुलंदशहर लोकसभा क्षेत्र में था। वहीं 1962 में बुलंदशहर के कुछ हिस्से और दादरी, जेवर से यह खुर्जा लोकसभा क्षेत्र बना। वहीं नए परिसीमन के बाद 2008 में गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र बना। पहली बार 2009 में लोकसभा चुनाव हुए। 1951 से लेकर 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी हमेशा मैदान में उतरा, लेकिन इस बार कांग्रेस-सपा गठबंधन है।

2014 में लगे दाग को अब तक नहीं भुला सके कांग्रेस के स्थानीय नेता

नए परिसीमन के बाद गौतमबुद्ध नगर में तीन बार लोकसभा के चुनाव हो चुके है। तीनों बार कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी उतारा लेकिन वह दूसरा स्थान प्राप्त नहीं कर सका। इसकी एक बड़ी वजह यह थी 2009 में कांग्रेस ने रमेश चंद तोमर को अपना प्रत्याशी बनाया। चुनाव में रमेश को 1 लाख 16 हजार 230 वोट मिले। 2014 में कांग्रेस ने दोबारा से ही रमेश चंद तोमर को अपना प्रत्याशी बनाया। लेकिन मतदान के ठीक दो से तीन दिन पहले ही रमेश चंद तोमर ने कांग्रेस का दामन छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए।

गौतमबुद्ध नगर में कांग्रेस की सबसे बड़ी हार मानी जाती है। इससे जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जनता का भरोसा खोया वहीं गठबंधन स्थानीय नेताओं ने लोगों का भरोसा उठने लगा। 2014 में रमेश चंद तोमर को 12 हजार 727 वोट मिले। 2019 में एक बार फिर से कांग्रेस ने यहां से डॉक्टर अरविंद कुमार सिंह को टिकट दिया। कम अनुभवी होने के चलते उनको स्थानीय नेताओं का समर्थन नहीं मिला। और 2014 में उन्हें 42 हजार 077 वोट मिले। जबकि 2009 में सपा प्रत्याशी तीसरे स्थान पर और 2014 चुनाव में दूसरे स्थान पर रहे।

नींव मजबूत होने के बाद भी नहीं बन सका कांग्रेस का गढ़

नोएडा की नींव आपातकाल में ही डाली गई। जिसके पीछे आपातकाल के सबसे सशक्त नेता और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी थे। उस समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी थे। इतनी मजबूत नींव होने के बाद भी नोएडा में कांग्रेस का आपातकाल जारी है। नोएडा के कई गांव कांग्रेस के गढ़ माने जाते थे। लेकिन उन गांव और सेक्टर में अब बीजेपी ने सेंध मारी कर दी है। यही वजह है विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा जिसको नोएडा विधानसभा से वोट मिलते ही वहीं प्रत्याशी जीत दर्ज करता है।

फेसबुक पर दोस्ती, फिर बुलाकर करते थे ठगी

नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने फेसबुक के जरिए धोखाधड़ी कर पैसे लेने वाले गिरोह का पर्दाफाश महिला सहित एक युवती समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग फेसबुक पर दोस्ती कर लोगों को मिलने के लिए बुलाते थे। इसके बाद उनको डरा धमकाकर उनसे पैसे ऐठ लेते थे। 28 मार्च को भी थाना सेक्टर-58 में इस गिरोह के खिलाफ एक मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस को इनकी तलाश थी।

इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और मुखबिर से जानकारी मिलने पर शुक्रवार को पुलिस ने इन चारों को गोल चक्कर सेक्टर-62 से गिरफ्तार किया। इनकी पहचान अभिषेक शर्मा, फिरोज, शशीपाल और शिवानी हुई है। इनके पास से 14 हजार 500 रुपए नकद और 6 मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस इनका आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। पुलिस ने बताया कि 28 मार्च को एक पीड़ित युवक ने शिकायत दी थी। उसने बताया कि फेसबुक पर

- युवती समेत 4 आरोपी गिरफ्तार
- हाल ही में युवक को बनाया था शिकार

नागर परी नाम की लड़की से उसकी दोस्ती हुई। 14 मार्च को उस लड़की ने उसे मिलने के लिए सेक्टर 62 स्थित एक निजी अस्पताल के पास बुलाया। जब वह युवक बताये गये स्थान पर पहुंचा तो वहां पहले से ही एक लड़की व दो लड़के मिले। उन्होंने मुझ से धोखाधड़ी कर मेरा मोबाइल ले लिया।

इसके बाद तीनों लोगों ने मुझे मारने का भय दिखाकर ग्राहक सेवा केंद्र के खाते में 17,120 रुपए ट्रांसफर कर लिए।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत दार्शनिक पाठ्यक्रम को आकार देने में यह कार्यशाला निश्चित रूप से मुख्य भूमिका निभाएगी। हम कह सकते हैं कि पाठ्यक्रम तैयार करते समय हाल की तकनीकी प्रगति को ध्यान में रख कर विकसित किया जाना चाहिए।
प्रो रवींद्र कुमार सिन्हा, जीबीयू कुलपति

जरायम की दुनिया में मुख्तार अंसारी की थी बादशाहत

■ देवेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। अनेक बेगुनाहों को मौत की नींद सुलाने वाला दुर्दांत, सफेदपोश माफिया सरगना मुख्तार अंसारी आज एक असहाय और दर्दनाक मौत का शिकार हो गया। उसकी मौत से बहुत से लोगों को आतंक से मुक्ति मिली तो अनेक लोगों को बेगुनाह अपनों की मौत का बदला मिला। सात साल पहले तक अजेय माने जाने वाले इस अपराधी को जिंदगी में पहली बार कानून की ताकत का अंदाजा प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद हुआ।

कोर्ट में योगी सरकार की प्रभावी पैरवी के चलते ही उसको अपने तमाम गुनाहों की सजा मिली। अन्यथा 'सजा और मुख्तार' तो समंदर के दो किनारे थे। अपनी लहीम-सहीम कद-काठी के चलते सबसे अलग दिखने वाला मुख्तार जरायम की दुनिया का वह बेताज बादशाह था जिसकी आवाज ही खौफ का पर्याय हुआ करती थी।

सरकारें बदलीं, मुख्यमंत्री बदले लेकिन नहीं बदला मुख्तार का जलवा। जेल से अपनी आपराधिक हुकूमत चलाने का हुनर दुनिया को मुख्तार ने सिखाया। उसके काले कारनामों और जेल से जारी संगठित अपराधों के बारे में सब कुछ जानते हुए भी सपा, बसपा की सरकारों ने कभी कोई सख्त कार्रवाई नहीं की, उल्टा प्रश्रय ही दिया। समुदाय विशेष को जिस अपराधी में रॉबिन हुड दिखाई देता था, उस मुख्तार अंसारी को अपने वोट बैंक के लिए मुख्यमंत्री रहे मुलायम, मायावती, अखिलेश ने कभी कोई 'हानि' नहीं पहुंचाई। मुख्तार को बचाने और उसके रुतबे को बढ़ाने के लिए सपा सरकार ने डिप्टी एसपी शैलेंद्र सिंह को तो इतना प्रताड़ित किया कि उन्होंने अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए पुलिस की सेवा से इस्तीफा देना ही बेहतर समझा। इस वाकिये से पुलिस बल का मनोबल काफी गिर गया था। भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की बर्बर हत्या के बाद तो पूर्वांचल में मुख्तार की समानांतर सरकार ही चलने लगी थी। मऊ के दंगों के बाद तो प्रदेश समेत

■ मुख्तार अंसारी आतंक व अपराध के काले अध्याय का अंत

देश के मुस्लिमों के बीच उसकी छवि 'कौम के रहनुमा' के तौर पर बन गई थी। विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के बाद उनकी शिखा (चुटिया) को कटवाने वाले इस जहरीले शख्स के हिंदू विरोध को समझा जा सकता है। ये आज की तारीख का हलाकू, गजनवी और नादिरशाह था। क्रूरता और सांप्रदायिकता से लबरेज अंसारी को फख्र के साथ उसके लोग 'दूसरा लादेन' भी बोलते थे। उसकी ताकत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 5 बार विधायक रहा मुख्तार 3 बार तो जेल से ही चुनाव लड़कर जीता था।

हालांकि इन सबके दरम्यान ऐसे तमाम मौके आए कि जब मुख्तार को उसकी करनी का फल कानून दे सकता था लेकिन ऐसा करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति सूबे के किसी सदर-ए-रियासत के पास नहीं थी। लिहाजा, जरायम की दुनिया में अंसारी हर दिन बड़ा होने लगा। रक्तबीज की तरह प्रदेश के कोने-कोने में उसके गुर्गे फैलने लगे। लेकिन हर रावण का अंत सुनिश्चित है। साल 2017 में भाजपा की सरकार और योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनते ही सभी माफियाओं की कुंडली में 'मारकेश' योग बैठ गया था तो फिर मुख्तार कैसे बचता? पुलिस की सक्रियता और कोर्ट में प्रभावी पैरवी से मुख्तार के अपराधों की सजा उसको मिलने लगी। उसकी अवैध अचल संपत्तियों पर चले कानून के बुलडोजर के तले अंसारी के अजेय होने का दंभ भी रौंद दिया गया। जरायम की दुनिया में उसकी बादशाहत का एलान करती लखनऊ स्थित गगनचुंबी इमारतों के टूटते ही उसके गुरूर को जमींदोज होते हुए दुनिया ने देखा। विदित हो कि मुख्तार अंसारी गैंग के सदस्यों पर अब तक 155 एफआईआर दर्ज की गई हैं। मुख्तार की अब तक कुल 586 करोड़ की संपत्ति जब्त की जा चुकी है और 2100 से अधिक अवैध कारोबारों को बंद किया जा चुका है। बीते 18 महीनों में उसे 8 मामलों में सजा हुई है। ये सब इतना आसान नहीं था। योगी जैसे जीवट, सशक्त और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति वाले मुख्यमंत्री की सरपरस्ती में ही ऐसी वैधानिक और ऐतिहासिक कार्यवाहियां संभव होती हैं। योगी की 'अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस' की नीति कुछ और नहीं प्रभु श्री राम के उद्घोष 'निसिचर हीन करऊं महि भुज उठाइ पन कीन्ह' की आधुनिक अभिव्यक्ति है।

मुख्तार अंसारी ने अपनी जरायम की लंका को बनते, वैभवशाली होते फिर अपने ही सामने जमींदोज होते हुए देखा। वह अपनी कथित बादशाहत को खतम होते हुए देखने के लिए मजबूर हुआ। जो कारागार उसके लिए ऐशगाह, आरामगाह और पनाहगाह थे, योगी सरकार में वे उसे कानून का पाठ पढ़ा रहे थे। कोर्ट में उसे जज के सामने गिड़गिड़ाते सभी ने देखा।

अपनी इस दुर्गति के हर क्षण में वह उन काले कारनामों को जरूर याद करता होगा, जिनके चलते उसे ये दिन देखने के लिए विवश होना पड़ा। उसकी दौलत और ताकत की हवस के शिकार परिवारों का मातम, बिलखते बच्चों और सूनी मांगों का रुदन जरूर उसके कानों में गूंज रहा होगा। पत्नी अफशां पर भी 75,000 का इनाम है। वो फरार है। बेटा अब्बास अंसारी जेल में है। एक बेटा उमर भी फरार है। सजाओं की लंबी होती फेहरिस्त, गुर्गों पर होती कठोर कार्यवाहियों, अपराधी परिवारजनों पर कानून के कसते शिकंजे ने मुख्तार के मन को तोड़ दिया था। बीमारी ने चेहरे की रौनक और कानून ने उसकी ताकत को छीन लिया। आखिरकार मौत ने अपने आगोश में लेकर उसकी तमाम तकलीफों का अंत कर दिया। मुख्तार का ऐसा दर्दनाक अंत हर अपराधी के लिए संदेश है कि

'वक्त तुम्हें तुम्हारा हर जुल्म लौटा देगा'
'वक्त के पास कहां रहम-ओ-करम होता है...'।

जेवर के गांव दयौरार में 46 करोड़ की लागत से बनेगा सर्वोदय विद्यालय

■ विद्यालय में स्मार्ट क्लास के साथ-साथ डायनेमिक टेक्नोलॉजी बच्चों को उपलब्ध कराई जाएगी
■ शिक्षा तथा रहना, खाना और पढ़ाई की होगी निःशुल्क व्यवस्था

ग्रेटर नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। जेवर के क्षेत्र के गांव दयौरार में शीघ्र ही सर्वोदय विद्यालय का निर्माण कार्य शुरू होगा। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने शुक्रवार क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के लोगों के साथ गांव दयौरार में बनने जा रहे सर्वोदय विद्यालय का कार्यदायी संस्था के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस विद्यालय का निर्माण कार्य चुनाव के बाद आरंभ हो जाएगा। 46 करोड़ रुपए की धनराशि से यह विद्यालय निर्मित होगा। समाज के अंतिम पायदान के खड़े व्यक्तियों के बच्चों के लिए यह विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में मिल का पत्थर साबित होगी। इस मौके पर जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने उपस्थित क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश व समाज के विकास के लिए शिक्षित होना जरूरी है। इसलिए आज के परिवेश में बच्चों को पढ़ाने के लिए अभिभावकों को बहुत परेशानियों से गुजरना पड़ता है, लेकिन अब इस सर्वोदय विद्यालय के बनने के बाद जेवर व आस पास के अनेकों ग्रामों के लोगों को अपने बच्चों को शिक्षा ग्रहण कराने में आर्थिक स्थिति सामने नहीं आएगी। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने गांव में स्थित वनखंडी प्रांगण में जन चौपाल के माध्यम से लोगों की जन समस्याएं जानी तथा जेवर क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों के बारे में विस्तृत चर्चा की।

इस मौके पर नौरत्न सिंह पूर्व प्रधान, अरविंद सिंह पूर्व प्रधान, धर्मेंद्र सिंह पूर्व प्रधान, रमेश सिंह, हंसराज सिंह, प्रभु नंबरदार, जयवीर सिंह, दरियाब सिंह, जयकरण सिंह, श्यामवीर सूबेदार, विनोद प्रधान, दुष्यंत सिंह, सुशील शर्मा, गुड्डू पंडित, अशोक पहलवान, गजेंद्र पहलवान, कारे भिक्कू, चौधरी जयप्रकाश सिंह आदि लोग मौजूद थे।

पूरी ताकत के साथ लोकसभा चुनाव लड़ेगी सपा : डॉ. महेन्द्र नागर

ग्रेटर नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। आईएनडीआईए गठबंधन की सयुंक्त प्रत्याशी डॉ. महेन्द्र नागर को लोकसभा गौतम बुद्ध नगर से टिकट दिया गया था, कुछ ही दिन बाद डॉ. महेन्द्र नागर का टिकट काटकर राहुल अवाना को टिकट दे दिया गया। गुरुवार को फिर से सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने डॉ. महेन्द्र नागर को टिकट दिया गया है।

समाजवादी पार्टी ने दोबारा डॉ. महेन्द्र नागर को लोकसभा का दिया टिकट

शुक्रवार को दोनों प्रत्याशी एकजुटता दिखाते हुए प्रेस वार्ता में अपनी बात रखी। डॉ. महेन्द्र नागर ने कहा कि गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट पर आईएनडीआईए गठबंधन पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगा और विजय हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से आम जनता का बुरा हाल है। भाजपा अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए तरह-तरह के प्रोपगेंडा अपना रही है। देश और प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। चौतरफा आम जनता का शोषण हो रहा है। राहुल अवाना ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष से कोई भी टिकट के लिए अपील कर सकता है। हम मिलकर चुनाव लड़ेंगे, हमारी लड़ाई भाजपा से है। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि भाजपा राजनैतिक लाभ लेने के लिए देश में लोकतंत्र की हत्या करा रही है। आज देश में सरकारी तंत्र के माध्यम से खौफ का माहौल बनाया जा रहा है। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में पूरे देश और प्रदेश में अराजकता का माहौल है, भाजपा सरकारी संस्थाओं का अपने लाभ के लिए गलत इस्तेमाल कर रही है।

लोकतंत्र की रक्षा व जनहित के लिए भाजपा को देश से उखाड़ फेंकना जरूरी है। इस मौके पर मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता राहुल अवाना, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भाटी, लोकसभा प्रभारी वीर सिंह यादव, सपा महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता, कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर, आम आदमी पार्टी महासचिव राकेश अवाना, विवेक शर्मा, फकीर चंद नागर, इंदर प्रधान, सुनील चौधरी, गजराज नागर, नरेंद्र नागर, सुनील देवटा, सुधीर तोमर, कृशान्त भाटी, राजेश रोही, महेश भाटी, लोकेश जनमेदा, अमित भाटी, रोहित मत्ते गुर्जर, दीपक नागर, मोहित यादव, अक्षय सिंह भाटी, शैलेंद्र भाटी आदि मौजूद रहे।

एक नम्बर की दो कार, शिकायत के बाद पुलिस कर रही है जांच

ग्रेटर नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। ग्रेनो वेस्ट क्षेत्र की निराला एस्टेट सोसाइटी में रहने वाले एक व्यक्ति की कार के नंबर वाली नंबर प्लेट लगी दूसरी कार एक अन्य सोसाइटी में खड़ी पाई गई। इसके बाद कार मलिक हैरान रह गया और उसने पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी है। दोनों ही कारें एक कंपनी की और एक मॉडल की हैं। फर्जी कार को जब्त किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। ग्रेनो वेस्ट की निराला एस्टेट सोसाइटी में रहने वाले सौरव वर्मा ने पुलिस को बताया है कि उनके पास टाटा कंपनी की नेक्सन मॉडल की कार है। इसका नंबर यूपी-16 डीवाई-4318 है। सौरव ने बताया कि शुक्रवार को एक परिचित का उनके पास फोन आया। इसमें कहा गया कि उनकी कार देविका गोल्ड सोसाइटी में खड़ी है। जबकि उस समय उनकी कार उनकी सोसाइटी में ही खड़ी थी। फोन करने वाले को जब बताया तो उसने कहा कि वह अभी फोटो भेजता है। जब फोटो भेजा तो सौरव हैरान रह गए। वहां पर खड़ी कार का मॉडल और नंबर भी वही था उनकी कार का है। फर्क यह था कि फर्जी नंबर की कार पर पीछे की ओर भारत सरकार लिखा था। सौरव ने तुरंत पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी। थाना बिसरख के प्रभारी अरविंद कुमार कहते हैं कि फर्जी नंबर प्लेट लगी गाड़ी को जब्त किया गया है। यह गाड़ी किसकी है, किस मकसद से फर्जी नंबर प्लेट लगाई है। इन सभी बातों की जांच की जा रही है।

पुलिस कमिश्नर व जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान बूथों का किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। मतदान के दिन बूथों पर सभी सुविधाएं व कानून व्यवस्था मानकों के अनुरूप बनाए रखने को लेकर पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह एवं जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से राजेंद्र इंटर कॉलेज बिलासपुर में पहुंचकर मतदान बूथों का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान पूर्व में बनाए गए बूथों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। पुलिस आयुक्त एवं जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि बूथों पर आने-जाने वाले रास्ते जहां पर खराब है उसको ठीक कर लें एवं जनपद में जितने बूथ बनाए गए हैं वहां पर आने जाने वाले रास्ते एवं बूथों के अंदर प्रकाश आदि की व्यवस्था को पूर्व में ही सुनिश्चित करा लें।

■ मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो व्यवस्था ठीक करने के दिए निर्देश

उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित की गयी सभी सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि जिन मतदान कार्मिकों की ड्यूटी मतदान केन्द्रों व बूथों पर लगाई जाएगी, उनके लिए भी बिजली, पानी आदि की समस्त सुविधाएं मुहैया कराई जाए। उन्होंने मतदान केन्द्रों व बूथों पर साइन बोर्ड, रैंप, बैरिकेडिंग आदि की व्यवस्था करने के लिए निर्देश दिये, ताकि आने वाले वोटरों को कोई समस्या न हो। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने निरीक्षण के दौरान मतदेय स्थलों से संबंधित थानाध्यक्ष एवं चौकी इचार्ज को निर्देश दिए कि मतदान से पूर्व अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत आने वाले बूथों के आसपास सभी कानून व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप बनाई रखी जाए, ताकि मतदान के दौरान मतदान कार्मिकों एवं वोटरों को अपने बूथों पर आने में किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके बाद पुलिस कमिश्नर एवं जिला मजिस्ट्रेट पुलिस चेक पोस्ट चौकी मंडी श्याम नगर थाना दनकौर पर पहुंचे जहां पर उन्होंने पुलिस अधिकारियों को आने-जाने वाले वाहनों की चेकिंग आदि के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। डीसीपी शाद मियां खान, पुलिस एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आज 9 घंटे विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

जेवर, 29 मार्च (देशबन्धु)। शनिवार को जेवर के विद्युत उपकेंद्र पर नई विद्युत मशीन लगाने का कार्य किया जाएगा। यहां विद्युत मशीन सुबह करीब 9 बजे से शाम तक लगाई जाएंगी। जिस कारण सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक 9 घंटे के लिए जेवर तहसील की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

आज होगा 15 कन्याओं का सामूहिक विवाह कार्यक्रम

जेवर, 29 मार्च (देशबन्धु)। खुर्जा रोड पर गांव नीमका के समीप स्थित चौधरी शीशराम सिंह फार्म हाउस में शनिवार शाम को संस्था द्वारा 15 कन्याओं के सामूहिक विवाह का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। होगा। चौधरी शीशराम एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य कल्याण सिंह ने बताया कि उनके पिता स्व0 चौधरी शीशराम सिंह द्वारा अपने जीवन मे अनेक धर्मार्थ कार्य किये गए। उनकी प्रेरणा से उनके पुत्रो द्वारा सामाजिक एवं धर्मार्थ कार्यों को लगातार जारी रखते हुए प्रत्येक वर्ष क्षेत्र की निर्धन एवं असहाय परिवार कन्याओं का सामूहिक विवाह कार्यक्रम किया जाता है तथा वर्षों में 50 से अधिक कन्याओं का विवाह संस्था द्वारा किया जा चुका है।

सोसाइटी द्वारा शनिवार को 15 कन्याओं का सामूहिक विवाह कराया जाएगा। जिसमें बरातियों का स्वागत खाना, दान दहेज आदि की व्यवस्था सोसाइटी द्वारा की जा रही है। इस मौके पर चौधरी रामवीर सिंह, श्यामवीर, हरवीर, सरोज देवी, अरब सिंह, राकेश, हरेंद्र, अजीत, पारस, वेदपाल, शहीद खान, सुभाषचंद, अशोक आदि मौजूद रहेंगे।

शिक्षकों को नवीनतम तकनीकी में पारंगत होना आवश्यक

ग्रेटर नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। आईईसी कॉलेज में टेक्नोलेज कंपनी के सहयोग से एड्वांस टूल्स आफ माइक्रोसाफ्ट आफिस विषय पर एक दिवसीय शिक्षक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रोफेसर विनय गुप्ता ने मुख्य ट्रेनर श्वेतनिशा को पुष्प देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. मनोज गर्ग ने बताया कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा तथा तकनीकी युग में शिक्षको को भी नवीनतम तकनीको से पारंगत होने की आवश्यकता है। संस्थान द्वारा आयोजित शिक्षक विकास कार्यशाला में संस्थान के पचास से अधिक शिक्षकों ने मुख्य ट्रेनर श्वेतनिशा ने माइक्रोसाफ्ट के विभिन्न टूल्स तथा एडवांस एक्सल के बारे में प्रयोगात्मक जानकारी दी जिसमें सभी शिक्षकों ने साथ साथ अभ्यास करके विषय की बारिकीयों को जानकर लाभ लिया। संस्थान के डीन एकेडमिक्स डा. बी शरण ने शिक्षकों से माइक्रोसाफ्ट के एडवांस टूल्स से संबधित पहलुओं को दैनिक जीवन में अपनाने की अपील की। इस अवसर पर सभी विभागों के विभागाध्यक्षों सहित समस्त शिक्षक कार्यक्रम में मौजूद रहे।

■ आईईसी कॉलेज में शिक्षक विकास कार्यक्रम का आयोजन

माह्वारी स्वच्छता अभियान के तहत वितरित किया गया सैनीटरी पैड

ग्रेटर नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा के झुग्गी झोपड़ियां की किशोर बालिकाओं को इकट्ठा कर नन्हक फाउंडेशन की टीम ने उन्हें माहवारी संबंधी जानकारी दी और इस समय स्वच्छता पर क्यों जोड़ दिया जाए, क्यों स्वच्छ रहा जाए, इसकी जानकारी उपस्थित बच्चियों को दी। साथ ही उनमें से कुछ बच्चियों जो की थोड़ी छोटी थी, उन्हें भी बताया गया कि आपको भी जब कभी इस स्थिति का सामना करना पड़े तो आप इसके लिए क्या क्या करें। सबसे पहले अपनी माता से इस बारे में बताएं। साफ सुथरी सैनिटरी पैड का इस्तेमाल ही करें एवं कितने अन्तराल पर इसका बदलाव करें ,इस पर भी जोर दिया। इसके अतिरिक्त सभी बच्चियों में सेनेटरी पैड का वितरण भी किया गया। यहां तक की इन बच्चियों को एक-एक पैकेट उनकी मम्मियों के लिए भी दिए गए। इस अवसर पर साधना सिन्हा के अतिरिक्त पूनम सिंह उपस्थित रही।

कार सवार हमलावरों ने ट्रांसपोर्ट यूनियन के सदस्य पर किया हमला

ग्रेटर नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। कासना क्षेत्र में गुरुवार की रात कार सवार हमलावरों ने स्विफ्ट कार में सवार एक ट्रांसपोर्ट यूनियन के सदस्य पर हमला बोलकर उसे घायल कर दिया। घायल को डेल्टा-2 के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले की पृष्ठभूमि में ओवर लोड वाहनों से वसूली करने वाले लोगों की भूमिका सामने आई है। घटना के संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। ऊंची दनकौर के रहने वाले यूनुस गुरुवार की रात को अलवर से वापस घर आ रहे थे। यूनुस ने बताया कि वह ट्रांसपोर्ट यूनियन के सदस्य हैं। कासना क्षेत्र में कुछ लोग सक्रिय हैं जो ओवर लोड वाहनों को पुलिस और यूनियन की निगरानी से बचाकर निकलाने के काम में जुटे हैं। इसमें बालू, बदरपुर के ओवर लोड वाहन भी शामिल रहते हैं। गुरुवार की रात कासना क्षेत्र में सिरासा कट के पास दो कार सवारों ने उनकी कार के आगे गाड़ी लगा दी। लाठी डंडों से हमला बोल दिया। किसी तरह खुद को बचाकर यूनुस ने पुलिस को सूचना दी। थाना कासना पुलिस ने बताया कि घायल का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हिंदू अध्ययन केंद्र ने जीबीयू में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला

ग्रेटर नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के केंद्रीय हिंदू अध्ययन केंद्र ने एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया, जो विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान और भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सहयोग से हुआ। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य था राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 दार्शनिक शिक्षा में मॉडल पाठ्यक्रम और सामग्री के विकास का निर्माण करना, जिसमें ध्यान दिया गया था कि दार्शनिक शिक्षा के अन्य शाखाओं में दार्शनिक सोच की भूमिका और महत्व। कार्यशाला में मुख्य अतिथि सुनील अंबेकर, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख, जिन्होंने कार्यशाला को सम्बोधित किया। सुनील अंबेकर ने आगामी कार्यशाला में बोला कि दार्शनिक शिक्षा को ज्ञान की खोज करने वालों के लाभ के प्रकार में देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और आर्थिक विकास के साथ सहमतिपूर्ण रूप से विकसित हुई है, परंतु पश्चिमी दुनिया की तरह नहीं। उन्होंने दावा किया कि दार्शनिक शिक्षा को भारतीय संदर्भ में देखना चाहिए, जहां इसे विज्ञान, आध्यात्मिकता, और आर्थिक विकास के साथ जोड़कर विकसित किया गया है। प्रमुख भाषणकर्ता के रूप में प्रोफेसर सच्चिदानंद मिश्रा, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के सदस्य सचिव, ने वैज्ञानिक विकास के मुद्दे पर बात की, पश्चिमी दुनिया में धर्म विरोधी होकर या धार्मिक दर्शनों को नकारते हुए हुआ। कार्यशाला ने भारतीय दार्शनिक परंपराओं की रौशनी में इस मुद्दे पर चर्चा की, ताकि दार्शनिक शिक्षा के सामग्री और पाठ्यक्रम के विकास के लिए एक मार्गनिर्देशक योजना प्रस्तुत किया जा सके।

■ दार्शनिक शिक्षा में मॉडल पाठ्यक्रम और सामग्री के विकास का निर्माण करना

प्रोफेसर एन. के. तानेजा, सचिव, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान ने कहा कि हम पश्चिमी विचारों का अनुसरण कर रहे हैं, लेकिन यह भारतीय संदर्भ के लिए सही नहीं है। जीबीयू के कुलपति प्रो रवींद्र कुमार सिन्हा ने अपने अध्यक्षीय व्याख्यान में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत दार्शनिक पाठ्यक्रम को आकार देने में यह कार्यशाला निश्चित रूप से मुख्य भूमिका निभाएगी।

एमिटी यूनिवर्सिटी ने लावा इंटरनेशनल के साथ मोबाइल प्रौद्योगिकी मास्टर कार्यक्रम किया शुरू

ग्रेटर नोएडा, 29 मार्च (देशबन्धु)। वैश्विक नौकरी बाजार की उभरती मांगों के साथ अकादमिक पेशकशों को

रेखांकित करते हुए, एमिटी यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा कैंपस ने मोबाइल टेक्नोलॉजी में मास्टर कार्यक्रम का अनावरण किया है। एमिटी यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश, लावा इंटरनेशनल लिमिटेड और रिसर्च फॉर रिसर्जेंस फाउंडेशन की एक संयुक्त पहल, यह कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2024-25 के विषम सेमेस्टर में शुरू होने के लिए तैयार है और छात्रों को तेजी से बढ़ते हुए उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने का वादा करता है। मुख्य अतिथि शंकरानंद, राष्ट्रीय संगठन सचिव, भारतीय शिक्षण मंडल ने विश्वविद्यालय के दूरदर्शी दृष्टिकोण के लिए उसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि मोबाइल प्रौद्योगिकी सभी क्षेत्रों में तेजी से आवश्यक होती जा रही है। इस तरह के शिक्षा कार्यक्रम अगली पीढ़ी के पेशेवरों को तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

अभिमत

सभ्यता के पतन का अध्ययन करने वाले इतिहासकार अर्नोल्ड टॉयनबी ने हमें बताया है कि पतन बाहर की हमलावर ताकतों से नहीं आता है बल्कि आत्महत्या के एक रूप से सामने आता है। विघटन की स्थिति में समाज 'आत्मा की फूट' से पीड़ित है। हम एक आंतरिक पतन से पीड़ित हैं। आज सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि अर्थव्यवस्था कितनी अच्छी है, चुनाव कौन जीतेगा, बल्कि सवाल यह है कि राष्ट्र उन ताकतों के खिलाफ कैसे खड़ा होगा जो भारत की भावना को उसके सबसे पवित्र संस्थानों और कार्यालयों को अंदर से मार सकती हैं।

भारत की आत्मा को बचाने के लिए करना होगा संघर्ष

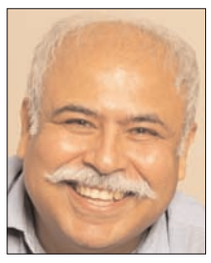

जगदीश रत्तनानी

जवाहरलाल नेहरू ने कहा था-'जब दुनिया सोएगी, भारत प्रकाश और स्वतंत्रता के लिए जागेगा'। 15 अगस्त, 1947 के उस महत्वपूर्ण अवसर के 75 से अधिक वर्षों में जब हमें इस बात का जश्न मनाना चाहिए कि कैसे उस प्रकाश और स्वतंत्रता ने हमें पोषित किया तथा हमें एक ऐसे राष्ट्र का गौरवशाली नागरिक बनाया जो उन मूल्यों पर खड़ा है जिन्हें हम संजोना चाहते हैं, तब भारत एक बहुत ही अलग दौर में चला गया है। यह पीड़ादायक है और वर्तमान समय में यह कहना अनुचित नहीं होगा कि उस सपने पर अंधेरा उतर रहा है क्योंकि स्वतंत्रता को लूटा जा रहा है, लोकतंत्र को कुचला जा रहा है और भारत एक पतन के मार्ग पर जा रहा है।

यह पतन अचानक नहीं हो रहा है। यह कुछ समय से संस्थानों, प्रमुख व्यक्तियों और एजेंसियों पर बढ़ते कब्जे के रूप में सामने आ रहा है जिसमें सभी को एक तरह से या किसी अन्य रूप में एक सोच, एक पार्टी और एक विचारधारा के सामने झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। अधिक स्थानों पर कब्जा करने की तलाश जारी है। यह एक पार्टी द्वारा निर्मित एक बड़ी और अच्छी तरह से पोषित-प्रशिक्षित प्रचार मशीन द्वारा संचालित है जो हर विपक्ष को नजर और दिमाग से बाहर चाहता है। इसमें आक्रमण के सभी संकेत हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी एक ऐसी एजेंसी द्वारा की गई है जिसका विश्वसनीयता मूल्य शून्य है और जो सरकार की दासी की तरह काम करती है। जो सभी संभावनाओं और अर्थों में सत्तारूढ़ पार्टी के राजनीतिक एजेंडे पर बिकी हुई होती है। यह केवल एक उदाहरण है कि उस एक पार्टी को सत्ता में रखने और अन्य सभी को बदनाम करने के लिए कितना दबाव डाला जा रहा है। वर्तमान स्थितियों में यह देखना मुश्किल है कि 2024 में निष्पक्ष चुनाव कैसे लड़ा जा सकता है। राष्ट्रीय मनोदशा को एक कार्टून द्वारा अच्छी तरह से अभिव्यक्त किया गया था जिसमें मैदान में दौड़ के समय सिर्फ सरकार का पदाधिकारी दौड़ रहा है और दौड़ में शामिल अन्य सभी को बंधा हुआ दिखाया गया था और फिर मजाक में एक सवाल पूछा गया है कि 'कौन जीत रहा है?' इस स्तर पर सभी बाजियां बंद हैं। हम बर्फीले पानी में हैं। हम अभी भी सुरक्षित रूप से तट पर पहुंच सकते हैं लेकिन हाइपोथर्मिया होने का खतरा अधिक है।

नेहरू ने हमें बताया था- 'लेकिन इतिहास में कभी न कभी एक पल आता है, जरूर आता है,जब हम पुराने से नए की ओर कदम बढ़ाते हैं, जब एक युग समाप्त होता है और जब लंबे समय से दमित राष्ट्र की आत्मा को अभिव्यक्ति मिलती है।' आज हम वह पंक्ति इस प्रकार पढ़ सकते हैं- 'लेकिन इतिहास में शायद ही कभी एक क्षण आता है, जो आता है, जब हम नए से पीछे हटते हैं और अंधेरे युग में डूब जाते हैं और जब एक राष्ट्र की आत्मा, जिसे अंतत: अभिव्यक्ति मिली होती है, एक बार फिर से दब जाती है।' हम नहीं जानते कि यह आत्मा जिसे यातना दी गई है, पीड़ित है, कुचली हुई है, उस एक दिन के लिए कैसे रुकी रहेगी जब भारत फिर से फल-फूल सकता है और संविधान के मूल्यों और भावना को पुन: प्राप्त कर सकता है। वह संविधान जो कि कितना भी अच्छा दस्तावेज हो लेकिन अंतत: उन लोगों की प्रतिबद्धता पर निर्भर करता है जो इसकी रक्षा के लिए हैं।

ये खतरे हमेशा वहां थे और वास्तव में ढेर सारे शब्दों में व्यक्त किए गए थे। संविधान सभा में संविधान पारित करने से एक दिन पहले 25 नवंबर, 1949 को भाषण देते हुए डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने चेतावनी दी थी- 'संविधान कितना भी अच्छा हो सकता है लेकिन जिन्हें इन पर अमल करने के लिए चुना जाता है यदि वे बुरे होते हैं तो वह निश्चित रूप से बुरा होगा.., राज्य के अंगों का कामकाज वे कारक हैं जिन पर लोग और राजनीतिक दल बैठते हैं जिन्हें वे अपनी इच्छाओं और अपनी राजनीति को पूरा करने के लिए अपने उपकरण के रूप में उपयोग में लाएंगे। यह कौन बता सकता है कि भारत की जनता तथा उनके राजनीतिक दल किस तरह आचरण करेंगे?'

अगले दिन, 26 नवंबर, 1949 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने इन भावनाओं को प्रतिध्वनित किया- 'यदि चुने गए लोग सक्षम, चरित्रवान और सत्यनिष्ठ व्यक्ति हैं तो वे एक दोषपूर्ण संविधान को भी सर्वोत्तम बनाने में भी सक्षम होंगे। यदि उनमें इन गुणों का अभाव है तो संविधान देश की कोई मदद नहीं कर सकता। आखिरकार संविधान एक मशीन की तरह निर्जीव वस्तु है। यह उन लोगों के कारण जीवन प्राप्त करता है जो इसे नियंत्रित करते हैं और इसे संचालित करते हैं। भारत को ईमानदार लोगों के एक समूह से ज्यादा कुछ नहीं चाहिए जिनके सामने देश का हित होगा। इसके लिए मजबूत चरित्र वाले, दूरदर्शी लोगों की आवश्यकता है, जो देश के हितों का त्याग नहीं करेंगे और जो पूर्वाग्रहों से ऊपर रहेंगे।'

आज पूर्वाग्रहों का प्रयोग, नीति और उसका निष्पादन करने के लिए ही हो रहा है। इसके खिलाफ कुछ संस्थान खड़े हो रहे हैं जैसा कि सुप्रीम कोर्ट के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा उल्लेखनीय उस फैसले के मामले में है जिसने 2018 की चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया और आदेश दिया था कि इस बात का विवरण सार्वजनिक किया जाए कि बॉन्ड किसने खरीदे और किसने पैसे लिये। फिर भी, इस फैसले से मायूस होकर इसे रोकने की हताशा इतनी अधिक थी कि संविधान पीठ से अपने आदेश में संशोधन करने के लिए कहने हेतु भारत के सबसे बड़े राष्ट्रीयकृत बैंक, भारतीय स्टेट बैंक को डेटा जारी करने के लिए कम से कम 3 महीने का समय मांगने के लिए एक जूनियर अधिकारी का हलफनामा दायर करने का दुस्साहस करना पड़ा। यह समय डेटा जारी करने के लिए पर्याप्त से अधिक था। जैसा कि बाद में पाया गया कि डेटा आसानी से उपलब्ध है। यह बात चुनावों से पहले बाहर आने के कारण इस कदम को बॉन्ड के माध्यम से पैसे मिलने के सबूत छिपाने और सत्तारूढ़ तंत्र के जबरन वसूली के गंदे रहस्यों को छुपाये रखने के एक स्वाभाविक और ज़बरदस्त प्रयास के रूप में देखा गया था। दाखिल हलफनामा झूठा था क्योंकि अंतत: सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित समय सीमा में ही डेटा जारी किया गया था। हमारे समय के सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक पर किस तरह कोई बैंक सुप्रीम कोर्ट से झूठ बोल सकता है? किस तरह आयकर विभाग सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों में से एक कांग्रेस के धन को फ्रीज़ करने की कार्रवाई शुरू करता है? उच्च न्यायालय का न्यायाधीश समय से पहले सेवानिवृत्ति कैसे ले सकता है और उसके तुरंत बाद चुनाव के लिए भाजपा का टिकट प्राप्त कर सकता है? यह कैसे हो सकता है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक राज्यपाल को संविधान का पालन करने और एक निर्वाचित सरकार को काम करने से न रोकने के लिए कहना पड़ता है?

सभ्यता के पतन का अध्ययन करने वाले इतिहासकार अर्नोल्ड टॉयनबी ने हमें बताया है कि पतन बाहर की हमलावर ताकतों से नहीं आता है बल्कि आत्महत्या के एक रूप से सामने आता है। विघटन की स्थिति में समाज 'आत्मा की फूट' से पीड़ित है। हम एक आंतरिक पतन से पीड़ित हैं। आज सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि अर्थव्यवस्था कितनी अच्छी है, चुनाव कौन जीतेगा, बल्कि सवाल यह है कि राष्ट्र उन ताकतों के खिलाफ कैसे खड़ा होगा जो भारत की भावना को उसके सबसे पवित्र संस्थानों और कार्यालयों को अंदर से मार सकती हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है। सिंडिकेट : द बिलियन प्रेस)

26 नवंबर, 1949 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने इन भावनाओं को प्रतिध्वनित किया-'यदि चुने गए लोग सक्षम, चरित्रवान और सत्यनिष्ठ व्यक्ति हैं तो वे एक दोषपूर्ण संविधान को भी सर्वोत्तम बनाने में भी सक्षम होंगे। यदि उनमें इन गुणों का अभाव है तो संविधान देश की कोई मदद नहीं कर सकता। आखिरकार संविधान एक मशीन की तरह निर्जीव वस्तु है। यह उन लोगों के कारण जीवन प्राप्त करता है जो इसे नियंत्रित करते हैं और इसे संचालित करते हैं। भारत को ईमानदार लोगों के एक समूह से ज्यादा कुछ नहीं चाहिए जिनके सामने देश का हित होगा।

बीता सप्ताह

23 मार्च

- मास्को के कान्सर्ट हॉल में अंधाधुंध फायरिंग में 143 नागरिकों की मौत हो गई।
- पीएम्र मोदी भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ' दि ऑर्डर आफ दि दरूकामालयो' से सम्मानित किए गए।
- दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी ने किया गिरफ्तार छ: दिन की रिमांड पर भेजे गए।
- नासा ने अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन स्टेशन (आईएसएस) के लिए छोटे आकार का एक सेटेलाइट लॉन्च किया गया।

24 मार्च

- ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में अर्जी लगाई।
- केरल विधानसभा द्वारा पारित चार विधेयकों को पारित करने के लिए केरल सरकारे न सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई।
- कुख्यात गैंगस्टर प्रसाद विट्ठल पुजारी को चीन से वापिस मुंबई लाया गया।
- पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड(पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष शहरयार खान का निधन हो गया।

25 मार्च

- छ.ग. के सुकमा बीजापुर और दंतेवाड़ा के सींमावर्ती इलाके में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया।
- छग के बिलासपुर में फूड पायजन दो मासूमों की मौत हो गई।
- मेरठ में मोबाइल चार्जिंग के दौरान धमाका होने से चार लोगों की मौत हो गई।
- इंडोनेशिया में 5.7 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए।

28 मार्च

- छ.ग. के बीजापुर बासागुड़ा में पुलिस और नक्सली के बीच मुठभेड़ में छ: नक्सली मारे गए।
- कंगना रनौत को की गई टिप्पणी मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने सुप्रिया श्रीनेत को दिया नोटिस।
- इंटरनेशनल लेबर आर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 83 फीसदी युवा बेरोजगार हैं।
- यूक्रेन के विदेश मंत्री दियित्रो कुलेबा द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा के लिए भारत प्रवास पर आए।

29 मार्च

- माफिया मुख्तार अंसारी का हार्टअटैक हेने से मौत हो गई.
- हुर्रियत कान्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज, उमर फारुक कश्मीर के श्रीनगर में नजरबंद किए गए।
- 6 सौ से अधिक वकीलों ने संयुक्त रूप से पत्र लिखकर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ को कहा है कि एक खास समूह द्वारा न्यायपालिका को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है।
- फिल्म अभिनेता गोविंदा महाराष्ट्र के शिंदेगुट के शिवसेना पार्टी में शामिल हो गए।
- नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री डेनियल काह्नमैन का 90 वर्ष उम्र में निधन हो गया।

चुनाव में नहीं चुना जाता पर्यावरण

■ डॉ. ओ. पी. जोशी

बहुत अधिक पीछे न जाकर पिछले 11-12 वर्षों में घटी प्रमुख त्रासदियों (केदारनाथ, जोशीमठ एवं सिक्किम) तथा मौसम की चरम घटनाओं को देखते हुए अब यह जरूरी हो गया है कि सभी राजनैतिक दल आगामी लोकसभा चुनाव (2024) में पर्यावरण को महत्व दें। पर्यावरण के मुद्दों को अपने घोषणा पत्रों या संकल्प-पत्रों में शामिल कर उनके समाधान हेतु प्रतिबद्धता दर्शायें। पर्यावरण से जुड़े कई लोगों एवं संगठनों की सलाह-सुझाव एवं मांगों के बावजूद राजनैतिक दलों ने पर्यावरण से दूरी ही बनाकर रखी है।

प्रसिद्ध वकील, पर्यावरणविद् एवं 'मेगसेसे पुरस्कार' प्राप्त एमसी मेहता ने बम्बई (अब मुम्बई) में आयोजित एक समारोह (1988) में कहा था कि पर्यावरण से जुड़े लोग चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों पर इस बात का दबाव बनायें कि वे अपने घोषणापत्रों में पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को शामिल करें। इसके साथ ही यह भी कहा था कि पर्यावरण क्षरण के कारणों में राजनैतिक नेताओं तथा सरकारी अफसरों की जिम्मेदारी तय होना चाहिये, भले ही वे पद पर हों या नहीं।

> **इसी समय 'जन आंदोलनों के राष्ट्रीय समन्वय' (एनएपीएम) में दस सूत्रीय जनता के मुद्दे सुझाये थे जिनमें एक जल, जंगल, जमीन, खनिज एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन से जुड़ा था। प्रसिद्ध पत्रकार प्रफुल्ल बिडवई से जुड़े नागरिकों के संगठन ने भी एक एजेंडा बनाया था जिसमें देश के प्राकृतिक संसाधनों एवं उनके प्रबंधन पर स्थानीय समुदाय के लोगों की भागीदारी पर जोर दिया गया था।**

दिल्ली स्थित 'विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र' (सीएसई) के संस्थापक स्व. अनिल अग्रवाल ने दिल्ली दूरदर्शन के एक कार्यक्रम में कहा था कि देश को ऐसे जिम्मेदार एवं संवेदनशील राजनेताओं को जरूरत है जो अन्य समस्याओं के साथ न केवल पर्यावरण की समस्याओं को समझें, अपितु उनके समाधान में भी अग्रणी रहें। मार्च 2005 में 'आजादी बचाओ आंदोलन' के एक कार्यक्रम में 'विश्वविद्यालय अनुदान आयोग' के तत्कालीन अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक स्व. प्रो. यशपाल ने कहा था कि राजनैतिक दलों ने चुनाव में हमेशा आम जनजीवन से जुड़े मुद्दों की अनदेखी की है, जिनमें पर्यावरण की समस्याएं प्रमुख हैं।

'चिपको आंदोलन' के प्रमुख, पद्मभूषण श्री चंडीप्रसाद भट्ट का कहना है कि मानव अस्तित्व की रक्षा के लिए पर्यावरण के बारे में राजनैतिक दलों ने कभी गंभीरता से नहीं सोचा। विभिन्न दलों के नेता सामाजिक संगठनों के मंचों से तो पर्यावरण बचाने की बात करते हैं, परतु चुनाव के समय अपने घोषणा पत्रों में उसे जगह नहीं देते। 'चिपको आंदोलन' को वैश्विक ख्याति दिलवाने वाले स्व. सुंदरलाल बहुगुणा ने 'नदी-जोड़ योजना' की एक बैठक में मई 2009 में गुस्से से कहा था कि सभी राजनैतिक दलों द्वारा पर्यावरण को चुनावी मुद्दा नहीं बनाना एक अपराध है क्योंकि इस सदी की शुरुआत ही जल संकट एवं 'ग्लोबल वार्मिंग' जैसी वैश्विक समस्याओं से हुई है।

लगभग 50 वर्ष पूर्व 'विश्वद प्रकृति निधि' (वर्ल्ड फंड फॉर नेचर, डब्ल्यूएफएन जिसका पूर्व नाम 'विश्व वन्य जीव कोष' था।) ने एक 'ग्रीन-चार्टर' बनाकर विभिन्न राजनैतिक दलों के पास इस अनुरोध के साथ भेजा था कि इसकी बातें वे अपने चुनावी घोषणापत्रों में शामिल करें। इसमें पांच प्रमुख बात कही गयीं थीं - 'केन्द्रीय पर्यावरण व वन मंत्रालय' का नाम 'पर्यावरण संरक्षण मंत्रालय' हो, पर्यावरण संरक्षण में जनता की भागीदारी की योजना बनाई जाए, उद्योग, कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में पर्यावरण सरंक्षण पर ध्यान दें, शहरों की संतुलित एवं पर्यावरण अनुकूल विकास योजनाएं बने, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरण के महत्व को समझाया जाए।

इसी समय 'जन आंदोलनों के राष्ट्रीय समन्वय' (एनएपीएम) में दस सूत्रीय जनता के मुद्दे सुझाये थे जिनमें एक जल, जंगल, जमीन, खनिज एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन से जुड़ा था। प्रसिद्ध पत्रकार प्रफुल्ल बिडवई से जुड़े नागरिकों के संगठन ने भी एक एजेंडा बनाया था जिसमें देश के प्राकृतिक संसाधनों एवं उनके प्रबंधन पर स्थानीय समुदाय के लोगों की भागीदारी पर जोर दिया गया था। वर्ष 1998 में दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान वहां के निवासियों को वायु प्रदूषण के गंभीर प्रभावों के बारे में 'विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र' द्वारा बताया गया था। चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों से कहा जाना चाहिए कि वे वादा करें कि पर्यावरण के मामले में आम लोगों के साथ हैं। इस सिलसिले में प्रत्याशियों के प्रयासों की जानकारी घोषणा पत्रों के अलावा विज्ञापनों में भी दी जानी चाहिए।

हाल ही में मुम्बई से प्रकाशित एक समाचार पत्र से पता चला कि वहां के 'नेट-कनेक्ट' तथा 'वाय डाग फाउंडेशन,' 'सागर शक्ति,' 'खबर,' 'वेटलैंड्स ऐंड हिल्स' तथा 'एलायंस फार रिवर्स इन इंडिया' आदि संगठनों के प्रमुख एवं उनसे जुड़े कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के लिए राजनेताओं की जवाबदेही हेतु एक अभियान शुरू किया है। इसका प्रमुख मुद्दा है कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संतुलन बनाये रखने हेतु राजनैतिक दल अपने घोषणा पत्रों में इसका उल्लेख करें। इस संदर्भ में सभी दलों को पत्र भी लिया गया है। पर्यावरण के बिगड़े और लगातार बिगड़ते हालातों को देखते हुए अब यह जरूरी हो गया है कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाग ले रहे प्रत्याशी अपने-अपने क्षेत्रों की पर्यावरण समस्याए एवं उनके समाधान के प्रयासों की जानकारी घोषणा पत्रों में दें।

(स्वतंत्र लेखक तथा पर्यावरण के मुद्दों पर लिखते हैं।)

वैचारिक मजबूती के साथ खड़ा हुआ है जेएनयू

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के इस बार के नतीजे कई मायने में बेहद खास हैं। प्रति दो साल पर होने वाले चुनाव इस बार 4 साल बाद हुए। एक बार फिर से वामपंथी छात्र संगठनों का दबदबा कायम रहा। केंद्रीय पैनल के 4 में से 3 पदों पर वामपंथी संयुक्त मोर्चा चुनाव जीता। यह भी गौरतलब है कि जेएनयू को तीन दशक बाद पहला दलित प्रेसिडेंट मिला। बिहार के गया से आने वाले धनंजय बत्तीलाल बैरवा के बाद दूसरे दलित प्रेसिडेंट हैं। इससे भी ज्यादा खास बात ये है कि पिछले 10 साल से जेएनयू में बहुजनों वंचितों की मुखर आवाज बनी बापसा को केंद्रीय पैनल में पहली बार जीत मिली। बापसा की प्रियांशी आर्य को महासचिव जैसे महत्वपूर्ण पद पर कामयाबी मिली है। हालांकि उनकी जीत के पीछे एक बड़ा कारण है कि लेफ्ट की जीएस प्रत्याशी स्वाति सिंह का नामांकन मतदान से ठीक 6 घंटे पहले भोर में 4 बजे प्रशासन द्वारा रद्द कर दिया गया। स्वाति सिंह ने नामांकन रद्द होने के खिलाफ अनशन भी किया। लेकिन कामयाबी नहीं मिलते देख लेफ्ट ने एक एबीवीपी को हराने के लिए बापसा की प्रत्याशी प्रियांशी आर्य को समर्थन दे दिया। नतीजा यह रहा कि केंद्रीय पैनल में भगवा पूरी तरह से साफ हो गया। हालांकि एबीवीपी ने पहली बार चारों पदों पर सम्मानजनक मत प्राप्त किए। लेकिन जेएनयू प्रशासन, दिल्ली प्रशासन और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की बारीक निगाह और समर्थन-सहयोग के बावजूद एबीवीपी चुनाव हार गई।

प्रो. रविकांत

> **देशभक्ति और तिरंगे को लेकर विपक्ष और असहमतियों की आवाजों को दबाने वाले अब खुलेआम हिंदुत्व और भगवा के असली चोले में आ गए हैं। संविधान की भावना के उलट एक राष्ट्र, एक धर्म, एक विधान की मुनादी करने वाले नौजवानों को धर्म की अफीम चटाकर नफरत की फैक्ट्री में तब्दील करना चाहते हैं। इसलिए शिक्षा का बजट कम किया जा रहा है और हिंदुत्व के मूल्यों और प्रतीकों पर अधिक व्यय क्या किया जा रहा है।**

इस साल के फरवरी माह में 'अम्बेडकरवाद और दलित राजनीति' पर भाषण देने के लिए जेएनयू जाना हुआ। समाज विज्ञान स्कूल में होने वाली यह गोष्ठी महज एक छोटे कमरे में सिमट गई थी। दलित और आदिवासी मुद्दों पर होने वाली इस गोष्ठी को किसी ऑडिटोरियम में करने की अनुमति नहीं प्राप्त हुई। यह सब कुछ उस जेएनयू में घटित हो रहा है जो लोकतंत्र का धड़कता दिल माना जाता है। जेएनयू परिसर अपनी संवादधर्मिता और लोकतांत्रिक मिजाज के लिए पूरे देश में विख्यात है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि दूरदराज के पिछड़े क्षेत्रों और हाशिए के समाजों से निकलकर आने वाले नौजवानों के लिए जेएनयू किसी सपने से कम नहीं होता। महत्वपूर्ण यह है कि इन आवाजों और प्रतिभाओं को पूरा अवसर यहां मिलता है। यह भी कहना जरूरी है कि जेएनयू की छात्र राजनीति केवल जेएनयू और छात्र हितों तक महदूद नहीं रहती बल्कि विदर्भ से लेकर बुंदेलखंड के किसानों के प्रश्नों पर भी चर्चा करती है। दलितों, आदिवासियों के उत्पीड़न से लेकर संवैधानिक अधिकारों तक की बात जेएनयू की दीवारों और नारों में दिखाई सुनाई पड़ती है। महिलाओं से लेकर एलजीबीटी के सवालों पर बड़ी मुखरता और संवेदनशीलता से जेएनयू में चर्चा होती है। अल्पसंख्यकों के मुद्दे हों या साम्प्रदायिकता और आतंकवाद की समस्या, सभी मुद्दों पर खुले दिमाग से चर्चा होना जेएनयू में आम बात है। इन तमाम मुद्दों पर जेएनयू में बड़े पैमाने पर संवाद होता रहा है। वक्ता कोई भी हो, जेएनयू के छात्रों के सवालों के जवाब देना अनिवार्य होता है। यह जेएनयू संस्कृति ही नहीं रवायत भी है। यह संस्कृति आज भी जेएनयू में मौजूद है। लेकिन संवाद के दायरे काफी सिकुड़ गए हैं। जो बहस मुबाहिसे बड़े हालों, हॉस्टल के मेसों और खुले मंचों पर हुआ करती थीं, अब कमरे की दीवारों और सत्ता प्रतिष्ठानों के प्रतिबंधों के दायरे में सिमटने लगी हैं। इसलिए भी यह चुनाव और उसके नतीजे महत्वपूर्ण हैं कि वामपंथी राजनीति पर अनवरत होते आक्रमणों के बावजूद एबीवीपी चुनाव जीतने में नाकामयाब रही।

पिछले दिनों यह भी देखा गया कि मुख्य गेट से लेकर परिसर में जगह-जगह जेएनयू भगवा झंडों से पटा हुआ था। यह सही है कि जेएनयू भी उसी भारत का हिस्सा है जिसे 22 जनवरी को भगवा झंडों से पाट दिया गया था। लेकिन यह बात भी उतनी ही सही है कि जेएनयू कभी भेड़चाल नहीं चलता। यह परिदृश्य इसलिए भी आश्चर्यजनक था कि जो परिसर दक्षिणपंथी सांप्रदायिक राजनीति का दशकों से सबसे बड़ा वैचारिक और अकादमिक रूप से प्रतिरोध करता रहा है, उसमें भगवा झंडों का साम्राज्य सामान्य बात नहीं थी! लेकिन चुनाव में जेएनयू के छात्रों ने एबीवीपी को हराकर यह ऐलान कर दिया है कि परिसर को हिंदुत्व की आक्रामक राजनीति और उसके मूल्य नापसंद हैं।

पिछले 10 साल की सत्ता और राजनीति ने देश को बदलने का प्रयास किया है। नागरिकों को प्रजा बनाने की मुहिम जारी है। सरकार का लोगों के लिए काम करना उसका कर्तव्य नहीं बल्कि मेहरबानी बन गई है। इसलिए चाहे कोरोना की वैक्सीन हो या 5 किलो राशन सबके लिए 'थैंक यू मोदी जी' कहलाया जा रहा है। जनता को आज्ञापालक समाज में तब्दील किया जा रहा है। जो भी सरकार की नीतियों और कामकाज की आलोचना करता है उसे राष्ट्रद्रोही घोषित कर दिया जाता है। देशभक्ति और तिरंगे को लेकर विपक्ष और असहमतियों की आवाजों को दबाने वाले अब खुलेआम हिंदुत्व और भगवा के असली चोले में आ गए हैं। संविधान की भावना के उलट एक राष्ट्र, एक धर्म, एक विधान की मुनादी करने वाले नौजवानों को धर्म की अफीम चटाकर नफरत की फैक्ट्री में तब्दील करना चाहते हैं। इसलिए शिक्षा का बजट कम किया जा रहा है और हिंदुत्व के मूल्यों और प्रतीकों पर अधिक व्यय क्या किया जा रहा है।

इन 10 सालों में जेएनयू में भी बहुत कुछ बदला है। अकादमिक स्तर से लेकर के छात्र राजनीति तक दक्षिणपंथी हिंदुत्व का प्रभाव बढ़ा है। हिंदुत्व का प्रभुत्व स्थापित करने के लिए वामपंथी धड़ों पर एकेडमिक हमलों से लेकर शारीरिक हमले तक किए गए। नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद पहली बार जेएनयू में 2016 की फरवरी में विवाद में आया। इसके पहले जेएनयू एक ख्वाबगाह हुआ करता था। दूरदराज के गांव-कस्बों से लेकर महानगरों के उच्च मध्यवर्गीय नौजवान अपने सपने को पूरा करने के लिए जेएनयू आते थे लेकिन जाते थे एक वैचारिक ऊर्जा लेकर। फिर चाहे वह प्रोफेसर बने या पत्रकार, आईएएस बने या वैज्ञानिक; उसका दिल हमेशा लोगों के लिए धड़कता था। असमानता और न्याय को देखकर उसके भीतर का लावा फूट पड़ता था। जेएनयू में पढ़ते-गढ़ते हुए नौजवान एक ऐसे भारत और दुनिया का सपना बुनते हैं जिसमें न्याय और गरिमापूर्ण जीवन हो। इसीलिए चाहे गोहाना कांड हो या निर्भया केस, आदिवासियों की हत्या हो या किसानों की आत्महत्या; जेएनयू के छात्र- नौजवान दिल्ली की सड़कों पर क्रांति के गीत गाते हुए निकल पड़ते थे। प्रेम में पड़ा हुआ और किताबों में डूबा हुआ जेएनयू का नौजवान हमेशा मनुष्यता के ताप को महसूस करता रहा है। एक बार फिर जेएनयू के नौजवानों ने अपने चुनावी नतीजों में दिखा दिया है कि सत्ता प्रतिष्ठान और हिंदुत्व के आक्रमण के बावजूद वैचारिक मजबूती के साथ खड़ा हुआ है।

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770 ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

मेडागास्कर में चक्रवात गैमेन से 14 लोगों की मौत, तीन लापता

एंटानानारिवो, 29 मार्च (एजेंसियां)। मेडागास्कर में चक्रवात गैमेन के कारण 14 लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। वहीं तीन लोग अभी भी लापता हैं। इसकी जानकारी मेडागास्कर के मौसम अधिकारियों ने दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के हवाले से गुरुवार को मेडागास्कर के राष्ट्रीय जोखिम और आपदा प्रबंधन कार्यालय (बीएनजीआरसी) ने कहा कि गैमेन ने बुधवार सुबह मेडागास्कर के उत्तरी सिरे पर दस्तक दी। 150 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई।

यूक्रेन के विदेश मंत्री के साथ रूस से संघर्ष पर हुई बात : जयशंकर

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रूस के साथ कीव के चल रहे संघर्ष पर चर्चा की और विभिन्न पहलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को फिर से मजबूत करने के लिए गुरुवार को अपनी दो दिवसीय आधिकारिक पर भारत आए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया कि शुक्रवार दोपहर यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा के साथ एक खुली और व्यापक बातचीत की। हमारी बातचीत चल रहे संघर्ष और इसके व्यापक प्रभावों पर केंद्रित थीं। उस संबंध में विभिन्न पहलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।विदेश मंत्री ने आगे कहा कि वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी बातचीत हुई। उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग समेत समग्र संबंधों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। हैदराबाद हाउस में बैठक में अपनी शुरुआती टिप्पणी में एस. जयशंकर ने कहा कि विदेश मंत्री कुलेबा की यात्रा भारत को अपने क्षेत्र की स्थिति को

कुलेबा की यात्रा भारत को अपने क्षेत्र की स्थिति को समझने का अवसर देती है और मैं उस पर आपके दृष्टिकोण को सुनने के लिए उत्सुक हूं : जयशंकर

समझने का अवसर देती है और मैं उस पर आपके दृष्टिकोण को सुनने के लिए उत्सुक हूं। द्विपक्षीय संबंधों में गति की बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच हाल के महीनों में विभिन्न स्तरों पर बातचीत हुई है। उन्होंने कहा मुझे यह देखकर खुशी हुई कि हमारे कुछ द्विपक्षीय मैकेनिज्म भी मिले हैं और इससे हमारे द्विपक्षीय संबंधों में एक निश्चित गति पैदा हुई है।

इजराइल के नरसंहार के खिलाफ ईरान का अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई का आह्वान

तेहरान। ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से गाजा में फिलिस्तीनियों के खिलाफ इजराइल के नरसंहार को रोकने के लिए कार्रवाई का आह्वान किया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उपरोक्त आह्वान किया। कनानी ने कहा कि फिलिस्तीनियों के खिलाफ इजराइल के नरसंहार की पुष्टि अब संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद(यूएनएचआरसी) ने भी कर दी है।

अब दुनिया भर की सरकारों व अंतरराष्ट्रीय संगठनों को अपने कर्तव्यों का पालन करना है। गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि पिछले साल सात अक्टूबर को इजराइल द्वारा हमास के खिलाफ हमला शुरू करने के बाद से गाजा पट्टी में अब तक 32,552 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 74,980 से अधिक घायल हुए हैं।

सीरिया में इजरायली हवाई हमले में 36 सैन्यकर्मियों की मौत

■ सफीरा क्षेत्र में रक्षा कारखानों को भी निशाना बनाया

दमिश्क, 29 मार्च (एजेंसियां)। सीरिया के उत्तरी शहर अलेप्पो में शुक्रवार तड़के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमलों में छत्तीस सीरियाई सैन्यकर्मी मारे गए। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार, इजरायल ने अलेप्पो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास जिब्रिन क्षेत्र में हिजबुल्लाह के गोदाम पर हमला किया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन स्थित निगरानी समूह ने कहा कि हमले लगभग तीन घंटे तक उत्तरी अलेप्पो के ग्रामीण इलाकों में हुए। इजरायली हवाई हमलों के कारण सीरियाई सैन्य कर्मियों की सबसे अधिक मौतें हुईं।

निगरानीकर्ता ने कहा कि सफ़ीरा क्षेत्र में रक्षा कारखानों को भी निशाना बनाया गया।

हौथी के चार ड्रोनों को मार गिराया : अमेरिका

सना। अमेरिकी सेना ने यमन में हौथी समूह द्वारा लॉन्च किए गए चार ड्रोनों को मार गिराया है। इसकी जानकारी खुद अमेरिकी सेना ने दी। यूएस सेंट्रल कमांड (सेटकॉम) ने एक बयान में कहा, इन ड्रोनों से लाल सागर में एक अमेरिकी-ब्रिटिश गठबंधन जहाज और एक अमेरिकी युद्धपोत को निशाना बनाया गया था। यह अमेरिकी नौसैनिक जहाजों पर हमलों का दूसरा दिन है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गठबंधन ने बुधवार को लाल सागर में अमेरिकी युद्धपोत को निशाना बनाने वाले चार ड्रोनों को रोका और मार गिराया। नवंबर 2023 से हौथी ने गाजा पट्टी में इजरायली हमलों के जवाब में लाल सागर और अदन की खाड़ी में मर्चेंट शिपिंग पर हमले शुरू कर दिए हैं।जवाब में, अमेरिका और ब्रिटेन ने जनवरी के मध्य से यमन में हौथी ठिकानों के खिलाफ हवाई और मिसाइल हमले किए, जिससे अमेरिकी या ब्रिटिश युद्धपोतों पर भी हौथी बलों के हमले बढ़ गए हैं। कई शिपिंग कंपनियों ने अफ्रीकी गंतव्यों तक पहुंचने के लिए लाल सागर से बचने के लिए रास्ते बदल दिए हैं।

सुडोकू 6509

	4				2	7	3	
		1		9				
5					4	1		
8			6					2
	3	4				6	7	
7					1			8
		9	7					3
				1		8		
	8	2	4				5	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

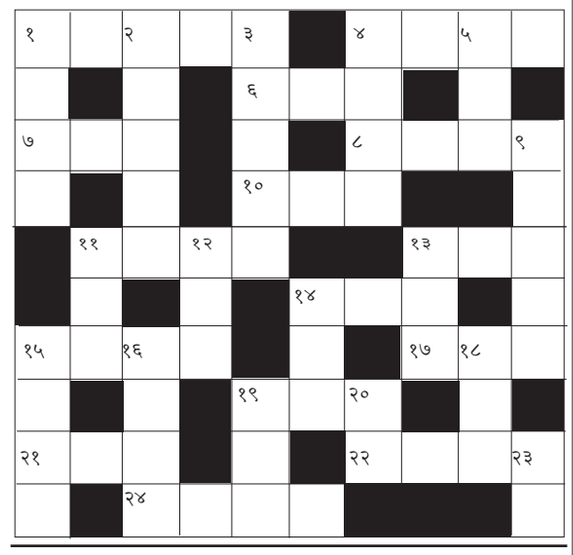

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com
24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 30 मार्च, 2024 चैत कृष्ण पक्ष 6

राशिफल

मेष - आज सांसारिक विषयों से दूर रहकर आध्यात्मिक विषयों में व्यस्त रहेंगे। गहन चिंतनशक्ति हर परेशानी में आपकी सहायता करेगी। रहस्यमयी विद्या के प्रति आज आपको अधिक आकर्षण रहेगा।

वृषभ - आज आपको गृहस्थजीवन में सुख का अनुभव होगा। परिजन तथा निकट के रिश्तेदारों के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम बनेगा। किसी छोटी यात्रा का आयोजन हो सकता है। विदेश में रहने वाले रिश्तेदारों से बातचीत होगी।

मिथुन - आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायी है। घर में शांति और आनंद का वातावरण बना रहेगा। आपके अधूरे काम पूरे होंगे। इससे आप को यश और कीर्ति मिलेगी। आर्थिक लाभ भी मिलेगा।

कर्क - आज का दिन शांतिपूर्ण तरीके से रहें। आज आप का शारीरिक तथा मानसिक आरोग्य अच्छा नहीं रहेगा। शारीरिक रुप से पेट की पीड़ा रहेगी। मानसिक रूप से चिंता में रहेंगे। आकस्मिक खर्च होगा।

सिंह - आज हर मामले में सावधानी बरतें। वाणी और व्यवहार में संयम बरतें। माता के साथ विवाद होने की संभावना है। आपके मन पर वैचारिक रुप से नकारात्मकता छा सकती है।

कन्या - आज शारीरिक ताजगी और प्रसन्नता का अनुभव होने से मन शांत रहेगा। काम में भी सफलता प्राप्त होगी। परिजनों और स्नेहीजनों के साथ संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। उनका सहयोग भी आपको प्राप्त होगा।

तुला - मानसिक दुविधा के कारण किसी निर्णय पर आना संभव नहीं हो पाएगा। आज आवश्यक काम की शुरूआत के लिए भी दिन उचित नहीं है। अपने व्यवहार में जड़ता के कारण आपको ही दु:ख होने की संभावना अधिक है।

वृश्चिक - आज आपको शारीरिक और मानसिक रूप से प्रसन्नता का अनुभव होगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। मित्रों और स्नेहीजनों के साथ मुलाकात से आनंद होगा।

धनु - आज अपनी बोली पर संयम रखें। आपको किसी बात पर गुस्सा भी आ सकता है। इससे किसी के साथ वाद-विवाद हो सकता है। मानसिक रूप से चिंता सताएगी। दुर्घटना से सावधान रहें। आय की अपेक्षा व्यय अधिक रहेगा।

मकर - आज का दिन लाभदायी है। संबंधियों और मित्रों से आनंददायी मुलाकात होगी। विवाहोत्सुकों को इच्छित जीवनसाथी मिलने से आनंद में वृद्धि होगी। व्यापार की दृष्टि से भी लाभदायी दिन है।

कुंभ - आज आपकी शारीरिक और मानसिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यावसायिक क्षेत्र में आपके काम की प्रशंसा होगी, जो कि आपके लिए आनंददायी रहेगी। कार्यालय में सहकर्मियों का भी सहयोग मिलेगा।

मीन - आज अधिकारियों के साथ संबंधों में दरार न पड़े, इसका ध्यान रखें। शारीरिक शिथिलता और मानसिक चिंता बनी रहेगी। विरोधियों के साथ वाद-विवाद को टालें।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

पाक ने भारत के साथ व्यापार फिर से शुरू करने के प्रस्ताव का किया समर्थन

इस्लामाबाद, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत के साथ व्यापार फिर से शुरू करने को लेकर पाकिस्तान से लगातार आवाजें उठ रही हैं। एक हफ्ते के अंदर पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार और अब पाकिस्तान विदेश कार्यालय ने भारत के साथ व्यापार फिर से शुरू करने के प्रस्ताव पर बात की है।

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच ने कहा कि विदेश कार्यालय भारत के साथ व्यापार फिर से शुरू करने के प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। भारत के साथ व्यापार पर प्रतिबंधों की समीक्षा में रुचि व्यक्त करने वाले व्यापारिक समुदाय के बारे में डार के एक बयान को याद करते हुए, प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे प्रस्तावों की जांच विदेश मंत्रालय सहित पाकिस्तान सरकार द्वारा समय-समय पर की जाती रहती है। प्रवक्ता ने कहा कि अभी तक इस मुद्दे पर पाकिस्तान के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।

24 मार्च को, डार ने कहा था कि भारत के साथ व्यापार पर विचार किया जाएगा। उन्होंने इस संबंध में व्यापारिक समुदाय की मांग का भी जिक्र किया था।

चीनी कंपनियों ने दासू, डायमर-भाषा डैम पर काम रोका

■ डायमर-भाषा बांध करेगा 4,800 मेगावाट बिजली का उत्पादन

पेशावर, 29 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में चीनी कंपनियों ने तारबेला बांध के बाद दासू और डायमर-भाषा डैम पर भी काम रोक दिया है।

चीनी कंपनी द्वारा निर्मित दासू हाइड्रोपावर स्टेशन परियोजना के वाहनों पर आतंकवादियों ने मंगलवार को हमला किया था, जिससे पांच चीनी इंजीनियरों की मौत हो गई थी। जिस बस में चीनी इंजीनियर यात्रा कर रहे थे उसे बिशम इलाके में काराकोरम राजमार्ग पर विस्फोटक से भरे वाहन ने टक्कर मार दी थी। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों परियोजनाओं पर काम कर रहे लगभग 991 चीनी इंजीनियरों ने परिचालन बंद कर दिया है। दोनों परियोजनाओं के स्थानीय कर्मचारियों को अगले आदेश तक घर पर रहने का निर्देश दिया गया है।

हालांकि, चीनी इंजीनियर अभी भी खैबर पख्तूनख्वा में मोहमंद बांध पर काम कर रहे हैं। चीनी कंपनी ने दासू बांध पर काम बंद कर दिया।

फ्रांस ने पेरिस ओलंपिक उद्घाटन समारोह को लेकर सुरक्षा चिंताओं को किया खारिज

पेरिस, 29 मार्च (एजेंसियां)। फ्रांस के गृह सुरक्षा महानिदेशालय ने पेरिस में 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर संदेह जताने वाली कई रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा है कि चिंता की कोई बात नहीं है। फ्रांसीसी गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को आरआईए नोवोस्ती को यह जानकारी दी। मंत्रालय के एक प्रतिनिधि ने कहा कि मीडिया में आई कुछ खबरों के विपरीत, गृह सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएसआई) 26 जुलाई को पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह के बारे में किसी भी चिंता से इनकार करता है।

शी जिनपिंग ने सेनेगल के नव निर्वाचित राष्ट्रपति को दी बधाई

बीजिंग, 29 मार्च (एजेंसियां)। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 28 मार्च को बस्सिरौ दिओमाये फेय को फ़ोन किया और उन्हें सेनेगल गणराज्य का राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर बधाई दी। शी जिनपिंग ने कहा कि चीन और सेनेगल के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से, दोनों देशों के बीच राजनीतिक आपसी विश्वास लगातार मजबूत हुआ है, व्यावहारिक सहयोग के समृद्ध परिणाम मिले हैं, और दोनों देशों ने अंतर्राष्ट्रीय मामलों में घनिष्ठ सहयोग किया है। चीन-अफ्रीका सहयोग मंच के सह-अध्यक्ष देश के रूप में दोनों पक्ष इस वर्ष संयुक्त रूप से चीन में चीन-अफ्रीका सहयोग मंच के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे।

जिनपिंग ने कहा कि मैं चीन-सेनेगल संबंधों के विकास को बहुत महत्व देता हूं और एक-दूसरे का समर्थन करने, एकजुट होकर सहयोग करने, संयुक्त रूप से चीन-अफ्रीका सहयोग शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन करने, चीन-सेनेगल और चीन-अफ्रीका संबंधों के निरंतर विकास को बढ़ावा देने और दोनों देशों के लोगों को बेहतर लाभ पहुंचाने के लिए राष्ट्रपति फेय के साथ काम करने को तैयार हूं।

मीरवाइज ने सरकार से किया ‘नजरबंदी का चक्र’ बंद करने का आग्रह

श्रीनगर, 29 मार्च (एजेंसियां)। हुर्रियत कांफ्रेंस के अध्यक्ष एवं कश्मीर के प्रमुख मौलवी मीरवाइज उमर फारूक ने नजरबंद किए जाने के एक दिन बाद शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर सरकार से ‘नजरबंदी का चक्र’ नहीं अपनाने का आग्रह किया।

मीरवाइज ने रमजान के पवित्र महीने के दौरान धार्मिक स्वतंत्रता का भी आह्वान किया। उन्होंने जामिया मस्जिद में शुक्रवार की सभा में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अफसोस जताया कि रमजान के पवित्र महीने में भी उन्हें मस्जिदों में बेरोक-टोक प्रवेश की अनुमति नहीं है और बार-बार घर में नजरबंद कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि रमजान आध्यात्मिक महत्व का समय है, जब श्रद्धालु अपने विश्वास और अभ्यास को समृद्ध करने के लिए मार्गदर्शन और धार्मिक उपदेशों की प्रतीक्षा करते हैं।

उन्होंने कहा कि कल घोषित कार्यक्रम के अनुसार, मुझे आली मस्जिद में धार्मिक सभा को संबोधित करने की अनुमति नहीं दी गई। इस तरह की कार्रवाइयां अभिव्यक्ति और धर्म की मौलिक स्वतंत्रता पर भी अंकुश लगाती हैं। हुर्रियत अध्यक्ष ने अधिकारियों से कहा कि वे अस्पष्ट नजरबंदी के इस चक्र को आगे बढ़ाने से बचें और उन्हें अपना धार्मिक कार्य जारी रखने की अनुमति दें।

अस्पष्ट नजरबंदी के इस चक्र को आगे बढ़ाने से बचें और उन्हें अपना धार्मिक कार्य जारी रखने की अनुमति दें : मीरवाइज

वर्ग पहेली 6509

बायें से दायें:-

१. जिसकी अच्छी तरह योजना बनाकर किया गया हो
४. आवेश में आना, क्रोधित होना
६. शपथ, सौगंध (उर्दू)
७. गिनती, गिनना
८. श्रीरामचंद्र
१०. योग्य, लायक
११. परोपकार
१३. मुक्ति, कल्याण
१४. हेतु, लिए
१५. समर्थक, हिमायती, चिड़िया
१७. दक्षिण भारत का एक प्रसिद्ध पर्वत
१९. निदान, तरीका (उर्दू)
२०. कमल
२२. भौंरा, शंकर
२४. प्राप्ति के अनुसार

ऊपर से नीचे:-

१. सधवा
२. भावी कार्य पद्धति की रूपरेखा बनाने वाला
३. जांच-पड़ताल (उर्दू)
४. विवरण (उर्दू)
५. कछुआ
९. अंधकारपूर्ण
११. अप्रत्यक्ष
१२. तरंग, लहर
१३. बढ़िया, श्रेष्ठ
१४. फैसला
१५. पढ़ने योग्य
१६. अर्जुन
१८. युद्ध करना, झगड़ना
१९. हत्यारा, बधिक (उर्दू)
२०. कीमत, भाव
२३. ईश्वर, खुदा

वर्ग पहेली-6508

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1282 – सिसिली के लोगों ने नेपल्स के एंग्विन राजा चार्ल्स- ढ्ढ के शासन के खिलाफ विद्रोह करना शुरू कर दिया, जिससे वेसिकर्स वेस्पर्स का युद्ध शुरू हो गया।
1814 – नेपोलियन बोनापोर्ट को हराने के बाद ब्रिटेन की सेना ने पेरिस की ओर कूच किया।
1822 – अमेरिका ने पूर्वी फ्लोरिडा और पश्चिमी फ्लोरिडा को फ्लोरिडा क्षेत्र में विलय कर दिया।
1842 – बेहोशी की दवा के रूप में ईथर का पहली बार इस्तेमाल हुआ।
1842 – अमेरिकी चिकित्सक क्रॉफोर्ड लॉन्ग सर्जिकल प्रक्रिया में एनेस्थेटिक के रूप में डायथाइल ईथर का उपयोग करने वाले पहले व्यक्ति बने।
1867 – अमेरिका ने 72 लाख डॉलर में अलास्का को रूस से खरीदा।
1908 – फिल्म अभिनेत्री देविका रानी का विशाखापत्तनम में जन्म हुआ।
1918 – बोल्शेविक और दश्कक ताकतों ने अजरबैजान में मुस्लिम विद्रोह को दबा दिया, जिसके परिणामस्वरूप 12,000 से अधिक मौतें हुईं।
1919– महात्मा गांधी ने रॉलेक्ट एक्ट के विरोध की घोषणा की।
1949 – राजस्थान राज्य की स्थापना हुई और जयपुर को राजधानी बनाया गया।
1950 – मर्रे हिल ने फोटो ट्रांजिस्टर का आविष्कार किया।
1950 – उमर इस्माइल ने दाराह दान दोआ की फिल्म शुरू की, औपचारिक रूप से पहली इंडोनेशियाई फिल्म पहचान ली।
1963 – ग्राहम हिल ने 1963 के लम्बाम्ख ट्रॉफी मोटर दौड़ जीता।
1981–अमेरिकी राष्टपति रोनाल्ड रीगन पर वॉशिंगटन में जानलेवा हमला हुआ।

आदेश: अदालत ने इजरायल को गाजा को निर्बाध सहायता देने का दिया आदेश, बोले

गाजा पट्टी में और खराब हो गई है फिलिस्तीनियों की जिंदगी

हेग, 29 मार्च (एजेंसियां)। हेग में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने इजरायल को आदेश दिया है कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाए कि गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी आबादी तक सभी तरह की बुनियादी सहायता पहुंचे। आईसीजे ने गुरुवार को अपने फैसले में कहा कि इजराइल को बिना किसी देरी के संयुक्त राष्ट्र के साथ पूर्ण सहयोग से, तत्काल आवश्यक बुनियादी सेवा और मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक और प्रभावी उपाय करने चाहिए।

इनमें पूरे गाजा में फिलिस्तीनियों के लिए भोजन, पानी, बिजली, ईंधन, आश्रय, कपड़े, स्वच्छता के साथ-साथ चिकित्सा आपूर्ति और देखभाल शामिल है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, यह फैसला 26 जनवरी के फैसले से अलग है, जिसमें आईसीजे ने इजराइल को गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार के कृत्यों को रोकने के लिए हर संभव उपाय करने का आदेश दिया था। 29 दिसंबर 2023 को, दक्षिण अफ्रीका ने गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों के संबंध में 1948 के जीनोसाइड कंवेशन के तहत इजरायल के खिलाफ कार्यवाही के लिए आईसीजे में एक आवेदन दायर किया था। अदालत ने कहा कि गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों की जिंदगी और खराब हो गई है, खास तौर से गाजा पट्टी में फिलीस्तीनियों को भोजन और अन्य बुनियादी आवश्यकताओं की लंबे समय से व्यापक कमी के कारण।

इजरायली सेना के हमले में दो सौ से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत: हमास

गाजा। इजरायली सेना के हमले से उत्तरी गाजा में स्थित अल-शिफा मेडिकल परिसर में 200 से अधिक लोगों की मौत हो गयी है और लगभग एक हजार अन्य गिरफ्तार कर लिये गये हैं। हमास द्वारा संचालित मीडिया कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि इजरायली सेना का परिसर के अंदर हमले जारी हैं। बयान में कहा गया सेना ने 200 से अधिक विस्थापित नागरिकों की हत्या कर दी और लगभग एक हजार अन्य को गिरफ्तारी कर लिया। कुछ चश्मदीद गवाहों के हवाले से बयान में बताया गया कि टैंकों द्वारा कई इमारतों पर बमबारी की गई। इजरायली सैनिकों ने आसपास क्षेत्र के निवासियों पर बमबारी और घरों को नष्ट करना जारी रखा। उधर, इजरायली सार्वजनिक रेडियो के मुताबिक, सेना बल और शिन बेट सुरक्षा सेवा अल-शिफा अस्पताल क्षेत्र में लड़ाई जारी रखे हुए है, जहां लड़ाकू टीमों ने लगभग 200 आतंकवादियों को मार गिराया है।

दुनिया को जानें

पृथ्वी की रक्षा के लिए केवल एक घंटा दें : डब्ल्यूडब्ल्यूएफ

बीजिंग, 29 मार्च (एजेंसियां)। अर्थ ऑवर वैश्विक जलवायु परिवर्तन के मुकाबले में विश्व वन्यजीवन कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) द्वारा प्रस्तुत एक वैश्विक ऊर्जा-बचत कार्यक्रम है। इसके अनुसार परिवारों और दुकानदारों को हर साल मार्च के अंतिम शनिवार को स्थानीय समयानुसार शाम साढ़े 8 बजे अनावश्यक लाइटों और विद्युत उपकरणों को 1 घंटे तक बंद करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के मुकाबले उनका समर्थन दिखाना है। कार्बन डाइऑक्साइड के अतिरिक्त उत्सर्जन से जलवायु परिवर्तन पैदा हुआ, जो मानव अस्तित्व के लिए बड़ा खतरा है। कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन पर विश्वभर के लोगों का रवैया बदलने के ज़रिए इस ख़तरे का दुनिया पर प्रभाव कम होगा। हाल के वर्षों में, चीन ने वैज्ञानिक और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है, कम कार्बन प्रौद्योगिकियों के विकास और अनुप्रयोग को बढ़ावा दिया है। नई ऊर्जा वाहनों और स्मार्ट ऊर्जा-बचत वाले घरेलू उपकरणों जैसे कम कार्बन वाले उत्पादों का व्यापक उपयोग किया जाता है ।

प्रादेशिकी

मोदी सरकार में बदल गई देश की तस्वीर : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों को आजाद भारत के इतिहास का सबसे बड़ा ट्रांसफॉरमेशन डिकेड बताया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में जिस स्पीड और स्केल के साथ काम हुआ है वह पहले के 60 वर्षों को मिलकर भी नहीं हुआ। ठाकुर ने कहा कि 2014 में भारत एक लड़खड़ाती और चरमराती अर्थव्यवस्था में गिना जाता था। आज हम विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और अगले तीन वर्षों में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। आज जीएसटी के कारण दामों में 5 से 7 प्रतिशत की कमी आई है। ट्रांसपोर्टेशन का टाइम कम हुआ है। फास्ट टैग के कारण टोल नाकों पर मात्र 43 सेकंड से कम का समय लगता है।

भाजपा सरकार दे 10 साल का हिसाब : मथुरादत्त जोशी

मेरे विकास का `दो हिसाब' कैंपेन कांग्रेस ने किया शुरू

देहरादून, 29 मार्च (देशबन्धु)। कांग्रेस पार्टी ने पूरे देश में मेरे विकास का दो हिसाब की शुरूआत करते हुए कैंपेन चलाते हुए केन्द्र की मोदी सरकार से 10 साल के विकास का हिसाब मांगा है। कांग्रेस उपाध्यक्ष प्रशासन एवं संगठन मथुरादत्त जोशी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिये मेरे विकास का दो हिसाब कैंपेन लॉंच कर पूरे चुनाव को फिर से जनता के मुद्दों की ओर मोड़ते हुए भाजपा की केन्द्र व राज्य सरकारों से विकास का हिसाब मांगा है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और उसके नेता प्रत्येक चुनाव मे विकास के मुद्दों की बजाय भावनात्मक मुद्दे बदल-बदल कर हवा-हवाई चुनाव लड़कर बाहर निकलना चाह रही है वहीं कांग्रेस पार्टी ने देश के विकास व जनहित से जुड़े मुद्दे उठाकर भारतीय जनता पार्टी पर जनता की ओर से सवालों की बौछार करने का निर्णय लिया है।

मथुरादत्त जोशी ने कहा कि आज पहली बार भारतीय जनता पार्टी चारों तरफ से घिर चुकी है तथा जनता के ज्वलंत सवालों से बचने का रास्ता खोजती नज़र आ रही है। उन्होंने कहा कि अब जनता भारतीय जनता पार्टी की जुमलेबाजी से अजीज आ चुकी है तथा जनहित से जुड़े मुद्दों तथा विकास पर हिसाब चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का यह कैंपेन केवल सोशल मीडिया

आज पहली बार भारतीय जनता पार्टी चारों तरफ से घिर चुकी है तथा जनता के ज्वलंत सवालों से बचने का रास्ता खोजती नजर आ रही है : मथुरादत्त जोशी

तक नहीं बल्कि सोशल, डिजिटल, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से भी मज़बूती से चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास जनहित से जुड़े सवालों का कोई जवाब नहीं है क्योंकि पिछले 10 सालों में भाजपा कभी कालाधन वापस लायेंगे, कभी 15-15 लाख देंगे तो कभी 2 करोड़ नौकरी देंगे जैसे जुमलों पर जनता को भ्रमित करती आई है परन्तु इस लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा के झूठे वादों, जुमलेबाजी तथा झांसों में आने वाली नहीं है। मथुरादत्त जोशी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस कैंपेन के ज़रिए अपनी नीतियों के माध्यम से किसान, युवा, बेरोजगार, महिला, व्यापारी और छात्र जैसे कई महत्वपूर्ण वर्गों की आवाज़ उठाकर पूरे चुनाव अभियान को ''भाजपा बनाम जनता करने में सफलता हासिल की है। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष जोशी ने कहा कि कांग्रेस ने जिन मुद्दों पर जनता के बीच जाने का फैसला लिया है उसके तहत 'मेरे विकास का दो हिसाब' दो अभियान के माध्यम से भाजपा से सवाल किये हैं कि देश के कुल बेरोजगारों में 83 प्रतिशत युवा क्यों हैं? सालाना 2 करोड़ नौकरियां कहां हैं? देश में 30 लाख सरकारी पद खाली क्यों हैं? हर परीक्षा का पेपर लीक क्यों होता है? कॉरपोरेट का 16 लाख करोड़ माफ हो गया लेकिन हमारे किसान कर्ज से आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? किसानों की आय दोगुनी कब होगी? किसानों को एमएसपी कब मिलेगी? 'जातिगत जनगणना और भागीदारी'- देश के संस्थानों विभागों और संसाधानों में हमारे दलित, पिछड़े, आदिवासी, अल्पसंख्यक और गरीब सवर्णों की उचित भागीदारी क्यों नहीं है? महंगाई आज चरम पर क्यों है? घर चलाना मुश्किल क्यों है?

पहले चरण के लिए 8 अप्रैल से शुरू होगी पोस्टल बैलेट से मतदान प्रक्रिया

नई टिहरी, 29 मार्च (देशबन्धु)। जिला मजिस्ट्रेट व जिला निर्वाचन अधिकारी टिहरी गढ़वाल मयूर दीक्षित के मार्गदर्शन में जनपद में लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की मतदान प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए समस्त व्यवस्थाएं की जा रही हैं। पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए जिला कार्यालय के वीसी कक्ष में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रथम चरण में 8 अप्रैल से 10 अप्रैल तक मतदान पार्टियां घर-घर जाकर पोस्टल बैलेट के माध्यम से कराया जाएगा। यदि कुछ मतदाता इन तिथियों में अपने घर में उपलब्ध नहीं हो पाएंगे, तो ऐसे मतदाताओं के लिए 10 अप्रैल के बाद द्वितीय चरण में मतदान की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनपद की समस्त छह विधानसभा के एआरओ के साथ पोस्टल बैलेट, पोलिंग पार्टी, रूट प्लान, वीडियोग्राफी आदि को लेकर चर्चा की गई। एआरओ को रूट प्लान उपलब्ध कराने, राजनैतिक दलों द्वारा नामित बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को सूचित करने तथा प्रत्येक दिन की रिपोर्ट जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा गया। इसके साथ ही बीएलओ से पोलिंग बूथों पर बूथ नंबर और मार्किंग, साइनेज आदि की रिपोर्ट लेने तथा निरीक्षण करने को कहा गया। पोस्टल बैलेट की प्रतिदिन की रिपोर्ट उम्मीदवार को भी उपलब्ध कराने हेतु संबंधित नोडल अधिकारी को निर्देश दिए गए।

शहादत का अपमान करने वाली कांग्रेस को अग्निवीर पर बोलने का नैतिक अधिकार नहीं : जोशी

पहले जनरल खंडूरी को कमान, अब सैनिक पुत्र धामी विकसित उत्तराखंड मिशन में जुटे

देहरादून, 29 मार्च (देशबन्धु)। भाजपा ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा, जो अपनी सरकारों में शहीद पार्थिव शरीर को काला कंबल व बक्से के साथ 15 पैसे के टिकट लगे पोस्टकार्ड पर घर भेजकर अपमान करते थे, वही आज अग्निवीर योजना को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। जबकि मोदी जी सशक्त सेना एवं समृद्ध राष्ट्र के उद्देश्य से अग्निवीर योजना को आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा ने एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी जनरल खंडूरी को सीएम बनाकर सैनिकों का सम्मान किया और आज भी एक सैनिक पुत्र मुख्यमंत्री, राज्य को विकसित बनाने के लिए रात दिन एक किए है।

रिस्पना पुल स्थित प्रदेश मीडिया सेंटर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश प्रवक्ता सुरेश जोशी ने अग्निवीर योजना पर कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा, उन्हे सेना से जुड़े मुद्दों पर प्रश्न करने का कोई नैतिक अधिकार नही है । उन्होंने आरोप लगाया कि यही कांग्रेस है जिनकी सरकारें शहीदों के पार्थिव शरीरों को काला कंबल एवं बक्से के साथ मात्र 25 पैसे के पोस्टकार्ड पर सूचना के साथ घर भेज कर इतिश्री कर लेते थे। आजादी के बाद 5 दशकों तक कांग्रेस की सरकारों ने देश के वीर जवानों की शहादत के साथ यह अपमान किया, साथ ही देश ने वह दौर भी देखा जब सीमावर्ती क्षेत्रों में सामरिक दृष्टि से हजारों हेक्टेयर जमीन दुश्मनों के लिए छोड़ दिए गए। सीमाओं पर इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार नही किया गया और सैनिकों को आधुनिक हथियारों एवं सुविधाओं के अभाव में अनावश्यक शहीद होने के लिए परिस्थितियों तैयार की गई। हमने इनके ऐसे रक्षा मंत्री भी देखे जिन्होंने संसद के मंच पर स्वीकारा कि हमने सीमाओं पर सामरिक महत्व की योजनाओं को आगे नहीं बढ़ाया क्योंकि दुश्मन देश से सीधे टकराव से बचना उनकी रणनीति है। वहीं देश में पहली बार, अटल जी की

आजादी के बाद 5 दशकों तक कांग्रेस की सरकारों ने देश के वीर जवानों की शहादत के साथ अपमान किया : सुरेश जोशी, प्रदेश प्रवक्ता

सरकार ने कारगिल युद्ध के समय से शहीदों के पार्थिव शरीर को ससम्मान उनके पैतृक निवास पहुंचाया । साथ ही पीड़ित परिवार को यथोचित आर्थिक मदद एवं उनकी सभी जरूरत को पूरा करने का काम किया। उन्होंने कहा, हमने दशकों से लंबित वन रैंक वन पेंशन को लागू करने का काम किया, अत्याधुनिक हथियारों एवं सुरक्षा उपकरण को उपलब्ध कराकर सैनिकों के जीवन को सुरक्षित बनाने का काम किया।

सार संक्षेप

वर्तमान सरकार ने लिखा जन कल्याण का नया अध्याय : नेगी

शिमला। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा है कि आम आदमी की परेशानियों को समाप्त करने के लिए मात्र 14 माह के कार्यकाल में वर्तमान राज्य सरकार ने भरपूर प्रयास किए हैं। जनकल्याण का एक नया अध्याय हिमाचल प्रदेश के इतिहास में जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं, जिससे भाजपा नेता बौखलाकर षड्यंत्र रच रहे है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने 1.36 लाख सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना का बहाल किया, जिससे उनका बुढ़ापा सुरक्षित हुआ है। सेवानिवृत्ति के बाद जिन कर्मचारियों को एनपीएस के तहत 2000 रुपए पेंशन प्राप्त हो रही थी, पुरानी पेंशन बहाल होने के बाद उन्हें 20-30 हजार से ज्यादा पेंशन मिल रही है।

गुड़गाँव में ग़ैरक़ानूनी सिगरेट बरामद

गुड़गांव। ग्राहक चेतना ट्रस्ट द्वारा दी गई सूचना और ख़ुफ़िया जानकारी के आधार पर, पुलिस अधिकारियों ने एक संयुक्त अभियान चलाकर गुड़गाँव, हरियाणा के सदर बाजार में दो बाजार संकुलों में प्रतिबंधित सिगरेट्स की छानबीन की। प्रतिबंधित सिगरेट पाए जाने पर 8 दुकानों पर कार्रवाई की गई। सदर बाजार, गुड़गाँव में सेठी जनरल स्टोर, ट्रंक मार्केट के ख़िलाफ़ केस दर्ज कर लिया गया, जहाँ एस्से लाइट, गुडांग ग्राम, गोल्ड फ्लेक, डनहिल स्विच आदि के प्रतिबंधित सिगरेट पैक बरामद हुए। प्रतिबंधित सामग्री बेचने वाले अन्य लोगों और दुकानों को चेतावनी दी गई। इस छापेमारी के बारे में ग्राहक चेतना ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी श्री सुरेश कौशिक ने बताया, इन मामलों में हमारे द्वारा दी गई जानकारी की छानबीन करने और कार्रवाई करने के लिए हम कानून प्रवर्तन संस्था की सराहना करते हैं। इस कार्रवाई से ग़ैरक़ानूनी सप्लाई चेन को रोकने में मदद मिलेगी। हम भारत में अवैध नकली/प्रतिबंधित वस्तुओं के बारे में उपभोक्ताओं की जागरूकता और शिक्षा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सिगरेट का ग़ैरक़ानूनी व्यापार जन स्वास्थ्य और समाज के लिए एक गंभीर व बढ़ता हुआ ख़तरा है।

जब मंडी में प्राकृतिक आपदा आई तब कंगना कहां थीं : सिंह

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने मंडी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार व अभिनेत्री कंगना रणौत से पूछा कि जब मंडी में इतनी बड़ी प्राकृतिक आपदा आई और करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ, तब वह कहां थीं। श्री सिंह ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व मंडी की सांसद प्रतिभा सिंह थीं, जिन्होंने वहां के लोगों से मुलाकात की थी और राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। उन्होंने सवालिया लहजे में पूछा कि क्या कंगना रणौत एक भी दिन, मंडी के एक भी इलाके में लोगों से मिलने आईं, क्या उन्होंने मुंबई से प्रभावित लोगों का सहयोग किया।

सुडोकू 6509 का हल

6	4	8	1	5	2	7	3	9
2	7	1	3	9	6	4	8	5
5	9	3	8	7	4	1	2	6
8	1	5	6	4	7	3	9	2
9	3	4	5	2	8	6	7	1
7	2	6	9	3	1	5	4	8
4	6	9	7	8	5	2	1	3
3	5	7	2	1	9	8	6	4
1	8	2	4	6	3	9	5	7

बाबा तरसेम सिंह हत्याकांड पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

■ निर्वाचन आयोग से की पुलिस अधिकारियों के तबादले की मांग

■ अमरनाथ तिवारी

हल्द्वानी, 29 मार्च (देशबन्धु)। नानकमत्ता गुरुद्वारे के कार सेवा डेरा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की हत्या के मामले पर राजनीति भी होनी शुरू हो गई है। कांग्रेस ने जहां इस हत्याकांड की निंदा की है तो वहीं बीजेपी सरकार की कार्यशैली पर सवाल भी खड़े किए हैं। कांग्रेस का कहना है कि दिनदहाड़े खुलेआम गुरुद्वारे के प्रमुख सेवादार की हत्या होना साबित करता है कि उत्तराखंड में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है।

नैनीताल जिले की हल्द्वानी सीट से कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि उधमसिंह नगर जिले में अपराधियों का बोलबाला है। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से खराब हो चुकी है। सुमित हृदयेश ने कहा कि बाबा तरसेम सिंह ने एक महीना पहले ही अपनी जान का खतरा बताया था। बावजूद इसके उनको सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई गई। कांग्रेस विधायक

सुमित हृदयेश का कहना है कि हत्यारे खुलेआम 10 दिन पहले से नानकमत्ता में छिपे हुए थे, लेकिन पुलिस को उनकी कोई खबर तक नहीं लगी। इससे साबित होता है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। ऐसे में निर्वाचन आयोग को चाहिए कि उधमसिंह नगर पुलिस में तुरंत बदलाव किया जाए। नैनीताल-उधमसिंह नगर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी प्रकाश जोशी ने भी बाबा तरसेम सिंह हत्याकांड की निंदा की है। उन्होंने कहा है कि उधमसिंह नगर अपराधियों का गढ़ बनता जा रहा है। प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था के मामले में पूरी तरह से फेल हो चुकी है। प्रकाश जोशी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के कारण जिले में भारी सुरक्षा बल मौजूद है। चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है। उसके बाद भी दिनदहाड़े अपराधी बाबा तरसेम सिंह की हत्या कर जाते हैं। बाबा तरसेम सिंह उधमसिंह नगर के जाने-माने धर्म गुरु के रूप में जाने जाते थे और धर्मगुरु की दिनदहाड़े हत्या हो जाना प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

हत्यारों की हो चुकी है पहचान, शीघ्र होगा खुलासा: अभिनव

उधमसिंहनगर। श्री नानकमत्ता गुरुद्वारे के कार सेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की हत्या के मामले में डीजीपी अभिनव कुमार ने कहा कि हत्यारों की पहचान हो चुकी है, शीघ्र खुलासा किया जायेगा। श्री नानकमत्ता गुरुद्वारे में पहुंचे डीजीपी अभिनव कुमार ने गुरुद्वारा प्रबन्धक समिति व पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें सभी पहलुओं पर चर्चा के बाद उन्होने अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए उन्होने कहा कि गत दिवस हुई घटना काफी दुखद है। उन्होने कहा कि हत्यारों की पहचान हो चुकी है तथा उसके खुलासे के लिए एसटीएफ, एसओजी, स्थानीय पुलिस के चुनिंदा व अनुभवी अधिकारियों व कर्मचारियों को लगाया गया है। उन्होने बताया कि इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब के पुलिस अधिकारियो का भी उन्हे सहयोग मिल रहा है और वह भी अपने स्तर पर हत्यारों की तलाश में जुटे हुए है। उन्होने कहा कि इस घटना में हत्यारोपियों के अलावा अगर किसी अन्य का भी हाथ सामने आया तो उसे भी बख्शा नहीं जाएगा। डीजीपी ने कहा कि इस घटना का खुलासा इस प्रकार से किया जाएगा कि दोबारा कोई ऐसा दुस्साहिसक कदम न उठा सके।

कानून व्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने खड़े किए सवाल

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने नानकमत्ता में डेरा प्रमुख की हत्या पर सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गई है बदमाश बेखौफ घूम रहे हैं यही नहीं नानकमत्ता के डेरा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की हत्या के बाद सरकार और कानून व्यवस्था पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि बाबा तरसेम ने खुद अपनी जान को खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग की थी उसके बावजूद भी उन्हें सुरक्षा क्यों नहीं दी गई बेखौफ बदमाश उन्हें सरेआम गोली मारकर फरार हो गए और पुलिस अब तक उन्हें नहीं पकड़ पाई है।

जंगलों की आग सूक्ष्मजीवों के लिए बनी मुसीबत

देहरादून, 29 मार्च (देशबन्धु)। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में जंगलों में आग लगने की घटनाएं साल दर साल बढ़

■ पिछले साल की तुलना में, इसमें भारी वृद्धि देखी जा रही

रहीं हैं। हालांकि आग की घटनाएं गर्मी के मौसम के दौरान अधिक देखने को मिलती हैं, लेकिन इस साल सर्दियों के दौरान घटनाएं बढ़ गई हैं। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत काम करने वाले भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई) के मुताबिक पहली नवंबर 2023 से पहली जनवरी 2024 के बीच उत्तराखंड में 1006 आग लगने की घटनाएं हुई हैं। पिछले साल की तुलना में, इसमें भारी वृद्धि देखी जा रही है, क्योंकि इससे पहले सालों में इसी अवधि के दौरान लगभग 556 आग लगने की घटनाएं हुई थी। कुछ समय पूर्व किए गए एक शोध में कहा गया था कि जंगल की आग यहां रहने वाले सूक्ष्मजीवों को नुकसान पहुंचाती है और उनके विकास को रोकती है। आग लगने के बाद सूक्ष्मजीव कैसे बदलते हैं, शोध के हवाले से कहा गया है कि शोधकर्ताओं को इसकी बेहतर समझ से यह अनुमान लगाने में मदद मिल सकती है कि बैक्टीरिया और कवक पर्यावरणीय बदलावों पर किस तरह की प्रतिक्रिया देते हैं। शोध के मुताबिक, विनाशकारी आग के बाद सूक्ष्मजीवों में बहुत बड़ा बदलाव होता है। शोधकर्ताओं ने एक साल तक यह पता लगाया कि बैक्टीरिया और फंगल समुदाय जले हुए जगहों में पत्तों के कूड़े में किस तरह पनपते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि मिट्टी की सतह में उभरते सूक्ष्मजीव मौसम और पौधों के दोबारा उभरने के साथ बदल गए और सूक्ष्मजीवों का संयोजन काफी हद तक फैलने से प्रेरित था।

सुक्खू ने आपदा राहत के मुद्दे पर भाजपा व केंद्र सरकार को लिया निशाने पर

शिमला, 29 मार्च (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आपदा राहत के मुद्दे पर भाजपा व केंद्र सरकार को निशाने पर लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल में बीते साल शताब्दी की सबसे भयावह दैवीय आपदा झेली। उन्होंने कहा कि आपदा के वक्त केंद्र की भाजपा सरकार ने हिमाचल के आपदा राहत के 9 हजार करोड़ की रकम को रोके रखा। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद प्रदेश सरकार ने आपदा प्रभावितों के पुर्नवास के लिए 4500 करोड़ का विशेष राहत पैकेज जारी किया। मुख्यमंत्री ने अपने फेस बुक एकाउंट में लिखा कि आपदा के वक्त प्रदेश के लोगों ने सरकार का भरपूर साथ दिया। छोटे छोटे बच्चों ने गुलक तोड़ कर आपदा राहत कोष में अंशदान किया। मगर भाजपा सरकार ने ओच्छी राजनीति करते हुए आपदा राहत की राशि जारी नहीं की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता चुनाव में इसका हिसाब लेगी। बीते रोज मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एकाउंट में ओपीएस का मुद्दा उछाला था। उन्होंने साफ लिखा था कि भाजपा शासित किसी भी राज्य में ओपीएस बहाल नहीं हुई है।

मुल्क की खुशहाली की दुआओं के साथ अदा की जुमा की नमाज

रुड़की, 29 मार्च (देशबन्धु)। मुकद्दस रमजान के तीसरे जुमा की नमाज नगर व आसपास के क्षेत्रों में अकीदत तथा शांतिपूर्ण ढंग से अदा की गई। पुलिस प्रशासन की सतर्कता के साथ ही नगर निगम द्वारा भी साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था कराई गई।नगर की प्रमुख जामा मस्जिद में मुफ्ती मोहम्मद सलीम ने जुमा की नमाज अदा कराई। नमाज से पूर्व मौलाना अजहर उल हक ने जामा मस्जिद में नमाजियों से खिताब करते हुए रमजान को बरकतों और रहमतों का महीना बताते हुए कहा कि यह महीना सभी महीना में अव्वल है और इस महीने की विशेषता यह है कि इसमें तरावीह की नमाज भी पढ़ी जाती है। यह नमाज केवल रमजान में ही पढ़ी जाती है। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना प्रत्येक मुसलमान के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होता है,जिसमें तीस रोजे रखे जाते हैं। इस्लाम धर्म के मुताबिक पूरे रमजान को तीन भागों में बांटा गया है। उन्होंने कहा कि रमजान इबादत के साथ-साथ गुनाहों से बचने और तौबा करने का

जुमे की नमाज के दौरान पुलिस ने रखी चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था

महीना भी है।मौलाना अजहर उल हक ने कहा कि रमजान में अल्लाह की राह में जरूरतमंद लोगों की अधिक से अधिक मदद करनी चाहिए। जामा मस्जिद के अलावा तीसरे जुमे की नमाज आईआईटी मस्जिद,सफर मैंना मस्जिद,फातिमा मस्जिद, मदीना मस्जिद,नूर मस्जिद, शेख बेंचा वाली मस्जिद,मस्जिद लोहारान,मस्जिद कानून गोयान,सिविल लाइन मस्जिद,पुरानी कचहरी मस्जिद,ईदगाह मस्जिद, रेलवे स्टेशन मस्जिद, शेखपुरी मस्जिद,आजाद नगर मस्जिद, ईदगाह मस्जिद, मिस्बाह उल उलूम मस्जिद के अलावा आसपास के देहातों की मस्जिदों में भी बड़ी अकीकत के साथ अदा की गई ।

चुनाव

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सराज भाजपा त्रिदेव सम्मेलन में किया दावा

चार जून को एक नहीं दो सरकारें बनेगी

शिमला, 29 मार्च (देशबन्धु)। हिमाचल की जनता आने वाले चार जून को एक नहीं दो सरकारें चुनने जा रही है। ये मात्र लोकसभा का चुनाव नहीं है। हिमाचल के इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है कि जनता 14 महीनों की सरकार को चलता कर नई सरकार चुनेगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू जितना मर्जी जोर अपनी सरकार बचाने के लिए लगा लें लेकिन ये झूठी सरकार टिकने वाली नहीं है क्योंकि आज से ठीक एक माह पहले ही ये कांग्रेस सरकार अपना बहुमत खो चुकी है। अपने गृह क्षेत्र सराज के थुनाग में आयोजित भाजपा त्रिदेव सम्मेलन में ये दावा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री एवम सराज के विधायक जयराम ठाकुर ने कहा कि ये मात्र लोकसभा नहीं हिमाचल में नई सरकार चुनने का भी अवसर

है। राज्यसभा चुनाव के बाद आज मुख्यमंत्री सुक्खू के कारण ही ये परिस्थितियां बनी है क्योंकि उनके कामकाज के तौर तरीकों से न उनके अपने विधायक खुश हैं और न कांग्रेस संगठन। कांग्रेस के लोग ही उनके काम पर सवाल उठा रहे हैं। ऐसे में भाजपा को दोष देना कांग्रेसी नेता बंद करें। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री के कारण कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह ही चुनाव लडने से दूर भाग रही है। कह रही है कि काम न होने से कार्यकर्ता नाराज हैं। उनके कैबिनेट सहयोगी ही इस यारों की सरकार से परेशान हैं और रोते हुए कैबिनेट से बाहर भाग रहे हैं। अपने विधायकों को जेड प्लस सुरक्षा दे रखी है ताकि वे कहीं भाग न जाएं। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्यसभा चुनाव के बाद विधानसभा अध्यक्ष को इस पूरे मामले में तटस्थ रहना चाहिए था और ऐसी हम उम्मीद करते थे लेकिन अब तो हद हो गई है कि तीन निर्दलीय विधायकों ने भी इस सरकार के दमन से तंग आकर एक सप्ताह पहले इस्तीफा अपनी सदस्यता से दे दिया है लेकिन विस अध्यक्ष ने उसे स्वीकार नहीं किया है।

मोदी का प्रधानमंत्री बनना दीवार पर लिखी इबारत

उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एक दशक में हुए ऐतिहासिक कार्यों के आधार पर कह सकता हूं कि कोई ताकत ऐसी नहीं है जो नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से रोक सके क्योंकि ये दीवार पर लिखी हुई इबारत है। उन्होंने कहा कि सराज भाजपा के कार्यकर्ता समर्पण भाव के साथ बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल करने की क्षमता रखते हैं। मेरी गैर मौजूदगी में भी मेरे कार्यकर्ता साथी अपेक्षा से अधिक कार्य करके दिखाते हैं। मुझे विश्वास है कि सराज भाजपा का पूरा परिवार आगामी लोकसभा चुनाव में भी पार्टी की जीत के लिए अहम भूमिका निभाएगा। इस मौके पर मंडल भाजपा के प्रमुख पदाधिकारी भी उनके साथ मौजूद रहे। इससे पहले कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

प्रादेशिकी

मुजफ्फरनगर में चार लाख से अधिक कीमत की नशीली गोलियां जब्त की गईं

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की जानसठ पुलिस ने शुक्रवार को नशीले पदार्थों की एक बड़ी खेप के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसमें 36,480 नशीली गोलियां (प्रीमाडोल) 1,500 एलप्रजोलम की गोलियां, और 1,500 इंजेक्शन के साथ तस्करी में इस्तेमाल ऑल्टो कार को जब्त किया गया है। आरोपी को मुजफ्फरनगर जिले के जानसठ थाना क्षेत्र में भलवा चौकी के पास चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। मुजफ्फरनगर देहात के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य बंसल ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त हैं। एक कार से एक खेप भलवा चौकी से होकर गुजरेगा।

मुख्तार की मौत, यूपी में 'कानून-व्यवस्था का शून्यकाल' : अखिलेश यादव

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। यूपी की बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की गुरुवार को मौत हो गई। इसके बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव का रिएक्शन सामने आया है। अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि यह यूपी में 'कानून-व्यवस्था का शून्यकाल' है। अखिलेश ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शुक्रवार की सुबह एक पोस्ट में लिखा, 'हर हाल में और हर स्थान पर किसी के जीवन की रक्षा करना सरकार का सबसे पहला दायित्व और कर्तव्य होता है। सरकारों पर निम्नलिखित हालातों में से किसी भी हालात में, किसी बंधक या क़ैदी की मृत्यु होना, न्यायिक प्रक्रिया से लोगों का विश्वास उठा देगा। थाने में बंद रहने के दौरान - जेल के अंदर आपसी झगड़े में - जेल के अंदर बीमार होने पर - न्यायालय ले जाते समय - अस्पताल ले जाते समय - अस्पताल में इलाज के दौरान - झूठी मुठभेड़ दिखाकर - झूठी आत्महत्या दिखाकर - किसी दुर्घटना में हताहत दिखाकर ऐसे सभी संदिग्ध मामलों में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में जांच होनी चाहिए। सरकार न्यायिक प्रक्रिया को दरकिनार कर जिस तरह दूसरे रास्ते अपनाती है वो पूरी तरह ग़ैरक़ानूनी हैं। जो हुकूमत जिंदगी की हिफाज़त न कर पाये उसे सत्ता में बने रहने का कोई हक़ नहीं। उप्र 'सरकार अराजकता' के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। ये यूपी में 'कानून-व्यवस्था का शून्यकाल है।' ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की गुरुवार देर रात मौत हो गई। परिजनों की ओर से दी गई सूचना के अनुसार, परिवार का गाजीपुर जिले के काली बाग में पारिवारिक कब्रिस्तान है। वहीं मुख्तार को सुपुर्द-ए-खाक करने की तैयारी की जा रही है।

मुख्तार अंसारी की मौत के बाद मेरठ में फोर्स तैनात

मेरठ। मुख्तार अंसारी की मौत के बाद पूरे प्रदेश में अलर्ट जारी है। मेरठ में भी जुम्मे की नमाज को देखते हुए पुलिस फोर्स फ्लैग मार्च कर रही है और शहर की मस्जिदों सहित संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल तैनाती की गई है। साथ ही ड्रोन कैमरे से भी नजर रखी जा रही है। पुलिस अधिकारी किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने की बात कह रहे हैं। शुक्रवार को जुम्मे की नमाज और अस्पताल में उपचार के दौरान मुख्तार अंसारी की मौत को देखते हुए अधिकारी अलर्ट मोड पर हैं। शहर में जगह-जगह फ्लैग मार्च निकाले जा रहे हैं। हापुड रोड पर पुलिस अधिकारियों ने भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकालकर शहर की जनता से शांति के साथ रहने की अपील की है। जुम्मे की नमाज के चलते हापुड रोड स्थित इमलिया मस्जिद और कोतवाली की जामा मस्जिद सहित शहर की अन्य मस्जिदों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

राजू पाल हत्याकांड

छह दोषियों को उम्रकैद

■ **आजीवन कारावास की सजा के साथ कुल 11.65 लाख रु. के जुर्माने की सजा सुनाई गई**

लखनऊ, 29 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की एक अदालत ने शुक्रवार को चर्चित राजू पाल हत्याकांड के छह आरोपियों को दोष सिद्ध होने के बाद आजीवन कारावास और 11.65 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनायी है। लखनऊ में सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश ने तत्कालीन विधायक राजू पाल की हत्या के मामले में आबिद, फरहान अहमद, इसरार अहमद, जावेद, गुलहसन, रंजीत पाल एवं अब्दुल कवि को भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी, 147, 148, 149, 302, 307, के तहत दोषी ठहराया। फरहान अहमद को भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 27 के तहत भी दोषी ठहराया गया। अदालत में मौजूद छह दोषियों आबिद, फरहान अहमद, जावेद, गुलहसन, रंजीत पाल और अब्दुल कवि को आजीवन कारावास की सजा के साथ कुल 11.65 लाख रु. के जुर्माने की सजा सुनाई गई। बहस के दौरान दोषी इसरार अहमद अदालत में अनुपस्थित रहा, इसलिये अदालत ने उसके विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी किया एवं उसकी सजा की अवधि अदालत के समक्ष उपस्थिति के समय तक के लिए टाल दी गई। सीबीआई ने उच्चतम न्यायालय के 22 जनवरी 2016 के आदेश पर आठ अप्रैल 2016 को मामला दर्ज किया था और पूर्व में धूमनगंज पुलिस स्टेशन, इलाहाबाद में दर्ज प्राथमिकी की जांच को अपने हाथों में लिया था। पुलिस ने धूमनगंज पुलिस स्टेशनर में तत्कालीन विधायक राजू पाल एवं उनके दो सहयोगियों देवी दीन पाल व संदीप यादव की 25 जनवरी 2005 को हत्या के संबंध में अशरफ तथा अतीक अहमद व अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया। आरोप था कि दिनाँक 25 जनवरी 2005 को लगभग तीन बजे जब राजू पाल अपने सहयोगियों के साथ घर लौट रहे थे, तो अमित दीप मारुति एजेंसी के पास 7-8 लोगों ने उनके वाहन को रोका और अशरफ एवं अन्य ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। आरोप था कि हत्या माफिया सरगना और तत्कालीन सांसद अतीक अहमद के इशारे पर की गई थी।

सार संक्षेप

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को डीएम करेंगे सम्मानित

मवाना। स्वीप के अंतर्गत मतदाताओं को जागरुक करने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले एनजीओ एवं अपने क्षेत्र में मतदाता जागरुकता अभियान चलाने वाले समाज का उस व्यक्ति को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जिलाधिकारी दीपक मीणा के द्वारा सम्मानित किया जाएगा। सम्मान के रूप में जिला निर्वाचन कार्यालय मेरठ के द्वारा स्वीप के अंतर्गत चुनाव का पर्व देश का गर्व लोगों लिखे हुए भारत निर्वाचन आयोग एवं स्वीप मेरठ के लोगों के मग तैयार कराए गए हैं। यह जानकारी देते हुए एएस इंटर कॉलेज मवाना के प्रधानाचार्य और स्वीप कोऑर्डिनेटर, मेरठ डॉ. मेघराज सिंह ने बताया कि जनपद में रील बनाकर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए प्रथम पुरस्कार दस हजार तथा दूसरा पुरस्कार पांच हजार एवं तीसरा पुरस्कार ढाई हजार रखा गया है। इसी के साथ-साथ वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन कचहरी परिसर में विकास भवन में प्रातः दस बजे प्रारंभ होगा, जिसके लिए पंजीकरण कराए गए हैं।

मेरठ में भाजपा का विरोध शुरू, सरधना में ग्रामीणों ने पोस्टर लगाए

मेरठ। लोकसभा चुनाव के पहले चरण का नामांकन पूरा होते ही मेरठ में भाजपा का विरोध शुरु हो गया है। मेरठ में पड़ने वाली मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट की विधानसभा सरधना में ग्रामीणों ने पोस्टर लगाए हैं। कमल का फूल हमारी भूल लिखकर पोस्टर गांव में लगाए गए हैं। पोस्टर से भाजपाइयों में हलचल है। ठाकुरों के गांव ठाकुर चैबीसी में इसका सबसे ज्यादा विरोध जताया जा रहा है। क्षत्रियों को टिकट न मिलने से ठाकुर नाराज हैं। मेरठ के सरधना में ठाकुर चैबीसी और खेड़ा गांव में भाजपा का विरोध शुरु हो गया है। सरधना विधानसभा मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट में आती है। मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट से तीसरी बार भाजपा के टिकट पर सांसद संजीव बालियान चुनाव लड़ रहे हैं। खेड़ा में हुए विरोध के बाद से ठाकुरों में उनके प्रति आक्रोश बढ़ रहा है। हाल ही में सांसद संजीव बालियान ने खेड़ा गांव में चुनावी सभा की थी। चैबीसी के गांव खेड़ा, नाहली, कुशावली, आक्खेपुर, सलावा, और राड़धना समेत कई गांवों में ये पोस्टर लगाए गए।

जिला कारागार, राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर, सुरजकुंड बाल गृह का निरीक्षण

मेरठ। जिला न्यायाधीश रजत सिंह जैन, जिलाधिकारी दीपक मीणा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण द्वारा जिला कारागार, राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर व सुरजकुंड बाल गृह का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। जिला कारागार में मा. जिला न्यायाधीश एवं जिलाधिकारी द्वारा भोजनालय, चिकित्सालय आदि का निरीक्षण कर जेल अधीक्षक को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में किशोरो से परिजनो की मुलाकात, बायोमैट्रिक उपस्थिति आदि का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सुरजकुंड बालगृह पर बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरीराम, जेल अधीक्षक जिला कारागार शशिकांत मिश्र, राजकीय सम्प्रेक्षण गृह किशोर, सुरजकुंड बाल गृह का स्टाफ, संबंधित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मेरठ में रविवार को पहुंचेंगे प्रधानमंत्री, कार्यक्रम स्थल पर तैयारीयां शुरू

मेरठ, 29 मार्च (देशबन्धु) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव 2024 का शंखनाद क्रांतिधरा मेरठ के मोदीपुरम स्थित कृषि विश्वविद्यालय के ग्राउंड से करेंगे। चुनावी सभा में भारी संख्या में लोगों के पहुंचने को देखते हुए, शुक्रवार से कार्यक्रम स्थल पर तैयारीयां शुरू कर दी गई है। प्रधानमंत्री के भाषण के लिए एक बड़ा मंच तैयार किया जा रहा है, भाजपा के पदाधिकारी लाखों लोगों के सभा में पहुंचने का अनुमान लगा रहे हैं। रविवार यानी 31 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रस्तावित दौरा मेरठ में होगा प्रधानमंत्री मोदीपुरम स्थित कृषि विश्वविद्यालय में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे जिसके चलते भाजपा प्रशासनिक अधिकारियों ने रैली ग्राउंड की तैयारी शुरू कर दी है। रैली ग्राउंड को भव्य रूप से तैयार किया जा रहा है, वही रैली ग्राउंड में सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं, शुक्रवार को भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने रैली ग्राउंड में तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री के भाषण के लिए एक बड़ा मंच बनाया जा रहा है वही बैरिकेडिंग से वीआईपी और मीडिया को लेकर अलग तैयारी की जा रही है।

लोकसभा चुनाव को लेकर प्रवेक्षक ने किया बूथों का निरीक्षण

मवाना/हस्तिनापुर, 29 मार्च (देशबन्धु)। आगामी 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शुक्रवार को चुनाव प्रवेक्षक राहुल जैन ने मतदान केन्द्रों पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रवेक्षक ने क्षेत्र के संवेदनशील मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर बीएलओ को अगामी चुनाव में मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान करने लिए जागरूक किये जाने के दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ऑब्जर्वर ने राजकीय आश्रम पद्वित, राजकीय इंटर कॉलेज में बनाए गए मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील मतदान केन्द्र पर सुरक्षा व्यवस्था दुरूस्त रखें।

क्षेत्र में जितने भी असामाजिक तत्व हैं उन्हें चिन्हित करें और उन पर विशेष नजर रखें, ताकि शांति व्यवस्था भंग न हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मतदान केन्द्र पर आने वाली पोलिंग पार्टी तथा मतदाताओं के लिए पीने के लिए पानी, बिजली और छाया पर विशेष ध्यान दें। जिन मतदान केन्द्रों पर छाया की सुविधा नहीं है वहां टेंट लगवाएं जिससे मतदाताओं को धूप में न खड़ा होना पड़े।

नामांकन पर्चा लेकर शीर्षासन करने लगा प्रत्याशी

मेरठ। दूसरे चरण के लोकसभा चुनाव के लिए मेरठ में नामांकन शुरू हो चुके हैं। गुरुवार को नामांकन का पहला दिन था। पहले दिन दोपहर 3 बजे तक 19 लोगों ने नामांकन फार्म लिया है। इसमें एक शख्स ऐसा भी था जो नामांकन फार्म लेने के बाद कचहरी में शीर्षासन करने लगा। अरुण गोविल के खिलाफ मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट पर निर्दलीय चुनाव मैदान में उतर रहे योगगुरु आशीष शर्मा ने कलेक्ट्रेट में ही योग करना शुरू कर दिया। आशीष ने पहले अपना नामांकन फार्म लिया इसके बाद वहीं मैट पर योग करने लगे। आशीष ने कलेक्ट्रेट में शीर्षासन, मयूरासन, तुलासन सहित दूसरे योग भी करके दिखाए। योगगुरु आशीष ने कहा कि वो योग के माध्यम से जनता को जोड़ेंगे। आशीष तमाम नारे भी अपने लिए याद करके आए थे। तख्त बदल देंगे ताज बदल देंगे मेरठ का इतिहास बदल देंगे। एक दो तीन चार आशीष भाई पहली बार। पांच छह सात आठ आशीष भाई के हैं ठाठ। नौ दस ग्यारह बारह आशीष भाई सबसे प्यारा। कहा कि चुनाव लड़ेंगे ऊपर से फर्स्ट नहीं आएंगे तो नीचे से फर्स्ट जरूर आएंगे।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करेंगे डीएम

मेरठ, 29 मार्च (देशबन्धु) स्वीप के अंतर्गत मतदाताओं को जागरूक करने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले एनजीओ एवं समाज का वह व्यक्ति जो अपने क्षेत्र में मतदाता जागरूकता अभियान चला रहा है उसके उत्कृष्ट कार्य करने हेतु जिला अधिकारी दीपक मीणा के द्वारा सम्मानित किया जाएगा सम्मान के रूप में जिला निर्वाचन कार्यालय मेरठ के द्वारा स्वीप के अंतर्गत चुनाव का पर्व देश का गर्व लोगों लिखे हुए भारत निर्वाचन आयोग एवं स्वीप मेरठ के लोगों के मग तैयार कराए गए हैं जिनके द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा साथ ही जनपद में रील बनाकर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए प्रथम पुरस्कार 10000 तथा दूसरा पुरस्कार 5000 एवं तीसरा पुरस्कार ढाई हजार रखा गया है इसी के साथ-साथ वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन कचहरी परिसर में विकास भवन में प्रात: 10: 00 बजे प्रारंभ होगा जिसके लिए पंजीकरण कराए गए हैं।

मेरठ कॉलेज में साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद् के तत्वावधान में वाद-विवाद प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में कुल 11 टीमों ने किया प्रतिभाग

मेरठ, 29 मार्च (देशबन्धु)। मेरठ कॉलेज में साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद् के तत्वावधान में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. अंजलि मित्तल ने कहा कि वाद-विवाद प्रतियोगिता एक विषय के दोनों पक्षों पर सावधानीपूर्वक शोध करने के लिए वक्ताओं को न सिर्फ चुनौती देता है, बल्कि अपने चुने हुए पक्ष का समर्थन करने के लिए ठोस सबूत को प्रस्तुत करने का प्रतियोगियों को अवसर भी प्रदान करता है। प्रतियोगिता के निर्णायक मेरठ कॉलेज के विधि विभाग के सेवानिवृत्त पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. के.के. मित्तल एवं दर्शनशास्त्र विभाग के सेवानिवृत्त पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डी.एन. सिंह ने वाद-विवाद प्रतियोगिता के महत्त्व को रेखांकित करते हुए बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं जहां एक ओर एक ही समय में समस्याओं की आशंका को जन्म देती हैं वहीं दूसरी ओर उन्हीं समस्याओं का समाधान भी प्रदान करती हैं। प्रतियोगिता में कुल 11 टीमों ने प्रतिभाग किया। जिसमें विज्ञान संकाय की श्रेया चौधरी एवं वैभव भट्ट की टीम ने प्रथम स्थान, स्ववित्तपोषित विभाग के सौरव कुमार एवं श्वेता चौहान की टीम ने द्वितीय स्थान एवं वाणिज्य संकाय की तनीषा बंसल एवं अर्पिता जैन तथा स्ववित्तपोषित विभाग की स्नेहा गोयल एवं अनुष्का तोमर की टीम ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पुरस्कार प्राप्त किया। वाद -प्रतियोगिता में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्ववित्तपोषित विभाग की श्वेता चौहान ने प्रथम स्थान, विज्ञान संकाय की श्रेया चौधरी एवं वैभव भट्ट ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान, तथा कला संकाय के राम शर्मा एवं स्ववित्तपोषित विभाग के सौरव कुमार ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जैन दर्शन व्यक्ति विशेष नहीं अपितु सबका भाव भूषण महाराज

मवाना/हस्तिनापुर, 29 मार्च (देशबन्धु)। प्राचीन गंगा नदी किनारे स्थित कैलाश पर्वत दिगम्बर जैन मन्दिर में विश्व की सुख-शान्ति-समृद्धि के लिए आयोजित 48 दिवसीय भक्तामर विधान पाठ के 41वें दिन सर्वप्रथम विधानाचार्य सुदीप शास्त्री ने मांगलिक मन्त्रों से क्रियाओं का शुभारम्भ किया। शुक्रवार को भगवंतो का स्वर्ण कलश से अभिषेक अनिल जैन, आयुष जैन, विशेष जैन रिधान जैन शान्तिधारा धर्मेन्द्र जैन, पीयूष शशांक जैन, सौरभ जैन, भद्रकुमा निशंत, शुभ भव्य जैन और अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले दीप का प्रज्जवलन अलका जैन विशेष जैन अनिल जैन के द्वारा किया गया। विधान के मध्य आयोजित धर्म सभा में गुरूवर 108 भावभूषण ने कहा कि- यह संसार एक मेला है जिसके झमेले में सभी फंसे हुए हैं और यदि गुरू की अंगुली पकड़कर चलेंगे तो इस मेले में भटकने से बच जायेंगे। एकमात्र संत ही हमें दुर्गुणों, बीमारी व अभिशाप से बचाते हैं। भगवान तो मौन हैं परन्तु गुरू मुखर होते हैं, गुरूवर आगे कहते हैं कि जैन दर्शन आचरण का पुजारी है, व्यक्ति विशेष का नहीं।

तदोपरान्त देव-शास्त्र-गुरू की पूजन आदिनाथ भगवान की पूजन के उपरांत विभिन्न प्रांतो से आये 206 परिवारो ने तीर्थंकरों को 48 अर्घ्य चढ़ा धर्मलाभ अर्जित किया। 41वें दिन भक्तामर पाठ का संस्कृत उच्चारण अंकिता जैन, भाविक जैन के द्वारा किया गया। शुक्रवार को विधान का विसर्जन रेखा जैन पंच परमेष्ठी की आरती का दीप प्रज्जवलन दीपक शाह कन्हैयालाल शाह आदिनाथ भगवान की आरती का दीप प्रज्जवलन निर्मल जैन चौबीसों भगवान की आरती का दीप प्रज्जवलन बीना जैन सरोज जैन के द्वारा किया गया।

निर्धारण *संविदा कर्मी दीपक कुमार पिछले छह सालों से हाउस टैक्स निर्धारण पटल पर तैनात थे*

हाउस टैक्स निर्धारण पटल से संविदा कर्मी को हटाया

मवाना, 29 मार्च (देशबन्धु)। नगर पालिका मवाना में कई सालों से एक पटल पर जमे संविदा कर्मचारी को चेयरमैन अखिल कौशिक ने शुक्रवार को हटा दिया है। हाउस टैक्स निर्धारण पटल से हटाकर संविदा कर्मचारी को पालिका के टोल फ्री पर आने वाली शिकायतों के निस्तारण पर तैनात कर दिया है। मवाना नगर पालिका में हाउस टैक्स का निर्धारण साल में एक बार कर दिया जाता है लेकिन नगर में नई बनने वाले मकान और दुकानों के सर्वे का कार्य साल भर चलता रहता है।

संविदा कर्मी दीपक कुमार कर अधीक्षक के साथ में हाउस टैक्स निर्धारण के लिए सर्वे का काम कर रहा था। संविदा कर्मी दीपक कुमार पिछले छह सालों से अधिक समय से हाउस टैक्स निर्धारण पटल से तैनात था। संविदा कर्मी दीपक कुमार के बारे में हाउस टैक्स निर्धारण में गड़बड़ी करने की शिकायतें कई बार सभासदों ने चेयरमैन से की थी। सूत्रों का दावा है कि 15 दिनों पहले चेयरमैन अखिल कौशिक ने संविदा कर्मी को हिदायत दी थी कि पालिका का आर्थिक नुकसान पहुंचाने वाला कोई काम नहीं करना, वरना कार्रवाई की जाएगी। उस समय कर अधीक्षक ने चेयरमैन से कहा कि यह कर्मचारी पुराना है और सर्वे कार्य में उनका सहयोग कर रहा है, इस कारण उसे नहीं हटाया जाये लेकिन कर्मचारी की शिकायतें कम नहीं हुई। दो सभासदों ने गुरुवार को चयेरमैन से शिकायतें की कि हाउस टैक्स निर्धारण में उक्त कर्मचारी गड़बड़ कर रहा है।

■ **मवाना नगर पालिका में मिल रही थी शिकायतें**

■ **पालिका चेयरमैन ने शुक्रवार को जारी किए आदेश**

चेयरमैन अखिल कौशिक ने सभासदों की शिकायतों की कराई जांच

जांच में मामला सही पाये जाने पर उन्होंने शुक्रवार को संविदा कर्मी को हाउस टैक्स पटल से हटाने के आदेश कर दिये है। संविदा कर्मी को पालिका में टोल फ्री नम्बर पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के स्थलीय निस्तारण करने के कार्य पर तैनात कर दिया है। इस कार्य की प्रगति रिपोर्ट रोजाना चेयरमैन को देनी होगी। चेयरमैन अखिल कौशिक ने बताया कि पालिका की आय में गड़बड़ करने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जायेगा। इस कार्रवाई से पालिका के अन्य कर्मियों में हड़कंप मच गया है।

रामनवमी मेला में अयोध्या में रहेगी चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था

अयोध्या, 29 मार्च (देशबन्धु) भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में 17 अप्रैल को रामनवमी मेला के दौरान सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किये जायेंगे। सूबे के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र और पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने गुरुवार को यहां रामजन्मभूमि परिसर की सुरक्षा एवं रामनवमी मेले की तैयारी को लेकर जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बाद में श्री मिश्र ने पत्रकारों को बताया कि रामजन्मभूमि परिसर की सुरक्षा व रामनवमी मेले की तैयारी को लेकर रामजन्मभूमि परिसर में सुरक्षा के सम्बन्ध में एक बैठक आयोजित की गयी थी। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस बार सुरक्षा काफी सख्त होगी। उन्होंने बताया कि बैठक में रामजन्मभूमि परिसर की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं।

सिंधी भाषा में श्री हनुमान चालीसा का आडिया-वीडियो लांच

अजमेर। राजस्थान के अजमेर में सिन्धी समाज महासमिति के अधीन संचालित 'सिन्ध इतिहास एवं साहित्य शोध संस्थान' के प्रयासों से पहली बार 'सिन्धी भाषा में श्री हनुमान चालीसा' का आडियो-वीडियो लिरिक्स लॉन्च किया गया। संस्थान से जुड़े तथा सिन्धी (देवनागरी) भाषा में अनुवादित श्री हनुमान चालीसा के निर्माता-निर्देशक कंवल प्रकाश किशनानी ने शुक्रवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में बताया कि 10 मिनट पांच सेकेंड के इस आडियो-वीडियो को तैयार करने में अनुवाद की बहुत कठिनाई आई लेकिन भगवान श्रीराम और हनुमान जी की कृपा से संभव हो पाया है। उन्होंने बताया कि श्री हनुमान चालीसा कई भाषाओं में लिखा एवं गया है लेकिन सिन्धी भाषा में इसका यह पहला अभिनव प्रयास है।

मोटापे से बढ़ा बांझपन

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। पहले भारतीय महिलाओं में पुरुषों के मुकाबले मोटापा दोगुना है। 20 साल से ऊपर की साढ़े चार करोड़ महिलाएं ओवरवेट की समस्या से जूझ रही हैं। मशहूर मेडिकल जर्नल 'लैंसेट' ने इसका खुलासा करते हुए बताया है कि पिछले 30 सालों में भारतीय महिलाओं में मोटापा लगातार बढ़ा है। 1990 में जहां भारतीय महिलाओं में मोटापा 1.2 प्रतिशत बढ़ा वहीं 2022 में यह बढ़कर 9.8 प्रतिशत हो गया। 1990 में 24 लाख महिलाएं मोटापा का शिकार थीं, 2022 में यह संख्या बढ़कर साढ़े चार करोड़ से अधिक हो गई। जबकि 30 वर्षों में महिलाओं की तुलना में पुरुषों में मोटापा आधा रहा। 1990 में 20 साल से ऊपर के 11 लाख पुरुष मोटापे की समस्या से जूझ रहे थे, अब इनकी संख्या बढ़कर 2 करोड़ 60 लाख हो गई है। 30 वर्ष पहले भारतीय मर्दों में मोटापे की दर 0.5 प्रतिशत थी जो अब बढ़कर 5.4 प्रतिशत हो गई है।

मोटापे से औरतों में पुरुषों से ज्यादा बनते हैं हार्मोन्स

महिलाओं में बढ़ता मोटापा उनकी सेहत को खराब कर देता है। मोटापे से महिला के रिप्रोडक्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ता है जिससे बांझपन बढ़ता है। जेएनयू के सेंटर फोर सोशल मेडिसिन एंड कम्यूनिटी हेल्थ की पीएचडी स्कॉलर एस कुंडू बताती हैं कि भारत में 8 प्रतिशत शादीशुदा महिलाएं इनफर्टिलिटी से जूझ रही हैं। 40-50 प्रतिशत मामलों में महिलाओं के रिप्रोडक्टिव सिस्टम में गड़बड़ी पाई जाती है। पुरुषों में जहां 50 की उम्र के बाद फर्टिलिटी कम होने लगती है वहीं महिलाओं की फर्टिलिटी पर 32 की उम्र के बाद

20 वर्ष से ऊपर की 4.5 करोड़ महिलाएं मोटापे से पीड़ित

वजन बढ़ने से एग्स-स्पर्म की बिगड़ती है क्वालिटी

निगेटिव असर होने लगता है। द फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया की पहली महिला प्रेसिडेंट और पुणे में इनफर्टिलिटी स्पेशियलिस्ट डॉ. सुनीता तंदुलवाडकर कहती हैं कि मोटापे की वजह से महिलाओं में हार्मोन्स असंतुलित हो जाते हैं। उनमें मेल हार्मोन यानी टेस्टेस्टेरॉन ज्यादा बनने लगते हैं। उनमें इंसुलिन रेसिस्टेंस बढ़ता है।

एग्स की क्वालिटी खराब होने से मिसकैरिज

डॉ. सुनीता कहती हैं कि हार्मोन्स में गड़बड़ी से महिला में एग्स बनने कम हो जाते हैं। कई बार एग्स रुक-रुक कर बनते हैं या फिर पूरी तरह बनने ही बंद हो जाते हैं। एग्स की क्वालिटी भी अच्छी नहीं रहती इसलिए मिसकैरिज की आशंका भी बढ़ जाती है।

पीरियड्स रुक जाते हैं, पीसीओडी से ओवुलेशन पर असर

रतलाम की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. लीला जोशी कहती हैं कि जब एग्स नहीं बनते या कम बनते हैं तो ऐसी महिलाओं के पीरियड्स भी अनियमित हो जाते हैं। मोटापे से पीड़ित कई लड़कियां इस शिकायत के साथ आती हैं कि उन्हें माहवारी समय में नहीं हो रही है। शादीशुदा महिलाएं भी पीरियड्स न आने या अनियमित होने की बात करती हैं लेकिन वो इनफर्टिलिटी की समस्या से जूझ रही होती हैं। हार्मोन में असंतलुन, एग्स नहीं बनने, पीरियड्स रुकने जैसी परेशानियों के कारण महिलाएं तनाव में रहती हैं। मेंटल टेंशन और मेटाबॉलिक डिसऑर्डर से महिलाओं की सेहत बिगड़ती जाती है। डॉ. जोशी कहती हैं कि आज पीसीओडी हर तीसरी या चौथी किशोरियों को हो रहा है। उनमें पीरियड्स कम या बंद हो जाते हैं और वे मोटापे से पीड़ित हो जाती हैं। डॉ. सुनीता कहती हैं-एक बात पूरी तरह साफ है कि जिन महिलाओं में एग्स बनते हैं उनमें पीरियड्स रेगुलर होते हैं।

ऐसा मत सोचें कि मैं रातों रात सेंसेशन बनी हूं : मेधा शंकर

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। '12वीं फेल' की रिलिजिंग के बाद रातों रात सेंसेशन बनने को लेकर एक्ट्रेस मेधा शंकर ने कहा कि लोग उनकी जर्नी के बारे में नहीं जानते हैं। मेधा ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2019 में ब्रिटिश मिनी सीरीज 'बीचम हाउस' से की थी। इसके बाद वह फिल्म 'शादीस्थान' और सीरीज 'दिल बेकरार' में नजर आईं। मेधा ने 12वीं फेल की सफलता के साथ स्टार बनने की शुरुआत को याद करते हुए कहा कि मैंने 2018 में एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी और 2020 मेरे और पूरी दुनिया के लिए बहुत मुश्किल साल था, मैं उस वक्त काफी परेशान थीं। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं रातोंरात सेंसेशन बनी हूं, बात सिर्फ इतनी है कि लोग मेरी जर्नी के बारे में नहीं जानते अगर रातोंरात एक शब्द है तो मेरी रातें पांच साल लंबी थीं। यह पूछे जाने पर कि इंडस्ट्री में अच्छा एक्टर बनने के लिए क्या करना पड़ता है? एक्ट्रेस ने कहा कि अपनी बातें सही रखें, ज्यादा न सोचें। मैं एक एक्टर के तौर पर अपनी कला को निखारने और अच्छा काम करने, साथ ही अच्छी स्क्रिप्ट के लिए हां कहने पर फोकस करने की कोशिश करती हूं।

स्काईरूट एयरोस्पेस ने शार रेंज में विक्रम-1 कक्षीय रॉकेट के चरण-2 का किया परीक्षण

चेन्नई, 29 मार्च (एजेंसियां)। अंतरिक्ष-तकनीकी क्षेत्र में काम करने वाली भारत की अग्रणी कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने विक्रम-1 अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान (जिसे कलाम-250 कहा जाता है) के स्टेज-2 का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

इसका परीक्षण श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रणोदन परीक्षण स्थल पर 85 सेकंड के लिए किया गया। स्टार्ट-अप के एक बयान में शुक्रवार को कहा गया कि परीक्षण 27 मार्च को किया गया था। विक्रम-1 प्रक्षेपण को भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के पहले निजी कक्षीय रॉकेट प्रक्षेपण के रूप में एक ऐतिहासिक घटना माना जाता है और यह परीक्षण नवंबर 2022 में स्काईरूट द्वारा भारत के पहले निजी रॉकेट- विक्रम-एस के उल्लेखनीय उपकक्षीय अंतरिक्ष प्रक्षेपण के बाद हुआ है। बयान के अनुसार 85 सेकंड तक चले परीक्षण में 186 किलोन्यूटन (केएन) का चरम समुद्र-स्तर का थ्रस्ट दर्ज किया गया, जिसे उड़ान में लगभग 235केएन के पूर्ण विस्तारित वैक्यूम थ्रस्ट में बदल जाएगा। उल्लेखनीय है कि कलाम-250 एक उच्च शक्ति वाला कार्बन मिश्रित रॉकेट मोटर है, जो ठोस ईंधन और उच्च प्रदर्शन वाले एथिलीन-प्रोपलीन-डायन टेरपोलिमर (ईपीडीएम) थर्मल प्रोटेक्शन सिस्टम (टीपीएस) का उपयोग करता है।

यूसीडब्ल्यूएल ने उदयपुर के डबोक प्लांट में अत्याधुनिक सीमेंट मिल आईवी का किया उद्घाटन

उदयपुर 29 मार्च (एजेंसियां)। तेजी से बढ़ती प्रसिद्ध सीमेंट कंपनी जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड की सहायक कंपनी, उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड (यूसीडब्ल्यूएल) ने राजस्थान के उदयपुर में अपने डबोक प्लांट में आज अत्याधुनिक सीमेंट मिल आईवी का उद्घाटन किया। यह महत्वपूर्ण अवसर यूसीडब्ल्यूएल की उत्पादन क्षमता में मौजूदा 2.2 मिलियन मीट्रिक टन से 4.7 मिलियन मीट्रिक टन तक पर्याप्त वृद्धि का प्रतीक है, जिससे सीमेंट उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में कंपनी की स्थिति मजबूत हुई है।

नई सुविधा अत्याधुनिक तकनीक और उन्नत मशीनरी से सुसज्जित है, इस तरह संयंत्र की बढ़ी हुई दक्षता, उत्पादकता और असाधारण उत्पाद गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जा सकता है। यूसीडब्ल्यूएल पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाओं को प्राथमिकता देता है, और सीमेंट मिल आईवी में भी पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए नवीन उपायों को शामिल किया गया है। उदयपुर सीमेंट वर्क्स लिमिटेड के डायरेक्टर और सीईओ श्रीवत्स सिंघानिया ने कहा, ''सीमेंट मिल आईवी का उद्घाटन यूसीडब्ल्यूएल के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह विस्तार न केवल सीमेंट उद्योग में हमारी पोजीशन को मजबूत करता है, बल्कि हमें क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले सीमेंट की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भी सशक्त बनाता है।

पहली बार गायों में मिला बर्ड फ्लू का वायरस

टेक्सास, 29 मार्च (एजेंसियां)। गायों में पहली बार बर्ड फ्लू का वायरस पाया गया है। इस बीमारी के कारण गाय का दूध गाढ़ा हो रहा है और इसका रंग फीका पड़ रहा है। अमेरिका की गायों में ये बीमारी प्रवासी पक्षियों से आई है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर ने इसकी पुष्टि की है।

इस कारण गाय का दूध गाढ़ा, रंग फीका पड़ रहा

विभाग ने कहा कि टेक्सास और कैनसस के 4 डेयरी फार्मों में गायों में एवियन इन्फ्लूएंजा का टेस्ट पॉजिटिव आया है। न्यू मेक्सिको में भी मामलों की पुष्टि की गई है। हालांकि प्रभावित डेयरी फार्मों की संख्या नहीं बताई है।

पाश्चराइजेशन कंज्यूमर्स को वायरस से बचाएगा

इलिनोइस यूनिवर्सिटी के पशु चिकित्सक और इन्फ्लूएंजा रिसर्चर जिम लोव ने बताया कि दूषित दूध सिरप जैसा गाढ़ा दिखता है। अगर यह प्रोडक्ट लोगों तक पहुंच भी गया हो, तो भी पाश्चराइजेशन कंज्यूमर्स को वायरस से बचाएगा।

पाश्चराइजेशन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हानिकारक बैक्टीरिया को मारने के लिए दूध को एक निश्चित अवधि के लिए एक विशिष्ट तापमान पर गर्म किया जाता है। पाश्चराइजेशन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हानिकारक बैक्टीरिया को मारने के लिए दूध को एक निश्चित अवधि के लिए एक विशिष्ट तापमान पर गर्म किया जाता है।

प्रवासी पक्षियों से आया गायों में वायरस

कुछ किसानों ने अपने खेत पर मरे हुए प्रवासी जंगली पक्षियों को देखा है, जिससे पता चला कि ये वायरस इन्हीं से आया है। अब तक इस वायरस से बहुत कम गायों की मौत हुई है, लेकिन संक्रमण के कारण दूध उत्पादन में 40 प्रतिशत तक गिरावट आई है।

लोगों को कोई खतरा नहीं

टेक्सास डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर का कहना है कि वह वायरस के फैलने की मॉनिटरिंग कर रहा है। वहीं कमिश्नर सिड मिलर ने कहा कि लोगों की जान को इससे कोई खतरा नहीं है और दूध की सप्लाई में कोई कमी नहीं होगी।

बर्ड फ्लू को लेकर हुआ था एक्सपेरिमेंट

15 साल पहले एक लैब एक्सपेरिमेंट में पता चला था कि मवेशियों को भी बर्ड फ्लू का वायरस प्रभावित कर सकता है। 1997 और 2005 के आउटब्रेक के बाद यह स्टडी की गई थी।

भाग्यश्री के बहुत बड़े फैन हैं केतन सिंह

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के कॉमेडी शो, 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' में शिरकत कर रहे केतन सिंह का कहना है वह फिल्म मैंने प्यार देखने के बाद भाग्यश्री के बहुत बड़े फैन बन गए। इस शनिवार सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के कॉमेडी शो, 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' में मैडनेस की मालकिन हुमा कुरेशी के साथ शो बॉलीवुड की अभिनेत्री भाग्यश्री शामिल होंगी। कॉमेडियन कुशल बद्रीके और केतन सिंह 'मजदूर गैग' नामक एक मजेदार गैग के लिए जोड़ी बनाएंगे, जहां वे एक दिहाड़ी मजदूर के संघर्ष के बारे में बताते हैं, जो अपने कार्यस्थल पर कुछ छिपे हुए खजाने की खोज करते हैं और मनमाने ढंग से तय करते हैं कि उन पर कौन दावा करेगा! इसके बाद गौरव दुबे, सिद्धार्थ सागर,

हेमांगी कवि और इंदर साहनी ने फिल्म 'मैंने प्यार किया' पर आधारित एक एक्ट प्रस्तुत किया, जिसमें भाग्यश्री ने भी एक्ट किया था।

केतन सिंह ने कहा कि जिस दिन मैंने भाग्यश्री की फिल्म 'मैंने प्यार किया' देखी, मैं उनका बहुत बड़ा प्रशंसक बन गया! इतना कि जब भी मैं फिल्म देखता हूं, यह मुझे उस समय में वापस ले जाता है जब मैंने इसे पहली बार देखा था। फिल्म में उनकी स्क्रीन प्रेजेंस गजब की थी! शो में एक अतिथि के रूप में उनका होना और उनके सामने प्रस्तुति देना एक शानदार अनुभव था। इतना ही नहीं, वो बड़ी मजेदार थीं और इन एक्टिविटीज़ के दौरान हमारे साथ जुड़ीं जिससे उनके आस-पास के सभी लोग सहज हो गए।

Youva Stationery ने 'ओगी एंड द कॉकरोचेज़' के लिए लाइसेंसिंग अधिकार प्राप्त किए

मुंबई 29 मार्च (एजेंसियां)। हाउस ऑफ नवनीत एजुकेशन से Youva को अग्रणी एनिमेटेड सीरीज़ - ओगी एंड द कॉकरोचेज़ के साथ अपने सहयोग की घोषणा करते हुए बेहद खुशी है। Sony YAY! के लिए Xilam Animation से लाइसेंस प्राप्त, एनिमेटेड कॉमेडी ने अपनी मनोरंजक और गुदगुदाने वाली कहानियों के साथ कई वर्षों में दुनिया भर के दर्शकों के दिलों पर घर कर लिया है। ओगी, आकर्षक नीली बिल्ली, एक आइकन बन गई है, जिसने दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीत लिया है। उसकी अपील सीमाओं और भाषाओं को पार करती है, सभी उम्र के दर्शकों के साथ जुड़ती है। बच्चे ओगी के प्यारे स्वभाव और जुड़ सकने वाले अनुभवों की ओर आकर्षित होते हैं, जिससे वह दोस्ती की दुनिया में सबसे चाहा जाने वाला चरित्र बन जाता है। इसकी सफलता सिर्फ टीवी स्क्रीन तक सीमित नहीं है; ओगी एक साथी बन गया है, एक दोस्त जिसे बच्चे अपने रोजमर्रा के जीवन में अपने साथ रखना चाहते हैं।

Youva ने Sony YAY! से 'ओगी एंड द कॉकरोचेज़' के लिए लाइसेंसिंग अधिकार प्राप्त

किए हैं। यह सहयोग स्टेशनरी उत्पादों की एक विविध श्रेणी में विस्तारित होगा, जिसमें जंबो-आकार और नियमित नोटबुक, कलरिंग और एक्टिविटी बुक, कॉम्बो किट और परीक्षा बोर्ड शामिल हैं।

फिल्मों के लिए बेहतर मार्केटिंग है जरूरी : रीमा दास

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। फिल्म निर्माता रीमा दास की लगभग सभी फिल्मों में हर चीज अलग तरीके से चलती है। वह फिल्म 'विलेज रॉकस्टार्स इकोइंग टेल्स' का पोस्ट-प्रोडक्शन पूरा कर रही हैं, जो उनकी फिल्म 'विलेज रॉकस्टार्स' (2017) का सीक्वल है। इस फिल्म को 91वें अकादमी पुरस्कारों में चुना गया और 65वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में बेस्ट फीचर फिल्म का अवॉर्ड मिला।

उन्होंने कहा कि मैं किसी बंधी हुई स्क्रिप्ट के साथ काम नहीं करती। शूटिंग के दौरान चीजें लगातार बदलती रहती हैं। सुधार ही सफलता की कुंजी है। मैं बस अपना कैमरा लेती हूं और रोल करना शुरू कर देती हूं। मैं कुछ लिखती हूं, जाकर शूटिंग करती हूं बीच-बीच में मैं एडिटिंग भी शुरू कर देती हूं। सब कुछ आगे-पीछे है, लेकिन मुझे यह पसंद है।

उनकी फिल्में, चाहे वह 'विलेज रॉकस्टार' हो या 'बुलबुल कैन सिंग', दोनों का प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में किया गया था और 120 से ज्यादा फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की गईं, 70 से ज्यादा पुरस्कार प्राप्त हुए। इन सफलताओं के चलते रीमा दास अपने आने वाले प्रोजेक्ट को लेकर कोई दबाव महसूस नहीं करती हैं।

रीमा दास चंडीगढ़ में चल रहे सिनेवेस्टर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (सीआईएफएफ) में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि यह हमेशा फिल्म निर्माण की कला और आगे बढ़ने की चाहत के बारे में है। फिल्म की अखंडता और पवित्रता को बनाए रखने का प्रयास है।

बेशक, यह हमेशा खुशी की बात होती है जब लोग और आलोचक मेरी फिल्मों की प्रशंसा करते हैं। लेकिन इन सबके चलते मुझे कभी कोई दबाव महसूस नहीं होता।

निर्देशक ने कहा कि समय के साथ, उन्हें अपनी फिल्मों की अच्छी मार्केटिंग के महत्व का एहसास हुआ। विलेज रॉकस्टार्स और बुलबुल कैन सिंग के साथ चर्चा बहुत आम थी। लेकिन महामारी के बाद, हम जैसे फिल्म निर्माताओं के लिए चीजें बदल गईं। मुझे उस समय समझ आया कि फिल्म की अच्छी मार्केटिंग के लिए एक अलग बजट रखना होगा।

दास आर्ट डायरेक्शन और कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग को संभालने के अलावा, अपनी फिल्मों का लेखन, निर्देशन, निर्माण, संपादन और शूटिंग करने वाली क्रू मेंबर भी हैं। दास ने कहा कि मुझे सिनेमैटोग्राफी में एक छोटा कोर्स करने में कोई आपत्ति नहीं है। कैमरे और लाइटिंग आदि के बारे में तकनीकी ज्ञान फायदेमंद होगा।

रीमा दास की 'विलेज रॉकस्टार्स' 20 लाख रुपए के बजट पर बनी थी, लेकिन उन्हें लगता है कि समय बदल गया है और अब इतने कम बजट पर काम करना संभव नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि हर चीज महंगी हो गई है। अब अगर मैं सिंक साउंड का इस्तेमाल करना चाहती हूं और मार्केटिंग के लिए अच्छा-खासा बजट रखना चाहती हूं, तो मैं सब कुछ सिर्फ कुछ लाख में कैसे पूरा कर सकती हूं?

मशरूम उत्पादन से महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही हैं सुषमा देवी

पलामू, 29 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिला के मेदिनीनगर शहर में सुषमा देवी मशरूम के उत्पादन के जरिए कई महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रही हैं। सुषमा देवी वर्ष 2006 से अपने घर में मशरूम के स्पॉन यानी बीज के उत्पादन के साथ-साथ मशरूम का उत्पादन भी कर रही हैं। इनके द्वारा तैयार किए जा रहे मशरूम के स्पॉन की मांग पलामू, लातेहार, गढ़वा और छतीसगढ़ के अलावा मेदिनीनगर शहर में भी काफी है। सुषमा की इस पहल से कई महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इस काम से सुषमा देवी की अच्छी आमदनी भी हो जाती है, जिससे वह अपना जीवन यापन कर पाती हैं।

सुषमा देवी अपने घर में ही मशरूम का उत्पादन करती हैं। इसके लिए वह सर्दियों के मौसम धान की पुटी और गर्मियों के दिनों में गेहूं की पुटी से मशरूम तैयार करती हैं। मशरूम को बनाने के लिए सुषमा ने एक अनोखा तरीका अपनाया है।

■ लातेहार, गढ़वा और छतीसगढ़ के अलावा मेदिनीनगर शहर में भी उत्पादन काफी

वह इसे पॉलिथीन में भरकर तार के हैंगर में रख देती हैं, जिसमें समय-समय पर पानी दिया जाता है, जिससे मशरूम तैयार होती है। बाद में इसे बिक्री के लिए बाजार भेजा जाता है। मशरूम का इस्तेमाल पापड़, बरी, आचार और अन्य चीजें बनाने के लिए किया जाता है।

सुषमा देवी ने बताया कि वह मशरूम के उत्पादन के साथ महिलाओं को मशरूम बनाने का प्रशिक्षण भी देती हैं, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें। उनकी इस पहल से आज कई महिलाएं अपना जीवन व्यापन कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि मैंने साल 2005 में दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र, रांची से प्रशिक्षण प्राप्त किया। उसके बाद रांची से बीज लाकर मैंने 2006 में मशरूम का

उत्पादन शुरू किया। इस बीच बीज की काफी किल्लत होती थी, जिसके लिए मुझे बार-बार रांची जाना पड़ता था। इसके बाद मैंने कृषि विज्ञान केंद्र, रांची से मशरूम के बीज के उत्पादन के बारे में भी प्रशिक्षण लिया, जिसके बाद मेरी सारी परेशानी खत्म हो गई। अब मैं अपने साथ-साथ अन्य लोगों को भी बीज उपलब्ध कराती हूं। लोग मुझसे बीज ले जाकर मशरूम का उत्पादन करते हैं।

सुषमा देवी ने आगे बताया कि मैं लोगों को मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण भी देती हूं, जिससे वह मशरूम उगाने में सक्षम हो जाते हैं, और अपना जीवन यापन कर पाते हैं। लोग मुझसे अक्सर पूछते हैं कि हमें इससे कैसे लाभ मिल सकता है। इस पर मैं कहना चाहती हूं कि यह लोगों पर निर्भर करता है कि वह कितनी मात्रा में इसका उत्पादन करना चाहते हैं। अगर कोई सिर्फ 2 या 4 बैग मशरूम लगाता है तो उन्हें इससे ज्यादा फायदा नहीं मिल पाएगा, यह सिर्फ घर के लिए ही पर्याप्त होगा। वहीं अगर वह बिजनेस के तौर पर इसे करना चाहते हैं तो उन्हें इसके लिए एक यूनिट मशरूम का उत्पादन करना होगा, इससे उन्हें डेढ़ कुंतल मशरूम प्राप्त होगी, जिससे वह उसे बाजार कीमत पर बेच सकते हैं। मशरूम की कीमत बाजार में 150 से 200 रुपये के बीच है। अगर वह डेढ़ कुंतल मशरूम को 100 रुपये किलो की कीमत पर बेचते है तो उन्हें 10 से 15 हजार रुपये का लाभ होगा। सुषमा ने कहा कि इससे लोग घर बैठे ही रुपए कमा सकते है। साथ ही कहा कि रोजगार की तालाश में जो लोग लगे हुए हैं वह भी इस बिजनेस को कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनका मशरूम आस पास के क्षेत्रों में जाता है। वह कहती है कि मैं मशरूम से ज्यादा बीज का उत्पादन करती हूं, जिससे मेरे साथ अन्य लोगों को भी इसका लाभ मिल सके।

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

बजाज फिनसर्व	3.91 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	3.09 प्रतिशत
एसबीआई	2.53 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	2.26 प्रतिशत
पावरग्रिड	2.21 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एक्सिस बैंक	0.50 प्रतिशत
रिलायंस	0.37 प्रतिशत
एचसीएल टेक	0.26 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	0.26 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	66,778
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74750
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	850
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2750-2850
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5800-5900
दाल चना	6800-6900
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	10200-10300
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	11800-11900

पेट्रोल व डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

देश को विनिर्माण क्षेत्र में 10 फीसदी वृद्धि की उम्मीद करनी चाहिए : अमिताभ कांत

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत को विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती के लिए 10 हजार

■ नौकरियां पैदा करने के लिए बड़ी कंपनियों को विकसित करना महत्वपूर्ण

बड़ी कंपनियों की जरूरत है। इसके बिना विकास की देश की महत्त्वाकांक्षा पूरी नहीं हो सकती है। यह बातें जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहीं। उन्होंने कहा कि देश को विनिर्माण क्षेत्र में 10 फीसदी वृद्धि की उम्मीद करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में देश में 10 फीसदी से अधिक की दर से बढ़ने वाले 10 चैंपियन राज्य होने चाहिए, जो अगले साढ़े तीन दशक में दक्षिण कोरिया, चीन, ताइवान और सिंगापुर की तरह ही भारतीय अर्थव्यवस्था को 9 से 10 फीसदी तक बढ़ा सकते हैं। कांत ने

भारत में बहुत कम बड़ी कंपनियां हैं, बहुत से एमएसएमई हैं। बड़ा होना कोई अपराध नहीं है : अमिताभ कांत

कहा, 'हमें राज्यों को परिवर्तन का एजेंट बनाने की जरूरत है। हमें 10 से 11 चैंपियन राज्यों की जरूरत है, जो कुछ भी केंद्र ने किया है अब राज्यों को करने की जरूरत है। इसलिए सुधार जरूरी है। उन सभी को समाजवादी युग में बनाए गए कायदा-कानूनों को खत्म करना होगा।'नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्य अधिकारी ने कहा कि नौकरियां पैदा करने के लिए बड़ी कंपनियों को विकसित करना महत्वपूर्ण है। कांत ने कहा, 'भारत में बहुत कम बड़ी कंपनियां हैं। यहां बहुत से एमएसएमई हैं। बड़ा होना कोई अपराध नहीं है।' साथ ही कांत ने कहा कि भारत को विश्व का सबसे बड़ा स्टार्टअप देश बनने और सिलिकॉन वैली को टक्कर देने का लक्ष्य लेकर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को इन कंपनियों में निजी पूंजी के निवेश को बढ़ावा देना चाहिए ।

व्यापार नीति से वृद्धि को मिल रही रफ्तार : गोयल

नई दिल्ली। संरक्षणवाद संबंधी चिंताओं को खारिज करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत व्यापार नीति में संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है। गोयल ने कहा कि यह सोची समझी नीति है जो देश की वृद्धि यात्रा के अनुरूप है। 2047 तक विकसित भारत रोडमैप' विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्याधिकारी और जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि अगले 5 वर्षों में देश में 10 फीसदी से अधिक की दर से बढ़ने वाले 10 चैंपियन राज्य होने चाहिए, जो अर्थव्यवस्था को 9 से 10 फीसदी तक बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बड़ी कंपनियों का हवाला देते हुए कहा कि भारत को कई अंबानी, अदाणी और टाटा जैसे उद्योगपतियों की जरूरत है। 2047 तक भारत की सफलता की यात्रा के लिए केंद्र राज्य संबंधों पर चर्चा करते हुए पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन ने कहा कि भारत को सहयोगात्मक संघवाद और प्रतिस्पर्धी संघवाद के मिले-जुले रूप की दरकार है।

मोबाइल नंबर बंद करने की धमकी भरे कॉल से सतर्क रहने की जरूरत : डीओटी

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। विदेशी मोबाइल नंबर से कॉल करके मोबाइल नंबर बंद करने के धमकी भरे कॉल पर संचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने परामर्श जारी करते हुए कहा कि विभाग अपनी ओर से किसी को भी ऐसी कॉल करने के लिए अधिकृत नहीं करता है और उसने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है तथा ऐसी कॉल प्राप्त होने पर कोई भी जानकारी साझा नहीं करने की अपील की है।

ऐसी कॉल प्राप्त होने पर कोई भी जानकारी साझा नहीं करने की अपील

डीओटी ने जारी परामर्श में कहा कि लोगों को ऐसे कॉल आ रहे हैं, जिनमें कॉल करने वाले व्यक्ति डीओटी का नाम लेकर उसके सभी मोबाइल नंबर काट देने या उनके मोबाइल नंबर का कुछ अवैध गतिविधियों में दुरुपयोग होने की धमकी दे रहे हैं। डीओटी ने विदेशी मोबाइल नंबरों से फर्जी सरकारी अधिकारी बनकर लोगों को ठगने वाले व्हाट्सएप कॉल के बारे में भी परामर्श जारी किया है। साइबर अपराधी ऐसी कॉलों के माध्यम से साइबर-अपराध/वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम देने के लिए धमकी देने/व्यक्तिगत जानकारी चुराने की कोशिश करते हैं।

डीओटी ने नागरिकों को संचार साथी पोर्टल की 'चक्षु-रिपोर्ट संदिग्ध धोखाधड़ी संचार' सुविधा पर ऐसे धोखाधड़ी वाले संदेशों की रिपोर्ट करने का परामर्श दिया है। सक्रियता के साथ इसकी रिपोर्ट किए जाने से दूरसंचार विभाग को साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी आदि के लिए दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने में मदद मिलती है। इसके अलावा, संचार साथी पोर्टल की 'नो योर मोबाइल कनेक्शंस' सुविधा पर नागरिक अपने नाम पर जारी मोबाइल कनेक्शनों की जांच कर सकते हैं और ऐसे किसी भी मोबाइल कनेक्शन की रिपोर्ट कर सकते हैं, जो उन्होंने नहीं लिया है या जिसकी उन्हें आवश्यकता नहीं है। डीओटी ने पहले से ही साइबर अपराध या वित्तीय धोखाधड़ी के शिकार हो चुके नागरिकों को भी साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर अपराध वेबसाइट पर रिपोर्ट करने की सलाह दी है।

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस

बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अप्रैल का पाम ऑयल वायदा 72 रिंगिट चढ़कर 4328 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह अप्रैल का अमेरिकी सोया तेल वायद 0.01 सेंट की तेजी के साथ 48.16सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। **गुड़-चीनी :** मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

राज्यों की बढ़ती भागीदारी ने जीएमवी में अभूतपूर्व वृद्धि को किया प्रेरित

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस (जेम) ने इस वित्तीय वर्ष में सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) 4 लाख करोड़ रुपए रहा है जो पिछले वित्त वर्ष के जीएमवी से दोगुना है।

■ जेम पोर्टल पर एक साल में कारोबार हुआ दोगुना
■ केंद्रीय संस्थाओं के योगदान ने भी जीएमवी को काफी बढ़ावा दिया

यह पोर्टल की अद्वितीय डिजिटल क्षमताओं और कार्यात्मकताओं की गवाही देता है जिसने सार्वजनिक खरीद में अधिक दक्षता, पारदर्शिता और निर्बाधता की सुविधा प्रदान की है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार जेम पोर्टल के माध्यम से सेवाओं की खरीद इस जीएमवी के पीछे एक महत्वपूर्ण शक्ति साबित हुई है। इस जीएमवी का लगभग 50 प्रतिशत सेवाओं की खरीद इस पोर्टल के माध्यम से की गई है जो पिछले वित्त वर्ष में जेम पर खरीदी गई सेवाओं की तुलना में 205 प्रतिशत अधिक है।

बाजार तक पहुंच बनाकर जेम स्थापित और प्रसिद्ध सेवा प्रदाताओं के कार्टेल को तोड़ने में असाधारण रूप से सफल रहा है, जिससे छोटे घरेलू उद्यमियों के लिए किसी भी समय कहीं से भी सरकारी निविदाओं में भाग लेने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। जेम पर सेवाओं के विशाल भंडार ने राज्यों को ऐसे नवीन समाधान प्राप्त करने में सक्षम बनाया है जो उनकी सभी गतिशील आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। राज्यों की बढ़ती भागीदारी ने भी जीएमवी में इस अभूतपूर्व वृद्धि को प्रेरित किया है। इस वित्तीय वर्ष में, गुजरात, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे सबसे अधिक खरीद वाले राज्यों ने राज्यों को इस वर्ष के निर्धारित सार्वजनिक खरीद लक्ष्य को पार करने में मदद की है। मंत्रालयों और सीपीएसई सहित केंद्रीय संस्थाओं द्वारा किए गए योगदान ने भी जीएमवी को काफी बढ़ावा दिया है। इन सरकारी संगठनों ने इस 4 लाख करोड़ रुपए के लक्ष्य में लगभग 85 प्रतिशत का योगदान दिया है। विशेष रूप से, कोयला मंत्रालय, बिजली मंत्रालय और पेट्रोलियम और उनकी सहायक कंपनियां सबसे अधिक खरीद करने वाली संस्थाएं बनकर उभरी हैं।

सार संक्षेप

फोनपे के यूजर अब यूएई में कर सकेंगे यूपीआई

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा करने वाले फोनपे ऐप के यूजर अब यूपीआई से भुगतान कर सकेंगे। कंपनी ने कहा कि मशरेक के नियोपे टर्मिनल पर यूपीआई से पेमेंट कर सकते हैं। ये कई रिटेल स्टोर, डाइनिंग आउटलेट के साथ-साथ पर्यटक और घूमने-फिरने की मशहूर जगहों पर उपलब्ध हैं। आसान और तुरंत पेमेंट करने के लिए, यूजर को सिर्फ़ क्यूआर कोड स्कैन करना होगा। ये लेनदेन, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई) के ज़रिए पूरे किए जाते हैं। सभी लेनदेनों की प्रक्रिया भारतीय रुपए में की जाती है। ऐसा पारदर्शिता और भारतीय पर्यटकों को सहूलियत देने के लिए किया जाता है। इसके अलावा, वे प्रवासी भारतीय भी फोनपे ऐप डाउनलोड कर सकते हैं जिनके पास यूएई के मोबाइल नंबर हैं और पेमेंट की सुविधा का इस्तेमाल करने के लिए, वे अपने मौजूदा एनआरई और एनआरओ खाते लिंक कर सकते हैं।

गुड फ्राइडे पर शेयर व मुद्रा बाजार रहा बंद

मुंबई। गुड फ्राइडे के अवसर पर आज शेयर बाजार और अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में अवकाश रहा, जिसके कारण कोई कामकाज नहीं हो सका। देश के प्रमुख शेयर बाजारों बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के साथ ही अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार भी बंद रहा है। कारोबारियों का कहना है कि अब अगले सप्ताह सोमवार से सामान्य कामकाज होगा।

सैमसंग के कर्मचारी 5.1 प्रतिशत वृद्धि पर सहमत

सोल। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक दक्षिण कोरियाई कंपनी सैमसंग के प्रबंधन और उसके कर्मचारी साल 2024 के लिए औसतन 5.1 प्रतिशत वेतन वृद्धि पर सहमत हो गए हैं। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की सबसे बड़ी मेमोरी चिप और स्मार्टफोन निर्माता ने अपने कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ वेतन और मातृत्व अवकाश बढ़ाने को लेकर एक समझौता किया है। इस वर्ष की 5.1 प्रतिशत वेतन वृद्धि पिछले वर्ष की 4.1 प्रतिशत वेतन वृद्धि से अधिक है।

विमान में सीट बुकिंग के लिए 44 फीसदी लोगों ने दिया अतिरिक्त शुल्क

नई दिल्ली। भारत में एयरलाइन्स कंपनियों और उनकी सर्विसेज को लेकर समय-समय पर खामियां देखने को मिलती है। इसी बीच आज यानी शुक्रवार को लोकल सर्किल्स के सर्वे में कई और खुलासे देखने को मिले हैं और ये खुलासे फ्लाइट बुकिंग, सीट अलॉटमेंट जैसे मुद्दों से जुड़े हैं। सर्वे से एयरलाइंस और ऑनलाइन ट्रैवल पोर्टल्स की तरफ से 'डार्क पैटर्न' के व्यापक यूज का पता चलता है, जिससे ग्राहकों को उड़ान बुकिंग के दौरान सीट सिलेक्ट करने के लिए एक्स्ट्रा फीस का भुगतान करने में हेरफेर किया जाता है।

प्रमुख क्षेत्र का उत्पादन फरवरी में तीन महीने के उच्चतम स्तर पर

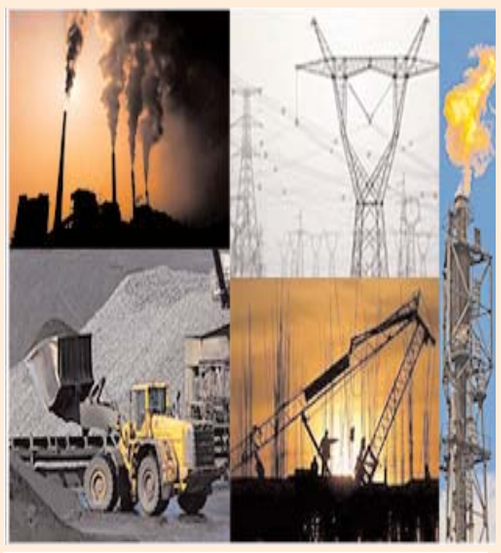

■ फरवरी 2023 की तुलना में 2024 में उर्वरक उत्पादन में 9.5 प्रतिशत की गिरावट आई

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। मुख्य रूप से कोयला, सीमेंट और कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि के बल पर आठ प्रमुख क्षेत्रों के उत्पादन में फरवरी 2024 में 6.7प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार आठ प्रमुख उद्योगों (आईसीआई) के संयुक्त सूचकांक में फरवरी 2023 के सूचकांक की तुलना में फरवरी 2024 में 6.7प्रतिशत की वृद्धि हुई। कोयला, प्राकृतिक गैस, सीमेंट, स्टील, कच्चे तेल, बिजली और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

हालांकि फरवरी, 2023 की तुलना में फरवरी 2024 में उर्वरक उत्पादन में 9.5 प्रतिशत की गिरावट आई। आठ प्रमुख उद्योगों में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में शामिल वस्तुओं का 40.27 प्रतिशत भागीदारी है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, फरवरी, 2024 में कोयला उत्पादन फरवरी, 2023 की तुलना में 11.6प्रतिशत, सीमेंट उत्पादन 10.2प्रतिशत बढ़ गया।

होण्डा ने घरेलू बाजार में बेचे 6 करोड़ दोपहिया वाहन

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन निर्माता होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने भारतीय परिचालन शुरू करने से लेकर अब तक 6 करोड़ दोपहिया वाहन घरेलू बाजार में बेचने की आज घोषणा की। कंपनी ने कहा कि होण्डा ने 2001 में अपने पहले दोपहिया वाहन एक्टिवा के साथ भारतीय बाज़ार में प्रवेश किया और इसके बाद कंपनी द्वारा रचा गया इतिहास सबके सामने है। पिछले सालों के दौरान कंपनी ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं और भारत के सबसे पसंदीदा दोपहिया ब्रांडो में से एक रूप में अपनी स्थिति को बनाए रखे हुए है। अपनी शुरूआत के बाद से एचएमएसआई इनोवेशन, गुणवत्ता एवं उपभोक्ताओं को संतोषजनक सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी रही है और भारतीय उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए विश्वस्तरीय प्रोडक्ट्स की व्यापक रेंज लाती रही है। जून 2001 में अपना संचालन शुरू करने के बाद से होण्डा ने पिछले दो दशकों के दौरान भारतीय उपभोक्ताओं को संतोषजनक सेवाएं प्रदान की हैं। कंपनी को पहले 1 करोड़ उपभोक्ताओं तक पहुंचने में ग्यारह साल का समय लगा, इसके बाद यह गति तीन गुना हो गई और अगले तीन सालों में कंपनी 2 करोड़ के आंकड़े तक पहुंच गई। अपनी शुरूआत के तकरीबन 16 सालों में, अप्रैल 2017 में कंपनी ने 3 करोड़ के आंकड़े को छू लिया। लेकिन अगले 3 करोड़ उपभोक्ता मात्र सात सालों में होण्डा के परिवार में शामिल हो गए और इस तरह तीव्र गति के साथ होण्डा मार्च 2024 में 6 करोड़ के ऐतिहासिक आंकड़े तक पहुंच गई। इस उपलब्धि पर कंपनी के अध्यक्ष एमडी एवं सीईओ सुत्सुमु ओतानी, ने कहा, ''हमें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि एचएमएसआई अब 6 करोड़ से अधिक खुशहाल उपभोक्ताओं के परिवार का हिस्सा बन चुकी है। इस उपलब्धि को हासिल करना ब्राण्ड होण्डा में भारतीय उपभोक्ताओं के भरोसे एवं विश्वास की पुष्टि करता है। हमें इस उपलब्धि पर गर्व है और आने वाले समय में भी हम उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर खरा उतरने और भारतीय दोपहिया उद्योग के विकास में सकारात्मक योगदान देने के लिए समर्पित हैं।'

केंद्र ने व्यापारियों से गेहूं स्टॉक घोषित करने को कहा

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। बेईमानों द्वारा जमाखोरी और सट्टेबाजी को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने घोषणा की कि देश में गेहूं के सभी खुदरा और थोक व्यापारियों को 1 अप्रैल से आधिकारिक पोर्टल पर अपने स्टॉक की स्थिति घोषित करनी होगी। निर्देश में कहा गया है कि अगले आदेश तक हर शुक्रवार को स्टॉक की स्थिति अपडेट करनी होगी। खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने कहा कि वह कीमतों को नियंत्रित करने और देश में उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गेहूं और चावल की स्टॉक पर कड़ी नजर रख रहा है। यह आदेश सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के व्यापारियों-थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला के खुदरा विक्रेताओं और प्रोसेसरों पर लागू है। सभी संबंधित कानूनी संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि पोर्टल पर स्टॉक का नियमित और सही ढंग से खुलासा किया जाए।

आदेश में कहा गया है कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में संस्थाओं के लिए गेहूं स्टॉक सीमा 31 मार्च को समाप्त हो रही है। इसके बाद, संस्थाओं को पोर्टल पर गेहूं के स्टॉक का खुलासा करना होगा। सभी श्रेणियों की संस्थाओं द्वारा चावल स्टॉक की घोषणा पहले से ही की जा रही है।

अलीएक्सप्रेस के खिलाफ दक्षिण कोरिया में शिकायतें बढ़ीं

सोल, 29 मार्च (एजेंसियां)। अलीबाबा के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अलीएक्सप्रेस के खिलाफ दक्षिण कोरिया में शिकायतें एक साल पहले की तुलना में 2023 में लगभग तीन गुना बढ़ गईं। केसीए ने एक बयान में कहा कि अलीएक्सप्रेस के खिलाफ कोरिया कंज्यूमर एजेंसी (केसीए) को सौंपी गई शिकायतों की संख्या पिछले साल 228 थी, जो अब बढ़कर 673 हो गई हैं।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया कि पीडीडी होल्डिंग्स टेमू सहित चीनी ई-कॉमर्स कंपनियों से जुड़ी शिकायतें तेजी से बढ़ी हैं। वे कोरियाई ऑनलाइन शॉपिंग बाजार में हिस्सेदारी हासिल करने के लिए आक्रामक रूप से अपने उत्पादों का विपणन कर रहे हैं, जिसमें कूपांग कॉर्प का वर्चस्व है। प्रमुख शिकायतें उत्पाद की गुणवत्ता, देर से या छूटी हुई डिलीवरी, गलत डिलीवरी, डिलीवरी में देरी के बाद ऑर्डर रद्द होने का कोई प्रतिबिंब नहीं, और डिलीवरी पथ और समय पर ट्रैकिंग जानकारी की कमी के बारे में हैं। बयान में कहा गया है कि विदेशी ई-कॉमर्स मॉल से सीधी खरीदारी से संबंधित शिकायतों की कुल संख्या पिछले साल से 17 प्रतिशत बढ़कर 19,418 हो गई, जो एक साल पहले 16,608 थी। उपभोक्ता अधिकार समूहों ने कहा है कि सरकार को अलीएक्सप्रेस जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अनुचित बाजार प्रथाओं से उपभोक्ताओं को होने वाले नुकसान को रोकने और इस तरह के नुकसान का जवाब देने के लिए नए नियमों पर काम करने की जरूरत है। अलीबाबा बिजनेस-टू-बिजनेस लेनदेन पर ध्यान केंद्रित करता है, जबकि अलीएक्सप्रेस मुख्य रूप से बिजनेस-टू-कंज्यूमर मार्केटप्लेस है।

भारत ने सबसे तेजी से बढ़ती जीडीपी दर की अपनी गति बरकरार रखी : पारेख

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर डालने वाले भू-राजनैतिक तनावों के बीच, भारत ने दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती जीडीपी दर की अपनी गति बरकरार रखी है। इसका श्रेय

■ राजनीतिक स्थिरता ने भारत को आत्मविश्वास की एक नई भावना दी
■ देश को विकसित होते देख रहे हैं भारत के युवा

देश की राजनीतिक स्थिरता को जाता है, जिसने इसे आत्मविश्वास एक नई भावना दी है। यह बात जेकेएलयू पुरस्कार विजेता दीपक पारेख ने कही।

पारेख ने कहा कि हम पहले ही वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी युद्धों के प्रभाव को देख चुके हैं। हम भाग्यशाली है कि भारत में राजनीतिक स्थिरता है। इसने देश को आत्मविश्वास एक नई भावना दी है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल अपनी

भारत न केवल अपनी विकास गति के कारण, बल्कि अन्य देशों के साथ मजबूत संबंधों के कारण विश्व का केंद्र बिंदु बन गया है : : दीपक पारेख

विकास गति के कारण, बल्कि अन्य देशों के साथ मजबूत संबंधों के कारण विश्व का केंद्र बिंदु बन गया है। जेके संगठन की एक पहल, जेके लक्ष्मीपत विश्वविद्यालय (जेकेएलयू) द्वारा पारेख को जेकेएलयू पुरस्कार 2024 प्रदान किया गया। जयपुर में विश्वविद्यालय के विशाल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गण्यमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जेकेएलयू यूट्यूब चैनल के जरिए दुनिया भर से लोग इस कार्यक्रम से जुड़े।

विकसित भारत-विज़न इंडिया 2047: युवाओं के लिए अवसर शीर्षक से हरि शंकर सिंघानिया मेमोरियल भाषण देते हुए पारेख ने कहा कि भारत के युवा सबसे भाग्यशाली हैं, जो देश को विकसित होते देख रहे हैं।

पारेख ने कहा कि यह सच है कि कुछ पीढ़ियां दूसरों की तुलना में अधिक भाग्यशाली होती हैं। भारत को विकसित होते देखना आप सभी युवाओं का सौभाग्य है। भारत के विकास की दुनिया भर में सराहना हो रही है। आपका अपने जन्म के समय पर नियंत्रण नहीं था, लेकिन भारत को विकसित होते देखने वालों की पीढ़ी में एक बार मिलने वाले इस अवसर को देखने और उसका दोहन करने पर आपका नियंत्रण है। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि तीन वर्षों में जापान और जर्मनी को पछाड़कर भारत में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है।

खेल जगत

डेविड वार्नर ने 'पुष्पा' को बधाई दी

मुंबई। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वार्नर निश्चित रूप से स्टार अल्लू अर्जुन के बहुत बड़े प्रशंसक हैं, जिन्हें उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने नवीनतम पोस्ट में एक किंवदंती के रूप में संदर्भित किया है। वार्नर ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर दुबई के मैडम तुसाद में अपने मोम के पुतले के बगल में अल्लू अर्जुन की तस्वीर साझा की। तस्वीर को साझा करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई स्टार ने फोटो को कैप्शन दिया यह किंवदंती कितनी अच्छी है 'अल्लू अर्जुन ऑनलाइन बधाई' (पुष्पा)। यह पहली बार नहीं है कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज वॉर्नर ने अल्लू अर्जुन के प्रति अपना प्यार दिखाया है।

पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंटस का मुकाबला आज, राह पर लौटने की चुनौती

लखनऊ की मजबूत बल्लेबाजी व पंजाब की धारदार गेंदबाजी में मुकाबला

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 29 मार्च (देशबन्धु)। शिखर धवन की कप्तानी में मेहमान दिल्ली कैपिटल्स पर चार गेंद के बाकी रहते चार विकेट से जीत से आगाज करने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से अपने दूसरे मैच में ठीक इसी अंतर से हारने वाली पंजाब किंग्स के सामने अब शनिवार को लखनऊ में लखनऊ सुपर जॉयंटस के खिलाफ मैच से आईपीएल 2024 में फिर जीत की राह पर वापस लौटने की चुनौती है। चोट के बाद कप्तान केएल राहुल और विस्फोटक निकोल्स पूरन के विस्फोटक शतकों और दोनों की पांचवें विकेट की 85 रन की भागीदारी के केएल राहुल के राजस्थान रॉयल्स के स्विंग गेंदबाज संदीप शर्मा की गेंद को उड़ाने के प्रयास ध्रुव 17 वें ओवर आउट होने के चलते टूटने के कारण लखनऊ सुपर जायंटस ने 20 रन से हार के साथ आगाज किया। दिलचस्प बात यह है कि मौजूदा आईपीएल में शुरू के दस मैचों में मेजबान टीम ही जीती है और देखना यह होगा कि लखनउ सुपर जायंटस क्या मेजबानों की जीत के सिलसिले को जारी रखते हुए पंजाब किंग्स को शनिवार को हरा पहली जीत दर्ज करने में सफल होगी। पिछली आईपीएल में अब तक लखनऊ सुपर जायंटस पहले मैच में पंजाब किंग्स से दो विकेट से हार गई थी लेकिन दूसरे मैच में 56 रन से जीत दर्ज की थी। कुल मिलाकर लखनउ और पंजाब के बीच तीन में से दो मैच लखनउ ने जीते। कप्तान केएल राहुल व क्विंटन डी कॉक की सलामी जोड़ी के साथ देवदत्त पड्डीकल, निकोलस पूरन, मरकस स्टोइनस, आयुष बड़ौनी और ऑलराउंडर दीपक हुड्डा और क्रुणाल पांडया के रूप में लखनउ सुपर जायंटस की ताकत उसकी मजबूत बल्लेबाजी है। मुकाबला लखनउ सुपर जायंटस की मजबूत बल्लेबाजी और कसिगो रबाड़ा, अर्शदीन सिंह, सैम करेन और हर्षल पटेल जैसे तेज गेंदबाजों और बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बराड़ से सज्जित पंजाब किंग्स की धारदार गेंदबाजी के बीच है। पंजाब किंग्स की बल्लेबाज कप्तान शिखर धवन और जॉनी बैरिस्टो की सलामी जोड़ी में प्रभसिमरन सिंह, लियाम लिविंगस्टन और जीतेश शर्मा जरूरत से ज्यादा निर्भर है। वहीं लखनऊ सुपर जायंटस की गेंदबाजी तेज गेंदबाज मोहसिन खान, मरकस स्टोइनस व यश ठाकुर जैसे तेज गेंदबाजों के साथ अपने बड़े वाले नौजवान लेग स्पिनर रवि बिश्नोई और बाएं हाथ के स्पिनर क्रुणाल पांडया पर निर्भर है। आईपीएल के इतिहास के सबसे कामयाब गेंदबाजों में से एक है लेग स्पिनर अमित मिश्रा को लखनउ सुपर जायंटस उसी तरह पंजाब किंग्स के खिलाफ तुरुप के इक्के की तरह कर सकता है जिस तरह राजस्थान रॉयल्स ने आखिरी के ओवर में अपने लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल का किया था। साथ ही भले ही

आईपीएल 2024

बेशक टीम की लगातार दूसरी हार से निराश हूं ऋषभ पंत

उम्मीद है कि अगले मैच में बढ़िया प्रदर्शन करेंगे

नई दिल्ली, 29 मार्च। रेयन पराग (अविजित 86, 45 गेंद, छह चौके व सात चौके)के तूफानी अर्द्धशतक की बदौलत राजस्थान रॉयल्स के निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 184 रन के जवाब में ऋषभ पंत की डेविड वॉर्नर (49 रन,34 गेंद, 3 छक्के, पांच चौके) व कप्तान ऋषभ पंत (28 रन,26 गेंद, एक छक्का व दो चौके) के साथ तीसरे विकेट की 67 रन की तथा ट्रस्टन स्टब्ज (अविजित 44 रन 23 गेंद, तीन छक्के, दो चौके) व अक्षर पटेल (अविजित 15 रन, 13 गेंद, एक चौका) के साथ छठे विकेट की 51 रन की भागीदारी के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स जयपुर में 20 ओवर में पांच विकेट पर 172 रन बना आईपीएल में 2024 में शुक्रवार रात अपना मैच 12 रन से हार गई। अपनी टीम की लगातार दूसरी हार की बाबत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा कि बेशक अपनी टीम की लगातार दूसरी हार से निराश हूं। हमारे लिए अच्छा यही होगा कि हम इस हार से सीखे। हमारे गेंदबाजों ने 15-16 ओवर ततक अच्छी गेंदबाजी की और हमारे बल्लेबाजों ने आखिर के मारधाड़ वाले ओवरों में बढिया बल्लेबाजी की। उम्मीद है अब हम अपने दूसरे घरेलू मैदान विशाखापट्टनम के मैदान पर अपने अगले मैच में बढिया प्रदर्शन करेंगे। डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श की सलामी जोड़ी ने हमें अच्छी शुरुआत दी। हमें विकेट बचाए रख कर अपनी पारी संभालनी थी। पर अफसोस हमें आखिर में हमारे सामने बनाने को बहुत रन थे।

अगले कुछ हफ्तों में ऋषभ पंत को बल्ले से कुछ खास करता देखेंगे : हॉप्स

वहीं दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच जेम्स हॉप्स ने अपनी टीम के राजस्थान के खिलाफ मैच में प्रदर्शन की बाबत कहा कि मैं अपने गेंदबाजों की बहुत आलोचना नहीं करना चाहूंगा, हमारे गेंदबाजों ने रणनीति को अमली जामा पहनाने की कोशिश की। हमारे गेंदबाजों के लिए बतौर गेंदबाज पहला हाफ अच्छा रहा लेकिन आखिर के पांच ओवर में मैच हमारी पकड़ से निकल गया। नोकिया की आखिर के मारधाड़ वाले ओवरों में गेदबाजी पर निकाल डाले पाएंगे वह एक प्रमुख गेंदबाज हैं। हम उम्मीद करते हें कि वह आगे बेहतर गेंदबाजी करेंगे। हमने बल्लेबाजी करते हुए अच्छा आगाज किया लेकिन फिर बीच के ओवर में लडखड़ा गए। राजस्थान के गेंदबाजों ने आखिर के दस ओवरों में बेहतर गेंदबाजी की। हमें मैच में आखिर के ओवर में अपना खेल बेहतर करने की जरूरत है। मैं कहूंगा कि राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच ही हमारा पहला मैच था।

एआईएफएफ ने मुख्य कोच इगोर स्टिमैक के साथ चर्चा के लिए समिति बनाई

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने फीफा विश्व कप क्वालीफायर और एएफसी एशियाई कप 2027 प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफायर राउंड 2 में अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में भारत के हालिया प्रदर्शन पर एआईएफएफ तकनीकी समिति द्वारा की गई सिफारिशों पर चर्चा करने के लिए महासंघ के वरिष्ठ सदस्यों के साथ शुक्रवार को एक आभासी बैठक की। एआईएफएफ अध्यक्ष और उसके सदस्यों ने राउंड 2 क्वालीफायर के पूरा होने के बाद टीम के साथ उनके भविष्य पर भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों पर भी ध्यान दिया। बैठक में एआईएफएफ के 14 वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया।भारत ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ दो विश्व कप क्वालीफायर मैच खेले। जहां सऊदी अरब के आभा में पहला मैच गोलरहित ड्रा में समाप्त हुआ, वहीं गुवाहाटी में दूसरे मैच में भारत को विश्व में 158वें स्थान पर मौजूद अफगानिस्तान के हाथों 1-2 से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। चौबे ने सभी सदस्यों की सिफारिशों और सुझावों को सुनने के बाद, पांच सदस्यीय समिति का गठन किया, जिसमें एआईएफएफ के उपाध्यक्ष एन.ए. हारिस; मेनला एथेनपा, सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, वित्त समिति; अनिलकुमार प्रभाकरन, सदस्य, कार्यकारी समिति, और अध्यक्ष, प्रतियोगिता समिति; आई.एम. विजयन, सदस्य, कार्यकारी समिति, और अध्यक्ष, तकनीकी समिति; और क्लाइमेक्स लॉरेंस, सदस्य, कार्यकारी समिति और तकनीकी समिति शामिल हैं।

आरसीबी वह टीम है जिसे मैं सपने में हराना चाहा था: गंभीर

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां) जैसे ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मैच का समय नजदीक आ रहा है, प्रशंसक बेसब्री से मुकाबले का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन फैंस के अलावा कोई और भी इस महामुकाबले का काफी उम्मीदों के साथ इंतजार कर रहा है. और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटर गौतम गंभीर ने इस मुकाबले में एक रोमांचक आयाम जोड़ दिया क्योंकि उन्होंने कबूल किया कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु वह टीम है जिसे उन्होंने सपने में भी हराना चाहा था। टूर्नामेंट में दोनों टीमें 32 मैचों में एक-दूसरे के सामने आई हैं, जिसमें 18 जीत के साथ केकेआर का पलड़ा भारी रहा है। अपने पिछले पांच मुकाबलों में भी कोलकाता नाइट राइडर्स ने आरसीबी के खिलाफ पांच में से चार मैच जीतकर एक प्रमुख रिकॉर्ड बनाए रखा है। गंभीर ने आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि एक टीम जिसे मैं हर बार हराना चाहता था और शायद सपने में भी वह आरसीबी है... दूसरी सबसे हाई-प्रोफाइल टीम। गंभीर ने 2008 में बेंगलुरु स्थित फ्रेंचाइजी के खिलाफ आईपीएल के पहले मैच में ब्रैंडन मैकुलम के ऐतिहासिक शतक (73 गेंदों पर 158 रन) की ओर इशारा करते हुए आगे कहा कि केकेआर का अब तक का उल्लेखनीय प्रदर्शन आरसीबी के खिलाफ है। विशेष रूप से, केकेआर ने 2012 और 2014 में दो बार आईपीएल जीता, जबकि आरसीबी अभी भी 16 सीज़न के बाद अपनी पहली ट्रॉफी की तलाश में है। गंभीर ने कहा क ईमानदारी से कहूं तो कुछ भी नहीं जीता, फिर भी सोचा कि उन्होंने इस तरह के रवैये के साथ सब कुछ जीता और (मैं) इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। और शायद केकेआर की अब तक की तीन सबसे अच्छी जीत आरसीबी के खिलाफ थी - पहली बार, पहला गेम आईपीएल में, आरसीबी के खिलाफ ब्रेंडन मैकुलम। 49 ऑल आउट...आरसीबी। 6 ओवर 100। शायद आईपीएल में एकमात्र बार जब पहले 6 ओवर में 100 रन बने, क्रिस लिन और सुनील नारायण। भारत के पूर्व बल्लेबाज ने अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए आरसीबी की स्टार-स्टडेड बल्लेबाजी इकाई की प्रशंसा की। हम हमेशा से जानते थे कि वे एक बहुत मजबूत टीम हैं और शायद सबसे आक्रामक बल्लेबाजी इकाई भी हैं। क्रिस गेल, विराट कोहली, एबी डिविलियर्स। इससे बेहतर क्या हो सकता है? अगर एक चीज जो मैं अपने आईपीएल करियर से चाहता हूं या यहां तक कि गंभीर ने कहा कि एक चीज जो मैं चाहूंगा वह फिर से क्रिकेट के मैदान पर जाना और आरसीबी को हराना।

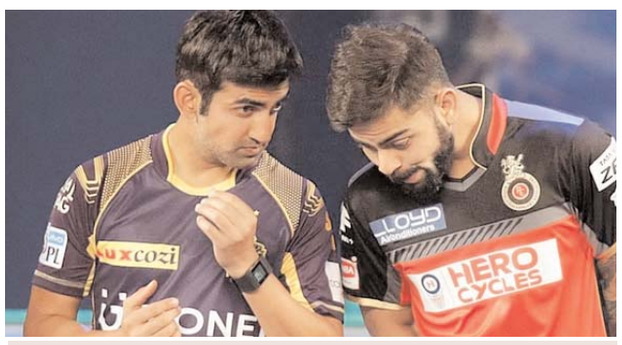

■ टूर्नामेंट में दोनों टीमें 32 मैचों में एक-दूसरे के सामने आई हैं, जिसमें 18 जीत के साथ केकेआर का पलड़ा भारी रहा है।

सार संक्षेप

पोरबंदर में मंडाविया ने स्थानीय लोगों के साथ क्रिकेट खेला

पोरबंदर। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने गुजरात के पोरबंदर ने स्थानीय लोगों के साथ क्रिकेट खेलकर बल्लेबाजी में हाथ अजमाया। श्री मंडाविया ने इस दौरान गेंदबाजी और बल्लेबाजी पर भी अपना हाथ अजमाया। उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ क्रिक्रेट खेलने के बाद उनसे बातचीत भी की। सोशल मीडिया पर आज वायरल वीडियो में स्वास्थ्य मंत्री को गेंदबाजी और बल्लेबाजी करते हुए देखा गया। इस दौरान उन्होंने वहां मौजूद स्थानीय लोगों से हाथ मिलाया और बातचीत भी की।

अमेरिका ने कोरी एंडरसन को अपनी टीम में किया शामिल

वाशिंगटन। अमेरिका ने कनाडा के साथ होने वाली पांच टी-20 मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर कोरी एंडरसन को टीम में शामिल किया है। अमेरिका क्रिकेट के अनुसार सभी मुकाबले सात से 13 अप्रैल तक ह्यूस्टन, टेक्सास में खेले जायेंगे। मोनांक पटेल श्रृंखला में अमेरिका के कप्तान होंगे तथा एरोन जोन्स को उप-कप्तान बनाया गया है। अमेरिका और वेस्टइंडीज के सह-मेजबानी में जून में आयोजित होने टी-20 विश्वकप के मद्देनजर यह श्रृंखला अमेरिकी टीम के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा अमेरिका मई में बंगलादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलेगा। अमेरिका क्रिकेट के कप्तान मोनांक ने एक बयान में कहा कि आईसीसी टी-20 विश्वकप नजदीक होने के साथ, यह श्रृंखला हमारी टीम के लिए बहुत महत्व रखती है। उन्होंने कहा कि हमारी टीम में कुछ नए खिलाड़ी आ रहे हैं और इन खेलों से हमें सही संयोजन बनाने और विश्व कप के लिए अच्छी तैयारी करने में मदद मिलेगी।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया

वेलिंगटन। कप्तान हैदर नाइट की 35 रनों की पारी और नेट साइवर ब्रंट हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम ने शुक्रवार को खेले गए पांचवें टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड की महिला टीम को पांच विकेट से हराकर सीरीज 4-1 से जीत ली है। इंग्लैंड की टीम ने 137 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरे ओवर में माया बूशेर छह रन का विकेट खोया। आठवें ओवर में ऐलिस कैप्सी भी 25 रन और उसके बाद डेनिएल वायट ने 21 रन बनाकर आउट हो गई। उस समय टीम का स्कोर तीन विकेट पर 64 रन था। नेट साइवर ब्रंट और कप्तान हैदर नाइट ने पारी को संभालते हुए स्कोर को 121 रन तक ले गई। ब्रंट ने 27 गेंदों में 31 रन बनाये। वहीं हैदर नाइट ने टीम के लिए 28 गेंदों मे सर्वाधिक 35 रनों की पारी खेली। एमी जोंस और सोफिया डंकली छह-छह रन बनाकर नाबाद रही।

'नॉर्टजे बेहतर होते जाएंगे': कोच होप्स

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां) दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को आईपीएल 2024 में गुरुवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से 12 रन से मिली लगातार दूसरी हार के बाद गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स का मानना है कि तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे आने वाले मैचों में बेहतर होते जाएंगे। नॉर्टजे आईपीएल 2024 का अपना पहला मैच खेल रहे थे और हाल ही में पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण लंबी छुट्टी के बाद एक्शन में लौटे हैं। हालांकि उन्होंने मैच में ध्रुव जुरेल को आउट कर दिया, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज को रियान पराग के आक्रमण का सामना करना पड़ा, जिन्होंने 25 रन के अंतिम ओवर में उन्हें तीन चौके और दो छक्के मारे, जिससे आरआर ने 185/5 का स्कोर बनाया। होप्स ने मैच के बाद कहा कि उन्हें काफी समय तक खेल से बाहर रहना पड़ा, लेकिन अगर आप सभी आंकड़ों पर नजर डालें तो वह खेल के प्रमुख डेथ गेंदबाजों में से एक हैं। हमें भरोसा है कि वह लगातार बेहतर होते रहेंगे। उन्होंने यह भी महसूस किया कि अच्छा पावर-प्ले करने के बाद डीसी बल्ले से विफल हो गए, जिसमें डेविड वार्नर ने 49 रन बनाए और ट्रिस्टन स्टब्स ने नाबाद 44 रन बनाए। बल्लेबाजी में, हमने वास्तव में अच्छी शुरुआत की, हम मैच में आगे थे।

पाकिस्तान आयरलैंड में तीन टी-20 मैचों की श्रृंखला खेलेगा

इस्लामाबाद, 29 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आयरलैंड के साथ तीन टी-20 मैचों की श्रृंखला की तारीखों का ऐलान कर दिया है। पीसीबी की घोषणा के अनुसार तीनों मुकाबले 10 से 14 मई तक डबलिन के कैसल एवेन्यू में खेले जाएंगे। इससे पहले दोनों देशों के बीच 2009 में टी-20 मैच खेला गया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई 2020 में दो देशों के बीच टी-20 श्रृंखला निर्धारित की गई थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण यह दौरा नहीं हो सका था। पाकिस्तान, अमेरिका और वेस्ट इंडीज में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप 2024 के लिए अपनी तैयारी के मद्देनजर अपनी फॉर्म को बेहतर बनाने के लिए 12 टी-20 मैच खेलेगा।

दिमित्रोव ने अल्कराज की 'सनशाइन डबल' की उम्मीदों को तोड़ा

फ्लोरिडा, 29 मार्च (एजेंसियां)। ग्रिगोर दिमित्रोव ने गुरुवार को मियामी ओपन में कार्लोस अल्कराज की 'सनशाइन डबल' पूरी करने की संभावना को समाप्त कर दिया, क्योंकि बुल्गारियाई ने क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 6-2, 6-4 से हरा दिया। पहली बार मियामी सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाले बुल्गारियाई दिमित्रोव नौ एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में से आठ में अंतिम चार में पहुंचे हैं। 20 वर्षीय अल्कराज का लक्ष्य पिछले साल के अपने मियामी सेमीफाइनल परिणाम की बराबरी करना और 2014-16 में नोवाक जोकोविच के बाद दक्षिण फ्लोरिडा में लगातार तीन सेमीफाइनल में पहुंचने वाला पहला खिलाड़ी बनना था। बुल्गारियाई अब चौथी वरीयता प्राप्त जर्मन अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ खेलेंगे जो सीजन का उनका चौथा सेमीफाइनल होगा।

कोलिन्स पहले डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में पहुंची

आज हार्ड रॉक स्टेडियम में खिताब के लिए वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना से भिड़ेंगी

मियामी ओपन

फ्लोरिडा, 29 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी डेनिएल कोलिन्स ने मियामी ओपन में गुरुवार रात 14वें नंबर की खिलाड़ी एकाटेरिना अलेक्जेंड्रोवा को 6-3, 6-2 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में प्रवेश किया। 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनलिस्ट, को इस टूर्नामेंट में गैरवरीयता प्राप्त अलेक्जेंड्रोवा को हराने के लिए सिर्फ 75 मिनट की जरूरत थी, जिन्होंने मियामी में अपने पहले सेमीफाइनल के रास्ते में विश्व नंबर 1 इगा स्वीयाटेक और नंबर 5 वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराया था। 2005 में किम क्लिस्टर्स के बाद मियामी में पहली गैरवरीयता प्राप्त चैंपियन बनने की कोशिश कर रही 30 वर्षीय खिलाड़ी शनिवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में खिताब के लिए नंबर 4 वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना से भिड़ेंगी। कोलिन्स ने अपने करियर में पहले दो खिताब जीते हैं, दोनों 2021 में थे। कोलिन्स 2018 में स्लोएन स्टीफंस के बाद मियामी फाइनल में पहुंचने वाली पहली अमेरिकी हैं - जिन्होंने खिताब जीता था। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 15 वर्षों में केवल चार अमेरिकी ही इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं, जिसमें कोलिन्स और स्टीफंस भी विलियम्स बहनों के साथ शामिल हो गए हैं। इससे पहले शाम को, वर्ल्ड नंबर 4 रिबाकिना ने सेमीफाइनल में नंबर 27 सीड विक्टोरिया अजारेंका को 6-4, 0-6, 7-6(2) से हराकर सीजन के अपने चौथे फाइनल में प्रवेश किया। रिबाकिना ने ब्रिस्बेन, अबू धाबी में खिताब और दोहा में साल के अपने पहले डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल के साथ, हार्ड कोर्ट पर अपने सीज़न की शानदार शुरुआत का आनंद लिया है।पिछले साल, रिबाकिना मियामी फाइनल में पेट्रा क्वितोवा से 7-6(14), 6-2 से हारकर सनशाइन डबल जीतने से एक जीत दूर रह गयी थीं। वह पिछले 10 वर्षों में सेरेना विलियम्स और एश्ले बार्टी के साथ लगातार मियामी फाइनल में जगह बनाने वाली तीसरी खिलाड़ी हैं, जो 2005-2006 में मारिया शारापोवा के बाद ऐसा करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं।

नकाजिमा ने 2 शॉट की बढ़त बनाई, अहलावत शीर्ष भारतीय

गुरुग्राम, 29 मार्च (एजेंसियां)। अपना नौसिखिया सीजन खेल रहे जापान के कीता नकाजिमा अपने पहले डीपी वर्ल्ड टूर खिताब की ओर देख रहे हैं, उन्होंने लगातार दूसरे 65 के कार्ड के साथ 14-अंडर स्कोर हासिल किया और हीरो इंडियन ओपन में एकमात्र बढ़त हासिल की। जब बिजली गिरने के कारण डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में शुक्रवार दोपहर को खेल निलंबित कर दिया गया, तो नकाजिमा क्लब हाउस में फ्रेंचमैन रोमेन लैंगास्क पर दो शॉट की बढ़त के साथ थे , जिनके पास 66 की जोड़ी है, और इतालवी माटेओ मनासेरो (65-68)11-अंडर के स्कोर पर हैं। फ्रांस के जियोंग वेन को (67-67) 10-अंडर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं, उनके साथ नीदरलैंड के कल के लीडर जोस्ट लुइटेन हैं, जिनके पास दूसरे दौर में जाने के लिए तीन और होल हैं। वीर अहलावत (69-66) नौ-अंडर के साथ छठे स्थान पर शीर्ष भारतीय थे, जो इवेंट लीडर नकाजिमा से पांच शॉट पीछे हैं।